वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
२०१८-१९

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT
(A Central University Established by an Act of the Parliament)

विषयसूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
१.	कुलपति की कलम से	३
२.	प्रस्तावना	४
३.	कुलपति पदस्थता चार्ट	५
५.	विश्वविद्यालय का मानव संसाधन	६
६.	कार्यकारी सारांश	८
७.	शैक्षणिक कार्यक्रम	९
८.	विश्वविद्यालयों के विद्यापीठों, विभागों और संकायों की गतिविधियाँ	१०
९.	केंद्रीय पुस्तकालय	३२
१०.	जन संपर्क कार्यालय	३३
११.	परीक्षा अनुभाग	३४
१२.	सीयूओ छात्रावास	३५
१३.	नेशनॉल फेलोशिप के पुरस्कार विजेतागण	३५
१४.	शैक्षणिक कैंलेंडर (२०१८-२०१९)	३६
१५.	छात्रों का नामांकन	३७
१६.	वित्त	३९
१७.	कंप्यूटर केंद्र	४३
१८.	मुख्य परिसर में संरचनात्मक विकास	४४
१९.	विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम	४५
२०.	आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)	५१
२१	उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ	५२
२२	नयी नियुक्ति	५३
२३	पुरस्कार और सम्मान	५३
२४	वैधानिक और गैर-वैधानिक समितियां	५४

कुलपति की कलम से

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से हार्दिक शुभेच्छा !

निष्पक्षता और समानता के साथ उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए हमारे मिशन को प्राप्त करने के लिए काम करते हुए, यह वार्षिक रिपोर्ट मुझे आपके सामने प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है जो हमने २०१८-१९ के दौरान प्रयास किया है।

वर्ष २००९ में स्थापित ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय लगातार प्रगति की है और यह अपने अस्तित्व के १०वें वर्ष को पूरा करने वाला है। वर्ष २०१८-१९ शिक्षाविदों और संस्थागत विकास में प्रगति के साथ चुनौतियों और अवसरों के साथ मिश्रित होने वाला एक फलदायी वर्ष रहा था।

वर्ष २०१८-१९ के दौरान, ओकेंवि ने ओड़िशा के अंदर और बाहर के केंद्रों में सफलतापूर्वक प्रवेश परीक्षा आयोजित की और पीजी, यूजी और अनुसंधान कार्यक्रमों में प्रवेश तय समय में पूरा किया। दसवें स्थापना दिवस को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कृष्ण भट्ट के साथ मुख्य अतिथि के रूप में पाकर मनाया गया और स्थापना दिवस व्याख्यान श्री अशोक सज्जनहर, राजदूत द्वारा, जिन्होंने "भारत और विश्व" व्याख्यान प्रदान किया।

पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए "अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस "," वन महोत्सव "और" वन्यजीव सप्ताह " मनाये गये जिस में छात्रों की भागीदारी देखे गए। प्रतिष्ठित व्याख्यान की मेजबानी के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया । महाराष्ट्र के साथ सांस्कृतिक संबंध बनाने और महामहिम ओड़िशा के राज्यपाल प्रो. गणेश लाल का परिदर्शन इस वर्ष के महत्वपूर्ण घटनाक्रम थे।

पहली बार छात्र परिषद का गठन किया गया था, छात्रों का लोकतांत्रिक निकाय, छात्रों द्वारा उत्साहपूर्ण भागीदारी और सेंट्रल जोन यूथ फेसिटवल में भागीदारी के साथ पहली स्पोर्ट्स मीट वर्ष का मुख्य आकर्षण था, हमारे छात्रों ने संबंधित विषयों में अन्य संगठन में इंटर्नशिप कार्यक्रम किए हैं। आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) द्वारा संवेदनशीलता और जागरूकता पर कार्यशाला, उन्नत भारत अभियान (यूबीए) सेल द्वारा पडोस के गांवों में आउटरीच कार्यक्रम और एनएसएस सेल द्वारा जागरूकता अभियान एमएचआरडी और यूजीसी के निर्देशों के अनुसार किए गए कार्यकलाप थे। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) -२०१९ में ओकेंवि की भागीदारी और १५१-२०० रैंक बैंड में प्लेसमेंट केंओवि की टोपी में एक और पंख था। हम वास्तव में अपने छात्रों, अनुसंधान विद्वानों, शिक्षकों और कर्मचारियों की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

मैं समर्थन और सहयोग के लिए पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को धन्यवाद देता हूं। हम मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और ओड़िशा सरकार की विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त समर्थन और सहयोग को भी स्वीकार करते हैं। हम विश्वविद्यालय समुदाय के समर्थन के साथ आश्वस्त हैं कि आने वाला वर्ष प्रगति और सर्वांगीण समृद्धि का गवाह बनेगा।

सभी को मेरी शुभकामनाएं ।

प्रो. शरत कुमार पालित, कुलपति (प्रभारी)
ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट

वार्षिक रिपोर्ट : २०१८-१९

परामर्शदातागण :

प्रो. शरत कुमार पलिता
कुलपति प्रभारी

प्रो. असित कुमार दास
कुलसचिव

संपादकीय समिति

अध्यक्ष :
डॉ. प्रदोष कुमार रथ
सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग

समन्वयक :
डॉ. फगुनाथ भोई
जन संपर्क अधिकारी

सदस्यगण :
डॉ. काकोली बनर्जी
सहायक प्रोफेसर, डीबीसीएनआर

श्री संजीत कुमार दास
सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग

डॉ. सौरभ गुप्ता
सहायक प्रोफेसर
जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग

डॉ. रमेंद्र कुमार पारही
सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
शिक्षा विभाग

डॉ. महेश कुमार पंडा
सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
सांख्यिकी विभाग

डॉ. मिनती साहु
सहायक प्रोफेसर,अर्थशास्त्र विभाग

श्री मानस दास
सहायक कुलसचिव (वि तथा ले)

प्रस्तावना

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समयरेखा में एक और वर्ष बीत चुका है और वर्ष २०१८-१९ की वार्षिक रिपोर्ट संदर्भ के लिए तैयार है । ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष २००९ में ओडिशा के कोरापुट घाटी के सुंदर परिवेश में संसद के एक अधिनियम द्वारा हुई थी। इसकी स्थापना के बाद से, विश्वविद्यालय ने गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने और समुदाय कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। राज्य के जन-जातीय वर्चस्व वाले क्षेत्र में उच्च शिक्षा के साथ साथ देश के ज्ञान केंद्र के रूप में खुद को तैयार करने के अलावा, यह विश्वविद्यालय ने सामुदायिक सेवा के लिए अपने आसपास के पाँच गांवों को अपनाकर अपने खुद को एक आला बना दिया है, जो अपनी दिव्यदृष्टि क्षेत्र के लिए, देश के लिए का केंद्र बिंदु है ।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय वर्तमान चौदह विभाग के तहत अध्ययन के सात विद्यापिठों में काम कर रहा है । विभागों मौलिक विज्ञान, जैव विज्ञान, समाज विज्ञान, व्यवसाय प्रबंधन और मानविकी के क्षेत्र में यूजी, पीजी, एमफिल, और पीएचडी पाठ्यक्रमों को चला रहा है । इसके जनजाति संस्कृति और अध्ययन के लिए एक केंद्र है जो देश के इस भाग के जनजाति अध्ययन में अनुसंधान के एक प्रमुख केंद्र के रुप में आकार दिया गया है और बढ़ाया जा रहा है।

पिछले वर्षों से ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों रंगारंग पंखों के साथ उत्तीर्ण हो रहे हैं और अच्छे अच्छे पदों पर तैनात हैं। हमारे कुछ छात्रों कई प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शोध कर रहे हैं। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर की केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, और आंध्र प्रदेश में महत्वपूर्ण स्थानों में फैले १४ केंद्रों में प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। दाखिले लिए हुए छात्रों को अच्छी तरह से सुसज्जित हॉस्टेल की सुविधा प्रदान की जाती है जो कुछ उत्सर्गीकृत शिक्षकों में से सतत पर्यवेक्षक के तहत प्रशिक्षित कार्मिकों द्वारा संचालित है । दिन में रह रहे छात्रों को परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय पास के आवासिक क्षेत्रों से परिसर तक पहुंचने के लिए बसें चला रहा है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय को स्मार्ट श्रेणीगृह, इंटेरनेट कनेक्सन, कंप्यूटर प्रयोगशाला, डिजिटॉल पुस्तकालय, जिसमें तीस हजार से अधिक खिताब, पत्रिकायें, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से एक केंद्रीय पुस्तकालय सहित मजबूत बनाया गया है। कैंटीन भी छात्रों और कर्मचारियों को व्यंजन की आवश्यकताओं को पूरा करता है। अंतिम सेमीस्टर के छात्रों को नियोजन सहायता दी जाती है जिसकी वजह से उन्हें अच्छे जगह पर नियोजित किया गया है। ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट की एक अनोखी प्राकृतिक शांत सौंदर्य के बीच शिक्षाविदों को एक उच्च मानक प्रदान करता है। सैद्धांतिक कक्षाएं, व्यावहारिक कक्षाएं, इंटर्नशिप, अध्ययन पर्यटन और अभिनव कार्य से भरा हुआ है। सेमीस्टर प्रणाली और चाइस बेसड सिस्टम का विकास किया जा रहा है। एक सुंदर अतिथि भवन चालू कर दिया गया है और आने वाले दिनों में आकर्षण करने हेतु परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए एक सुंदर पार्क का निर्माण किया गया है।

शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ विभिन्न पहलूओं से शानदार रहा। विश्वविद्यालय में नए सदस्यों के चुनाव और नामांकन के साथ छात्र परिषद का गठन किया गया। यह विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने ग्रेंइ रैंकिंग प्रक्रिया में भी भाग लिया है और भारत के १५०-२०० शीर्ष विश्वविद्यालयों की श्रेणी में अपना स्थान सुरक्षित किया है। सत्र के दौरान पहली वार्षिक खेल बैह्वक आयोजित की गई थी। छात्रों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के युवा महोत्सव और कार्यक्रमों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है । इसके अलावा, इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने प्रोफेसरों के आने-जाने का एक बडा काम भी देखा, जिन्होंने सेमेस्टर लेक्चर के वितरण के साथ विश्वविद्यालय की गुणवत्ता को बढाया।

वार्षिक रिपोर्ट २०१८-१९ के दौरान शैक्षणिक, छात्र केंद्रित समर्थन प्रणाली और प्रशासनिक तंत्र का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इसमें विश्वविद्यालय के साथ-साथ विभागों की गतिविधियाँ भी शामिल हैं। यह अपने संकाय सदस्यों की उपलब्धि पर प्रकाश डालता है जो हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। विश्वविद्यालय दूरदर्शी कुलपति के गतिशील नेतृत्व में दृढ.संकल्प और समर्पण के साथ आगे बढ रहा है, जिसका समग्र पर्यवेक्षण मार्गदर्शन और सलाह ने वार्षिक रिपोर्ट समिति को समय में रिपोर्ट संकलित करने में मदद की है।

हम इस वार्षिक रिपोर्ट में संकलित जानकारी और डेटा प्रदान करने के लिए संकाय,विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक प्रमुखों का भी धन्यवाद देते हैं हम वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस वार्षिक रिपोर्ट को वर्तमान रूप में आकार देने के लिए अथक प्रयास किया है।

वार्षिक रिपोर्ट समिति

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपतियों की पदस्थता सूची	
नाम	**अवधि**
प्रो. (डॉ.) सुरभी बनर्जी	२८.०२.२००९ से २७.०२.२०१४ तक
प्रो. मुहम्मद मियां (अतिरिक्त प्रभार)	०१.०४.२०१४ से १३.०५.२०१५ तक
प्रो. तलत अहम्मद(अतिरिक्त प्रभार)	१५.०५.२०१५ से ०६.०८.२०१५ तक
प्रो.सचिदानंद मोहांति	०७.०८.२०१५ से २८.०२.२०१९ तक
प्रो.शरत कुमार पलिता (कुलपति प्रभारी)	०१.०३.२०१९ - अब तक

पारदर्शिता :

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी मामलों में जीएफआर नियमों, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

विश्वविद्यालय का मानव संसाधन

विश्वविद्यालय की मानव शक्ति : वर्ष २०१८-१९ के दौरान विश्वविद्यालय की प्रगति एवं शैक्षिक विभागों में वृद्धि के साथ कई शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की सेवा में शामिल हुए हैं। विश्वविद्यालय के नियमित और ठेके कर्मचारियों की अद्यतन सूची निम्नवत है:-

विश्वविद्यालय के सांगठनिक पदों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
१.	प्रो. सचिदानंद मोहांति	कुलपति २८.०२.२०१९ तक
२.	प्रो. शरत कुमार पलिता	कुलपति प्रभारी०१.०३.२०१९ से अब तक
३.	प्रो. असित कुमार दास	कुलसचिव
४.	श्री के. कोसला राव	वित्त अधिकारी (प्रभारी)
५	प्रो. भवानी प्रसाद रथ	विशेष कार्य अधिकारी (परीक्षा, प्रशासन और छात्र कार्यव्यापार) २८.०२.२०१९ को कार्यमुक्त किया गया
६	प्रो. किशोर चंद्र राउत	अधिष्ठाता, शैक्षणिक २८.०२.२०१९ को कार्यमुक्त किया गया

विभाग वार नियमित, शैक्षणिक कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. शरत कुमार पलिता	प्रोफेसर तथा अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन	बीसीएनआर विद्यापीठ
२	डॉ. जयंत कुमार नायक	सहायक प्रोफेसर	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
३	श्री श्रीनिवास बी. कोंटनाक	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
४	डॉ. काकोली बानार्जी	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
५	डॉ. देबब्रत पंडा	सहायक प्रोफेसर	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग	बीसीएनआर विद्यापीठ
६	श्री प्रशांत कुमार बेहेरा	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
७	श्री बिश्वजित भोई	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
८	डॉ. मिनती साहु	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
९	डॉ. रमेंद्र कुमार पारही	सहायक प्रोफेसर	शिक्षक शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१०	श्री संजीत कुमार दास	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
११	डॉ. प्रदोष कुमार रथ	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१२	डॉ. सौरभ गुप्ता	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
१३	श्री ज्योतिष्का दत्ता	सहायक प्रोफेसर	गणित विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
१४	डॉ. आलोक बराल	सहायक प्रोफेसर	ओडिआ भाषा एवं साहित्य विभाग	भाषा विद्यापीठ
१५	डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई	सहायक प्रोफेसर	यथा	यथा
१६	डॉ. कपिल खेमुंडु	सहायक प्रोफेसर	समाज विज्ञान अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
१७	डॉ. महेष कुमार पण्डा	सहायक प्रोफेसर	सांख्यिकी	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

विभाग वार ठेके संकाय सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग	विद्यापीठ
१	डॉ. मीरा स्वांई	व्याख्याता (संविदा)	मानवशास्त्र अध्ययन विभाग	समाज विज्ञान विद्यापीठ
२	डॉ.ए मोहन मुरलीधर	व्याख्याता (संविदा)	वाणिज्य प्रबंधन	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
३	डॉ.प्रीतिश बेहेरा	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४	सुश्री सुमन मिश्र	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
५	श्री सुबाष चंद्र पट्टनायक	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
६	डॉ. गिरिधर मोहांत	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
७	श्री सुशांत कुमार	व्याख्याता (संविदा)	कंप्यूटर विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
८	श्री पतितपावन रथ	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
९	श्री संतोष कुमार रथ	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
१०	श्री संदीप कुमार साहु	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
११	श्री केदारसेन साहु	व्याख्याता (संविदा)	अर्थशास्त्र	समाज विज्ञान विद्यापीठ
१२	श्री सुभ्रजीत रथ	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	समाज विज्ञान विद्यापीठ
१३	डॉ. सर्वेश्वर बारिक	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
१४	श्री के वेंकट एन राव	व्याख्याता (संविदा)	शिक्षा	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
१५	श्री पी. डब्ल्यू. बनर्जी	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-

१६	श्री अक्षय कुमार भोई	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
१७	डॉ शिशिर कुमार बेज	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
१८	सुश्री बी. सोरेन	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
१९	डॉ.सौम्य रंजन दाश	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२०	डॉ. मयूरी मिश्रा,	व्याख्याता (संविदा) और विभाग प्रभारी	हिंदी विभाग	भाषा विद्यापीठ
२१	डॉ. सताब्दी बेहेरा	व्याख्याता (संविदा)	हिंदी विभाग	-यथा-
२२	सुश्री सोनी पारही	व्याख्याता (संविदा)	पत्रकारिता तथा जनसंचार विभाग	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ
२३	सुश्री तलत जे. बेगम	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२४	श्री सुजित कुमार मोहांति	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२५	श्री रमेश चन्द्र माटि	व्याख्याता (संविदा)	गणित विज्ञान	मौलिक विज्ञान तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ
२६	सुश्री कृष्णा मलिक	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२७	श्री दीपक राउत	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२८	श्री दीपन ज्योति मोहांति	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
२९	डॉ. आनंद बिस्वास	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३०	श्री प्रीतम कुमार भोई	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३१	डॉ. एस. एस. मिश्रा	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३२	श्री जयंत कुमार स्वांई	व्याख्याता (संविदा)	अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य	भाषा विद्यापीठ
३३.	श्री देवाशिष मिश्रा	व्याख्याता (संविदा)	-यथा- (०४.०१.२०१९ त्यागपत्र दे दिया)	भाषा विद्यापीठ
३४.	सुश्री डोली चौधूरी	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३५.	सुश्री मेहुली सांत्रा	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३६	डॉ. रुद्राणि मोहांति	व्याख्याता (संविदा)	ओडिया भाषा तथा साहित्य	-यथा-
३७	डॉ. गणेश प्रसाद साहु	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
३८	डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य	व्याख्याता (संविदा)	संस्कृत भाषा	भाषा विद्यापीठ
३९	डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४०	श्री मनिष कुमार दुबे	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४१	डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा	व्याख्याता (संविदा)	समाज विज्ञान	समाज विज्ञान विद्यापीठ
४२	डॉ. नुपूर पट्टनायक	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४३	डॉ. विजय चंद महारणा	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४४	सुश्री स्वतिका प्रधान	व्याख्याता (संविदा)	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ
४५	सुश्री निरूपमा साहु	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-
४६	श्री सुमन दास	व्याख्याता (संविदा)	-यथा-	-यथा-

गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विभाग
१.	श्री के.वी.उमा एम.राव	संयुक्त कुलसचिव	प्रशासन
२.	श्री के कोशला राव	संयुक्त कुलसचिव	वित्त
३.	श्री सुधाकर पटनायक	ओआईसी	अनुरक्षण
४.	श्री एम. एम. पात्र	विशेष कार्य अधिकारी	प्रशासन
५.	श्री विजयानन्द प्रधान	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
६.	डॉ.फगुनाथ भोई	जन संपर्क अधिकारी	जनसंपर्क
७.	श्री मानस कुमार दास	सहायक कुलसचिव	वित्त
८.	ई.पद्मलोचन स्वाईं	सहायक अभियंता	अभियांत्रिकी
९.	श्री बरदा प्रसाद राउतराय	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
१०.	श्री संजिव कुमार पाप्नेजा	तकनीकी सहायक	कम्प्यूटर प्रयोगशाला
११.	श्री रूद्रनारायण	प्रोफेशनॉल सहायक	पुस्तकालय
१२.	श्री शिवराम पात्र	सहायक	शैक्षणिक
१३.	श्री मानस चन्द्र पण्डा	सहायक	शैक्षणिक
१४.	श्री जितेन्द्र कुमार पण्डा	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन
१५.	श्री अजित प्रसाद पात्र	प्रवर श्रेणी लिपिक	वित्त
१६.	श्री अजय कुमार महापात्र	प्रयोगशाला सहायक	नृविज्ञान विभाग
१७.	श्री मुकुन्द खिलो	पुस्तकालय सहायक	पुस्तकालय

१८.	श्री प्रमोद कुमार परिड़ा	एल.डी.सी.	वित्त
१९.	श्री तुषारकान्त दास	एल.डी.सी.	अस्थायी कार्यालय, भुवनेश्वर
२०.	श्री मिलन कुमार राउल	कार्यालय एटेंडेट	शैक्षणिक
२१.	सुश्री प्रीति कुमारी रथ	कार्यालय एटेंडेट	प्रशासन
२२.	डॉ. मधुसूदन महापात्र	चिकित्सक	प्रशासन
२३.	श्री पी.पी. क्षेत्रीय	जेपीए	अनुरक्षण
२४.	श्री निरंजन पाढ़ी	प्रबंधक, अतिथि भवन	प्रशासन
२५.	श्री गंगाधर डाकुआ	बागबानी निरीक्षक	अनुरक्षण
२६.	श्री भगबान नाहाक	परामर्शदाता	प्रशासन
२७.	श्री अनुज कुमार सिंह	परामर्शदाता (आईटी)	पुस्तकालय

कार्यकारी सारांश

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय वर्ष २००९ में संसद के अधिनियम द्वारा ओड़िशा के कोरापुट में स्थापित की गयी थी। विश्वविद्यालय मानविकी,भाषा, सामाजिक विज्ञान, और मौलिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में अग्रिम ज्ञान के प्रसार के लिए प्रयास करता है । इसका लक्ष्य अधिगम प्रक्रिया, अंत:विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना और लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनके शैक्षणिक, बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाना है। विश्वविद्यालय कोरापुट जिले के सुनाबेढ़ा में अवस्थित है। मुख्य पसिर सुनाबेढ़ा स्थित ४३०.३७ एकड जमीन पर अवस्थित है । ओड़िशा सरकार ने सीयूओ यह जमीन प्रदान किया है, और यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम में पंजीकृत हो चुका है।

विश्वविद्यालय की दूरदृष्टि :

- सहयोग/शैक्षणिक समझौता/भारत व विदेश के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय एवं उद्योग के साथ साझेदारी। आज के संदर्भ में यूनिस्को दस्तावेज में यथा परिकल्पित एक नए अर्थ एवं नए आकार पर लिए गए क्रॉस बॉर्डर शिक्षा।
- यूनेस्को दस्तावेज में बताये गये क्रॉस बोर्डर शिक्षा को आज के संदर्भ में नये अर्थ में लेना और नया रूप प्रदान करना
- निमन्त्रण से प्रख्यात अतिथि संकायों का प्रवेश
- एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना (IQAC)।

विश्वविद्यालय के मिशन :

- सभी के लिए उत्कृष्ट शिक्षा, ताकि हम राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी को मजबूत कर पाएंगे।
- दूर दराज तक पहुंचने के लिए “समावेशी शिक्षाള का प्रसार।
- स्वदेशी एवं वैश्विक परिदृश्य का एक स्वस्थ्य सहजीवन का पक्ष समर्थक।
- उच्च शिक्षा की एक मजबूत आधारित संपूर्ण वैश्विक नजरीया बनाए रखाना।
- स्वयं के लिए एक स्थान बनाए।

तदनुसार विश्वविद्यालय पहले से ही तैयार की है:

- विश्वविद्यालय-उद्योग संपर्क के लिए नीति की रूपरेखा।
- विदेश में स्थित विश्वविद्यालयों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय संपर्क हेतु नीति की रूपरेखा।
- प्रशासन, शिक्षण एवं अध्ययन के सभी स्तरों पर “गुणवत्ता की संस्कृतिള की शिक्षा के लिए एक नीतिगत संरचना।

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य:

- अध्ययन की ऐसी शाखाओं में यथोचित शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएँ प्रदान कर अत्याधुनिक ज्ञान का प्रसार करना,
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाजविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान प्रस्तुत करना,
- शिक्षण-अध्ययन प्रक्रिया एवं अंतर्विषयक अध्ययन एवं अनुसंधान में नवोन्मेष को प्रत्साहित करने के लिए उचित उपाय प्रस्तुत करना,
- देश के विकास के लिए मानव-शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना,
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योगों के साथ संपर्क स्थापित करना,
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु विशेष ध्यान देना।

शैक्षणिक प्रोफाइल

वर्तमान, विश्वविद्यालय तीन वर्षीय और दो वर्षीय परास्नातक कार्यक्रम, पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम और अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील और पीएच.डी) प्रदान करता है। परास्नातक कार्यक्रम में शामिल हैं कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक (तीन वर्षीय) और दो वर्षीय परास्नातक प्रशिक्षण कार्यक्रम , शिक्षा में स्नातक, जबकि गणित विज्ञान में पाँच वर्षीय एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, वाणिज्य प्रशासन, अर्थनीति, अंग्रेजी, हिंदी, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, संस्कृत, सामाजिक और सांख्यिकी में दो वर्षीय मास्टर कार्यक्रम । नृविज्ञान, जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, जनसंचार तथा पत्राचार, ओडिया, और समाज विज्ञान, अर्थशास्त्र, शिक्षा और सांख्यिकी में एमफील तथा पीएचडी अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक तथा अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है । सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

वर्ष २०१८-१९ के लिए दस स्नातकोत्तर कार्यक्रम, एक पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (पाँच वर्षीय), एक स्नातक पाठ्यक्रम (तीन वर्षीय) एवं बी.एड़ पाठ्यक्रम के लिए कक्षाएँ चलाई जा रहीं हैं। इन विषयों में शैक्षिक वर्ष २०१८-१९ के लिए ३७४ छात्रों ने दाखिला ले चुके हैं।

विश्वविद्यालय की मूल्यांकन प्रक्रिया विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के साथ सेमेस्टार प्रणाली पर आधारित है।

शैक्षिक कैलेण्डर का केन्द्रों/विभागों एवं निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार सम्पादित सभी शिक्षण-अध्ययन गतिविधियों द्वारा सख्ती से अनुसरण किया जाता है।

एनआईआरएफ रेंकिंग

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रेंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) २०१९ में भाग लिया और विश्वविद्यालय वर्क रेंकिंग २०० में से १५१ स्थान पर रहा है।।

संरचनात्मक प्रगति

विश्वविद्यालय के ध्येय के मद्देनजर हमने सुनाबेड़ा, कोरापुट स्थित हमारे मुख्य कैम्पस के विकास में कई वाधाएं एवं चुनौतियों का सामना किया है। कैम्पस में संरचनात्मक विकास की आवश्यकता की पूर्ति के लिए बुनियादी ढ़ांचे और अन्य सहायक सुविधाओं के स्तर में सुधार लाने के हमारे प्रयास के चलते विश्वविद्यालय ने कैंपस को कार्यक्षम करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढ़ाँचा को तैयार करने में सक्षम हो पाया है।

मानव संसाधन

वर्तमान विश्वविद्यालय अनुभवी संकाय सदस्य एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों से सुसज्जित है। हमारे पास हरेक विषयों के लिए कई अतिथि अध्यपक हैं। विश्वविद्यालय भी अपने छात्रों को अतिरिक्त विवरण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित अतिथि संकायों का एक तंत्र बनाया है।

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय पिछले कई वर्षों से तेजी से प्रगति की है। हालांकि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय अपने शिक्षण एवं छात्र समुदाय को कुछ विशेष मूल्य वर्धित सेवा प्रदान करते हुए अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है। अब तक केन्द्रीय पुस्तकालय में ३३५७३ पुस्तकों का संग्रह है, ९००० से भी अधिक ई-पत्रिकाएँ ई-शोध सिंधु (उच्च शिक्षा इलेक्ट्रोनिक संसाधन का कनसोरटियम) संदर्भ पुस्तकें, सिरियल्स, शोधग्रंथ और डिजारटेशन और पत्रिकाओं की पुरानी संस्करण आदि खरीदी है। वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के दौरान, पुस्तकालय के लिए १४८ पुस्तकें मंगायी गयी है कैलेंडर २०१९ के लिए १४२ प्रिंट पत्रिकायें पुस्तकालय में मंगाई गयी है।

विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए परिवहन सुविधा की पूर्ति हेतु जयपुर, कोरापुट, सिमिलिगुडा और सुनाबेढा से विश्वविद्यालय कैम्पस तक आवागमन के लिए मासिक आधार पर पाँच बसें प्रद्रान की गयी है। छात्रावास में रह रहे विद्यार्थीगण विविध शैक्षणिक, क्षेत्र परिदर्शन और विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए और विविध शैक्षणिक कार्यक्रम तथा क्षेत्र परिदर्शन के लिए बस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

वैधानिक समितियों की बैठकें

कार्यकारी परिषद : कार्यकारी परिषद की २६वीं बैठक २६ नवम्बर, २०१८ को आयोजित की गई।
कार्यकारी परिषद की २७वीं बैठक १० फरवरी, २०१९ को आयोजित की गई।
शैक्षणिक परिषद : शैक्षणिक परिषद की १७वीं बैठक १९ मार्च, २०१९ को आयोजित की गयी।
वित्त समिति : वित्त समिति की १८वीं बैठक ११ नवम्बर, २०१७ को आयोजित की गयी।
भवन निर्माण समिति : भवन निर्माण समिति की २५ वीं बैठक ४ जून, २०१८ को आयोजित की गयी।

शैक्षणिक कार्यक्रम

क्रमांक	विद्यापीठ का नाम	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम तथा अवधि
०१	भाषा विद्यापीठ	ओडिया भाषा तथा साहित्य	ओडिया में एम. ए . (दो वर्ष),ओडिया में एम.फील ओडिया में पीएच.डी.
		अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग	अंग्रेजी में एम.ए. (दो वर्ष)
		हिंदी विभाग	हिंदी में एम.ए. (दो वर्ष)
		संस्कृत विभाग	संस्कृत में एम.ए.(दो वर्ष)
०२	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	नृविज्ञान विभाग	नृविज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष) नृविज्ञान में एम.फील नृविज्ञान में पीएच.डी
		सामाजिक विज्ञान विभाग	सामाजिक विज्ञान में एम.ए. (दो वर्ष) सामाजिक विज्ञान में एम.फील सामाजिक विज्ञान में पीएच.डी
		अर्थशास्त्र विभाग	अर्थशास्त्र में एम. ए (दो वर्ष), अर्थशास्त्र में एम.फील अर्थशास्त्र में पीएच.डी
०३	शिक्षा तथा शिक्षण तकनीकी विद्यापीठ	जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग	जनसंचार एवं पत्रकारिता में एम.एम (दो वर्ष) जनसंचार तथा पत्रकारिता में एम.फील जनसंचार तथा पत्रकारिता में पीएच.डी
		शिक्षक शिक्षा विभाग	शिक्षक शिक्षा में स्नातक (दो वर्ष) शिक्षक शिक्षा एम.फील शिक्षक शिक्षा में पीए.डी
०४	मौलिक विज्ञान और सूचना विज्ञान विद्यापीठ	गणित विज्ञान विभाग	पाँच एकीकृत वर्षीय गणित विज्ञान में एम.एससी (पाँच वर्ष)
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग	कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (तीन वर्ष)
०५	जैव विवधिता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ	जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन विभाग	जैवविविधता में एमएससी (दो वर्ष) जैवविविधता में एम.फील जैवविविधता में पीएच.डी
०६	वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन	व्यापार प्रबंधन विभाग	व्यापार प्रबंधन में मास्टर (दो वर्ष)
०७	अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	सांख्यिकी विभाग	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एम.एससी (दो वर्ष) अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में एम.फील अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में पीएच.डी

बीसीएनआर- जैवविविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण

विश्वविद्यालय के विद्यापीठों, विभागों एवं संकायों की गतिविधियाँ

भाषा विद्यापीठ

वर्तमान चार भाषाओं में अंग्रेजी, ओड़िया, हिंदी और संस्कृत में शिक्षा प्रदान की जाती है। इन भाषाओं में से प्रत्येक साहित्य के एक महत्वपूर्ण अंग है, जो महान लेखकों, उपन्यासकार, कवि, कहानी लेखकों, नाटक लेखकों आदि का एक समेकित समूह है। ये भाषाएँ महान संस्कृति एवं महान दर्शन के धरोहर हैं। विद्यार्थी जो इस विद्यापीठ में भाषा का अध्ययन करने के इच्छुक हैं वास्तव में उनको भाषा से कहीं अधिक अध्ययन करने का अवसर मिलता है। वह (पु/स्त्री) उस संस्कृति की साहित्य, कला एवं दर्शन का भी अध्ययन करेंगे।

उपरोक्त चार भाषाओं में प्रशिक्षण विद्यार्थी को अंत में एक अनुवादक, टीकाकार, शिक्षक, विशेषज्ञ अथवा मल्टी-मीडिया परियोजनाओं में एक सलाहकार बनने में सक्षम बनाता है।

अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (DELL)

भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग (डीईएलएल)ने ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षिक वर्ष २००९-१० से स्नातकोत्तर (दो वर्षीय) कार्यक्रम की शुरूआत की है।यह केन्द्र अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है एवं अफ्रीका, अमेरिका, अस्ट्रेलियन, कानेडीयन, अंग्रेजी, भारतीय, आयरिश आदि में गैर-ब्रिटिश साहित्य पर जोर देता हा। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारत में साहित्य सिद्धान्तों पर उनके संदर्भ से जुड़े साहित्य से संबंधित अपनी क्षमता को विकास करने, सिद्धान्तों और ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन करने और इतिहास, सिद्धान्त, सामग्री प्रेरित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सिद्धान्त,तुलनात्मक साहित्य एवं अंग्रेजी भाषा की स्थिति का पता लगाने में मदद करता है।

उद्देश्य

इस विभाग का निम्नलिखित लक्ष्य और उद्देश्य हैं

- पूरे शैक्षणिक सत्रों में भारत तथा बाहर से अंग्रेजी में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित किया जाता है।
- स्वरविज्ञान प्रयोगशाला, संचार प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- अंग्रेजी साहित्य/अंग्रेजी भाषा शिक्षण/भाषाशास्त्र में एमफिल/पीएच.डी आदि नये कार्यक्रमों का शुभारंभ।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आदि आयोजन करना।
- विभागीय अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन किया जाना ।
- तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन पर अधिक महत्व दिया जाना है।
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग करना।

विभाग

१	विभाग अध्यक्ष का नाम	**श्री संजित कुमार दास, सहायक प्राध्यापक एवं** विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा, ई-मेल:sanjeet.iitk@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. श्री संजित कुमार दास, अंग्रेजी में स्नातकोत्तर, भाषाशास्त्र में स्नातकोत्तर, अंग्रेजी में एम.फील, यूजीसी-नेट, सहायक प्राध्यापक तथा विभागमुख्य प्रभारी। २. श्री देवाशिष मिश्र, व्याख्याता (संविदा) (०४.०१.२०१९ को त्यागपत्र दिया) ३. श्री जयंत कुमार स्वांई, एम.ए., अंग्रेजी भाषा में एम.फील,बी.एड, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा), (२०.०७.२०१८ को योगदान दिया) ४. सुश्री डोली चौधूरी, एम.एम., अंग्रेजी भाषा में एफ.फील, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) (१५.०३.२०१९ को योगदान दिया) ५. सुश्री मेहुली सांत्रा, अंग्रेजी भाषा में एफ.फील, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) (१८.०३.२०१९ को योगदान दिया)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में २ वर्षीय स्नातकोत्तर।

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रो. मंजू जैदका, अंग्रेजी भाषा विभाग, पंजाव विश्वविद्यालय, चंडीगढ ने विभाग का परिदर्शन किया और और २९ जुलाई २०१८ से ११ अगस्त २०१८ तक डब्ल्यू.बी. याटस, टी.एस.इलियट और अन्य आधुनिक कवियों पर व्याख्यान माला प्रस्तुत किया ।
- प्रो. मंजू जैदका, अंग्रेजी भाषा विभाग, पंजाव विश्वविद्यालय, चंडीगढ ने प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ चंजिंग कंटर्स ऑफ इंग्लिस स्टडिज शीर्षक पर दिनांक ७ अगस्त २०१८ को एक पैनल चर्चा में भाग लिया ।
- प्रो. राम संकर नंद ने विभाग का परिदर्शन किया और १८ फरवरी २०१९ से ०१ मार्च २०१९ तक ब्रिटिश आधुनिक साहित्य, इंडियन राइटिंग्स इन इंग्लिस एंड इंडियन लिटरेचर, अनुसंधान पद्धति पर व्यख्यान माला प्रदान किया ।
- सुश्री स्वागतिका दाश की कविता संकलन क्रॉसिंग रूबिकन का अनावरण प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिनांक ७ अगस्त २०१८ को प्रो. मंजू जैदका, अंग्रेजी भाषा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ की उपस्थिति में किया ।
- श्री स्वप्नित प्रधान ने, २०१५-१७ बैच का एक स्नातोकत्तर विद्यार्थी को दिसम्बर २०१८ में आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा में भी उत्तीर्ण हुआ है ।
- प्रो. कालिदास मिश्रा, ने १२ मई २०१८ को विभाग में आयोजित अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया और अंग्रेजी भाषा सहित्य में स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम में संशोधन के लिए बहुमूल्य सुझाव प्रदान किया ।
- श्री सतुघ्न किसान एवं सुश्री मेहुली सांत्रा (दोनों २०१५-१७ बैच के एम.फील विद्यार्थी) ने दिसम्बर २०१८ में आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियां

संजीत कुमार दास

- अनुसंधान पत्र का शीर्षक 9ऊप ऊास्जे्ू: एूल्बू्दिलु् (इ्दे)ण्दत्दर्हीत् अेम्दले“; ग्ह अेप्: प्ु्ग्र (घ्एए~ २३१९-८२८१), अंक. ञ्छ, संख्या. छ, नवम्बर २०१८- अप्रैल २०१९. पीपी.३९-४४ ।

ओडिआ भाषा तथा साहित्य विभाग

ओड़िया भाषा एवं साहित्य विभाग सन् २००९ में अपनी स्थापना काल से ही कला में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता आ रहा है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नियमित संशोधन एवं अद्यतन किया जाता है। केन्द्र तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य एवं जनजातीय अध्ययन में विशेष शिक्षण प्रदान करता है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्र सम्पादन एवं अनुवाद में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। केन्द्र शुरू से ही अपने अनुसधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। केन्द्र के शिक्षक परास्नातक कार्यक्रम के लिए शोध-प्रबंध की निगरानी करते हैं जहाँ छात्र चौथी छमाही में नृविज्ञान एवं सामाजिक क्षेत्र कार्य प्रदर्शन का अवसर पाते हैं। केन्द्र से काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यूजीसी-जेआरएफ/नेट पास कर चुके हैं उनमें से कई प्रतिष्ठित सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों में रोजगार पा चुके हैं। अनुसंधान कार्यक्रम (पीएच.डी. तथा एम.फील) का प्रारंभ शैक्षणिक सत्र २०१३-१४ से इस केंद्र में किया गया था । यह विभाग अपनी स्थापनाके बाद से अपनी अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रहा है। विभाग के शिक्षकों को परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए शोध निबंध की निगरानी करना पड़ता है। जहां छात्रों को चौथे सेमीस्टर में नृविज्ञान और समाजशास्त्रीय फील्डवर्क का अनुभव मिलता है। विभाग से अनेक छात्रों को यूजीसी/जेआरएफ /नेट पूरा किया है और उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में भर्ती कराए गए हैं।

उद्देश्य

विभाग का निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- ओडिशा राज्य की भाषा, साहित्य और संस्कृति पर जोर देना है ;
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना
- ओडिया भाषा और साहित्य को जीवित रखने के लिए अतीत के परंपरा को बनाए रखना ;
- विविध अनुसंधान कार्य आयोजित करना और संचालित करना जिससे कि अपने विकास के लिए ओडिया बढ़ सके ;
- विभागीय वार्षिक अनुसंधान पत्रिका का आरंभ करना
- एक प्राचीन भाषा चेयर की स्थापना करना और एमआईएल के तहत ओडिया में सार्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू करना, जो ओडिया भाषा के विकास और विस्तार में सहायक हो सकें;
- अनुसंधान, संगोष्ठी, परिसंवाद, वार्तालाप, कार्यशाला आदि के माध्यम से दक्षिण ओडिशा के स्वदेशी समूह के लोकगीत और लोक साहित्य को दस्तावेजीकरण बनाना और संरक्षण प्रदान करना
- विभागीय पुस्तकालय, लोक म्युजियम, भाषा प्रयोगशाला और पांडुलिपि के संरक्षण के एक अलग यूनिट स्थापित करना और
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है जिससे विभागीय अनुसंधान और शिक्षण समृद्ध हो सके्

विभाग

१	**विभाग अध्यक्ष का नाम**	**डॉ. आलोक बराल, सहायक प्रोफेसर तथा** विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	ओड़िआ भाषा तथा साहित्य विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४ ओड़िशा, ई-मेलः alok.baral@rediffmail.com
३	शिक्षक सदस्य और उनकी योग्यताएं	१. डॉ. अलोक बराल, एमए, पीएच.डी, यूजीसी, एनइटी, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. डॉ. प्रदोश कुमार स्वाईं, एमए, एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. रूद्राणि मोहांति, एम.ए, पीएच.डी, व्याख्याता (संविदा) ४. डॉ. गणेश प्रसाद साहु, एम.ए, पीएच.डी, यूजीसी.एनइटी, व्याख्याता (संविदा)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	ओडिया भाषा तथा साहित्य में एम.ए. (२ वर्ष), एम फील (१ वर्ष)' पीएचडी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इस वर्ष के दौरान अनेक विख्यात शिक्षाविदों ने विभाग का परिदर्शन किया और विभिन्न विषयों पर अपना व्याख्यान रखा,वे थे प्रो. नारायण साहु, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, ओड़िया विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, प्रो. संघमित्रा मिश्र, सेवानिवृत्त ओड़िआ प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, प्रो. प्रसन्न कुमार स्वांई, ओडिआ प्रोफेसर, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, प्रो. देवी प्रसन्न पट्टनायक, ओडिआ प्रोफेसर, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, प्रो. विजय कुमार सतपथी, सेवानिवृत्त ओडिआ प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, प्रो. वैष्णव चरण सामल, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, विश्वभारती केंद्रीय विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन (पश्चित बंगाल), डॉ. मनिन्द्र कुमार मेहेर, एसोसीएट प्रोफेसर, ओडिआ विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, डॉ. बाबाजी चरण पटनायक, सेवानिवृत्त एसोसीएट प्रोफेसर, ओड़िआ विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक प्रमुख्
- प्रो. वैष्णव चरण सामल, प्रसिद्ध लेखक तथा समीक्षक ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक १० अक्तूवर २०१८ को समसामयिक लघु कथा और एक सूक्ष्म दृष्टि विषय पर व्याख्यान प्रदान किया्
- प्रो. संघमित्रा मिश्र, प्रसिद्ध कवयित्री तथा समीक्षक, ओडिआ भाषा ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक २३ अक्तूवर २०१८ को 9उत्तर आधुनिक ओडिआ नाटक“ विषय पर एक वार्ता प्रदान किया्
- प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक १५ मई २०१८ को ओडिआ साहित्य और उन्नसवीं शताब्दी शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया्
- प्रो. विजय कुमार सतपथी, प्रसिद्ध नाटककार और ओडिआ साहित्य के समीक्षक ने दिनांक ५ अक्तूवर २०१८ को 9समकालीन ओडिआ नाटक“ शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रदान किया
- डॉ. अपर्णा मोहांति, प्रसिद्ध ओडिआ साहित्य की कवयित्री ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक ७ मार्च २०१९ को नारीदवादी विचार और समकालीन आधुनिक कविता“ शीर्षक पर एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया
- इस सत्र के दौरान सात विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए उनमें से अमित कुमार प्रधान और बापिना स्वांई ने यूजीसी-जेआरएफ उत्तीर्ण हुए जबकि अशोक कुमार नायक, मोतिलाला नायक, जोगिराम पुतेल, इंद्रजीत पात्र और रमेश चंद्र सिंह बरिहा ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण हुए संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. आलोक बराल

- दिनांक २२ तथा २३ फरवरी २०१९ को स्नातकोत्तर ओडिआ विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दक्षिण ओडिशार लोकपरम्परा ओ आदिवासी संस्कृति पर आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और *भतरा लक्ष्मी पुराण : एक नव्य सांस्कृतिक अध्ययन*" शीर्षक पर व्याख्यान प्रदान किया
- दिनांक २७ और २८ मार्च २०१९ को स्नातकोत्तर ओडिआ भाषा विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *पोस्ट ८० ओडिआ साहित्य* पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और *ओडिआ नाटकरे किन्नर प्रसंग"* पर एक व्याख्यान प्रदान किया
- दिनांक २४-३० नवम्बर २०१८ के दौर ओडिआ भाषा विभाग, विश्व भारती , शांतिनिकेतन , उत्कर्ष केंद्र (जनजाति व्यापार मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आयोजित *पूर्वी भारत की जनजाति परम्पराएं और प्रतिलेखन और अनुवाद के माध्यम से प्रलेखन* पर कार्यशाला सहित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया

प्रकाशन

- पुस्तक के अध्याय *ओडिआ नाटकर समीक्षात्मक इतिहास (१८७७-२०१८)* (आईएसबीएन-९७८-९३८६८५१-६५-९), विद्यापुरी, कटक, २०१८
- पुस्तक का नाम *उपन्यास जिज्ञासा* (आईएसबीएन-९७८-९३-८८४२२-३०-७),विजयिनी पब्लिकेशनस, कटक, २०१८
- पुस्तक का अध्याय तुलनात्मक साहित्य" (आईएसबीएन-८१-७४०१-९०८-१), (संपादक प्रो. कृष्ण चंद्र प्रधान और अन्य), फ्रेंडस पब्लिकेशन्स, कटक, २०१९. पीपी.४५७-४८२
- पुस्तक का अध्याय दक्षिण ओड़िशार जाटापु जनजातिंक पर्व- पर्वाणी" (आईएसबीएन-९७८-८१-८९०९८-६७-४), (संपादक : अल्का चांद और नगेन कुमार दास), पश्चिम पब्लिकशन्स, भुवनेश्वर, २०१८. पीपी. १५६-१७६
- पुस्तक का अध्याय विप्लबर दिप्त दिहुदी ओ शांतिर स्वेत कपोत : मनोज दासंक गण संगित" (संपादक: मनमथ कुंडु), मनोजयन, बालेश्वर, २०१९. पीपी.६९-८५
- अनुसंधान लेख शंकुतला झिअ", *कादम्बिनी* में प्रकाशित, (आईएसएसएन-२२७७-११३१) विशेष अंक, अप्रैल, २०१८, पीपी. ६२-६२
- अनुसंधान लेख मानसिंह ओ ओडिआ साहित्यर इतिहास" कादम्बिनी में प्रकाशित,(आईएसएसएन -२२७७-११३१) विशेष अंक, जुलाई, २०१८, पीपी.६२-६८
- अनुसंधान लेख शीर्षक : चंदमा नाआरे मानसिंहंक दुइटी गल्प" कादम्बिनी में प्रकाशित,(आईएसएसएन-२२७७-११३१) विशेष अंक, जुलाई, २०१८, पीपी. ११४-११४
- अनुसंधान लेख शीर्षक लोककला के तत्व : आधुनिक ओडिआ नाटक में एक अध्ययन, नोडल एसोसीएशन फॉर आमाचीएर थिएटर (एनएएएटी), राष्ट्रीय नाट मेला, अंक-२०१८. पीपी.३४-४३
- अनुसंधान लेख शीर्षक आंचलिक ओ ओडिआ उपन्यास", प्रतिवेशी में प्रकाशित *(आईएसएसएन-२४५६-८०३१),*उत्कल साहित्य परिषद, कोलकाता, अक्तूबर-दिसम्बर. पीपी. २८५-२९६
- पुस्तक का अध्याय शीर्षक विजय मिश्र सिंगमंड फ्रंड ओ शहबाबाकमाने", साहित्य बिमसार (आईएसबीएन-९७८-८१-९३६२७७-०-९), (संपादक एस. नायक और एस. दाश), प्रज्ञा पब्लिकेशन्स, जारका, जाजपुर, २०१८. पीपी. १४१-१५८
- पुस्तक अध्याय का शीर्षक स्वाधीनता परवर्ती ओडिआ पात्रोपन्यास", सृष्टि ओ समीक्षा (आईएसबीएन-९३-८६४३७-६७-८), ख्राष्ट महाविद्यालय, कटक (संपादक : कृतिबास सरंगी) विजयिनी पब्लिकेशन, कटक, २०१८, पीपी. १४७-१६४
- पुस्तक का अध्याय शीर्षक गाइउ ओ अक्षरर इशारा", सृष्टि ओ समीक्षा (आईएसबीएन-८१-७४०१-९०८-१), ख्राष्ट महाविद्यालय, कटक (संपादक : कृतिबास सरंगी) विजयिनी पब्लिकेशन, कटक, २०१९. पीपी. १३३-१५७

डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई

- ओड़िशार लोकचक्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, दिनांक ३० फरवरी २०१८ पर लोकसाहित्य गवेषणा परिषद, ओड़िशा द्वारा आयोजित, ३० फरवरी २०१८ और *9*बोंडा जनजातिर लोकचारा : एक पर्यालोचन" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया
- एकविंश शतकर ओडिआ साहित्य : *सीमा ओ संभावना,* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, यह कार्यक्रम स्नातकोत्तर ओड़िआ विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक १७ नवम्बर २०१८ को आयोजित किया था और एकविंश सतकार ओड़िआ नाटक" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया
- दिनांक १२-१३ फरवरी २०१९ को एसकेजी स्वंयशासी महाविद्यलाय, पारलाखेमुंडी, गजपति द्वारा आयोजित *आदिवासी संस्कृतिर लौकिक अवदान* शीर्षक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "*गड़बा संस्कृतिर लोकउपादान9* शीर्षक पर एक निबंध प्रस्तुत किया
- दिनांक ४ जनवरी से २४ जनवरी २०१९ को एचआरडीसी, उत्कल विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया

प्रकाशन

- *अमृत संधानी कवि ब्रंहमोत्रिंक कवितार भाव वैचित्रय : एक दृष्टिपात"* शीर्षक पर शोध निबंध, काव्यालोक में, (आईएसएसएन- २३४९-०१६०) २०१८ पीपी.१७६-१८५
- *निआरा अनुभूतिर अपूर्व कलाकृति : दाशरथींक समग्र उपन्यास श्रुति* शीर्षक पर शोध निबंध, *प्रत्यय* में (आईएसएसएन २४५६-९१९४), २०१९
- पुस्तक के अध्याय, शीर्षक प्रलय आसुछि नाटक ओ नाट्यकार गोपाल महारणा ", *नाट्यकार गोपाल महारणा- श्रुति ओ दृष्टि,* आईएसबीएन ९७८-८१-९४०१५३-०-७ (संयुक्त रूप से संपादना : दुर्गामाधव नंद और डॉ. नलिनी कुमार पाणिग्राही), प्रज्ञा प्रकाशन, पुरी, २०१९. पीपी-४०-४९
- पुस्तक के अध्याय, शीर्षक *कोरापुटिआ गड़बा जनजाति र लोक पर्व* ", (आईएसबीएन ९७८-८१-९३७२४६-६-८), (दुर्गामाधव नंद द्वारा संपादन), ओड़िशा संस्कृति गवेषणा परिषद, पुरी २०१८, पीपी-५०-५६
- पुस्तक के अध्याय, शीर्षक "जीवन, जौवन और निर्वाणर अपूर्व भावस्मृति कवि ब्रहमोत्रि मोहांति", *साहित्य विमर्श* में (आईएसबीएन ९७८-८१-९३६२७७-०-९), (संपादक : शांतनु कुमार नायक और सस्मिता दाश), प्रज्ञा प्रकाशन, जाजपुर, २०१८, पीपी-१३-२५
- पुस्तक के अध्याय, शीर्षक 9विजय मिश्रंक नाट्य भूमिर भिन्न प्रस्त : वानप्रस्थ", *साहित्य विमर्श,* (आईएसबीएन ९७८-८१-९३६२७७-०-९), (संपादन : शांतानु कुमार नायक और सस्मिता दाश), प्रज्ञा प्रकाशन, जाजपुर, २०१८, पीपी-२०४-२१०

डॉ. गणेश प्रसाद साहु

प्रकाशन

- पुस्तक अध्याय, शीर्षक *आधुनिक कवि : उत्तर आधुनिक प्रेक्षापात* (आईएसबीएन - ८१-९३१६५२-६-८) लेखालेखी, भुवनेश्वर, २०१८
- पुस्तक का अध्याय, शीर्षक *नूतन कवितार पृष्ठभूमिर कवि भानुजी राव,* (आईएसबीएन - ८१-७४००-६१९-२), ओड़िशा बुक स्टोर, कटक, २०१९
- शोध निबंध : समय सूरे हरुनाथिब कवि सौभाग्यवंत महारणा ", इश्ताहार, भुवनेश्वर, अक्तूबर, २०१८. पीपी-१३९-१४७
- शोध निबंध, शीर्षक *अपर्णा मोहांतिंक कवितार भाववलय*", पुनश्च उत्कल प्रभा, वारिपदा, अक्तूबर,२०१८. पीपी-१९-२२
- शोध निबंध, शीर्षक *ओड़िआ लिपि, भाषा ओ साहित्यर कर्मविकासरे तालापत्र पोथिर भूमिका*" , सप्तर्षि में (आईएसएसएन - ०९७३-३२६४), बुर्ला, संबलपुर, जनवरी २०१९, पीपा- ६-१२।

- शोध निबंध, शीर्षक 9छउ : मयूरभंज र एक नृत्य ड्रामा, ओड़िशा", थिएटर स्ट्रिट जर्नल, (ई-जर्नल आईएसएसएन-२४५६-७५४.), कोलकाता, मार्च, २०१९, पीपी-१९-२६ ।

हिंदी विभाग

हिंदी भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और हिंदी भाषा में स्नातोकत्तर कार्यक्रम चलाया जाता है ।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित हिंदी प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- नये पाठ्यक्रम जैसे कि हिंदी साहित्य में एम.फील /पीएच.डी पाठ्यक्रम की शुरूआत करना,
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है और
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना.

विभाग

१	विभागाध्यक्ष का नाम	**डॉ. मयूरी मिश्रा**, व्याख्याता (संविदा) और विभाग प्रभारी
२	संपर्क विवरण	हिंदी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. डॉ. मयूरी मिश्रा, एम.ए., पीएचडी, व्याख्याता (संविदा) तथा विभाग प्रभारी २. डॉ. शताब्दी बेहेरा, एम.ए. एम.फिल, पीएचडी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) ३. डॉ. सौम्य रंजन दाश, एम.ए., एम. फील,पीएच.डी., यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) (१८.०३.२०१९ नियुक्त हुआ)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	हिंदी भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक ०१ मार्च २०१९ को बोर्ड ऑफ अध्ययन की बैठक का आयोजन किया जिनमें प्रो. राधाकांत मिश्र, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिंदी विभाग, रेवेंसा विश्वविद्यालय में उपस्थित हुआ था
- दिनांक १९ सितम्बर २०१८ को 9*विज्ञापन में हिंदी भाषा का स्वरूप"* पर एक विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया
- दिनांक २७ सितम्बर २०१८ को 9हिंदी भाषा के विविध रूप " शीर्षक पर एक विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया
- दिनांक ९ अक्तूवर २०१८ को 9प्रजातांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता के दायित्व" शीर्षक पर एक विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया

संस्कृत भाषा विभाग

संस्कृत भाषा विभाग की स्थापना शैक्षणिक सत्र २०१५-१६ के दौरान भाषा विद्यापीठ के तत्वावधान में स्थापित हुई है और संस्कृत भाषा में स्नातोकत्तर पाठ्यक्रम चलाया जाता है. संस्कृत भाषा भारतीय सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत का गोदाम घर है। समग्र भारत की ज्ञान प्रणाली संस्कृत ग्रंथों में लिखा हुआ है । इसलिए, वर्तमान के जरिये अतीत और भविष्यत के बीच संपर्क स्थापना हेतु प्राचीन साहित्य ग्रंथों से ज्ञान लाने की जरूरत है (दोनों वैज्ञानिकी और साहित्यिक) ।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रतिष्ठित संस्कृत प्रोफेसरों को विश्वविद्याल में आंमत्रित करना है
- विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना है;
- संस्कृत साहित्य में एम.फील तथा पीएच.डी. जैसे नये कार्यक्रमों का आरंभ करना ;
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन आयोजित करना है ;
- तुलनात्मक साहित्य, अनुवाद अध्ययन पर जोर ध्यान देना ;
- संस्कृत के विभिन्न पहलूओं पर विभिन्न डिप्लोमा तथा सार्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का आरंभ करना;
- अभिमुखिकरण अध्ययन के विभिन्न सामान्य और प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना ;
- अन्य विभागों के साथ व्यक्तिगत अथवा संयुक्त रूप से विभिन्न अनुसंधान कार्य के लिए भारत तथा विदेश में संस्थानों के साथ सहयोग;
- इस क्षेत्र के आसपास का व्यापक सर्वेक्षण करना, संग्रह और पांडुलिपियों के संरक्षण का संचालन करना और महत्वपूर्ण संस्करण में प्रकाशित करना ;
- दोनों वैदिक और प्राचीन संस्कृत साहित्य में पूरे वैज्ञानिक और तार्किक ढंग से इनकोडेड भारतीय ज्ञान प्रणाली की क्षमता को समझना;
- आम लोगों के बीच में संस्कृत साहित्य और भाषा को लोकप्रिय करने के लिए विभिन्न विस्तारित कार्यक्रम का आयोजन करना ।

विभाग

१	**विभागाध्यक्ष का नाम**	**श्री कुमुद प्रसाद आचार्य**, व्याख्याता (संविदा) तथा विभाग प्रभारी, संस्कृत भाषा विभाग,
२	संपर्क विवरण	संस्कृत भाषा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओडिशा ई-मेल : kumudaacharya88@gmail.com
३	शिक्षण सदस्यों का विवरण तथा योग्यतायें	श्री कुमुद प्रसाद आचार्य, एम.ए. एम.फिल., यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) तथा विभाग प्रभारी डॉ. बिरेंद्र कुमार सडंगी, एम.ए., बीएड, एम फील, पीएचड़ी, व्याख्याता (संविदा) श्री मनिष कुमार दुबे, एम, यूजीसी-नेट (जेआरएफ), व्याख्याता (संविदा), १९.०३.२०१९ को नियुक्त हुई ।
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम का विवरण	संस्कृत भाषा में एम. ए. (दो वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- प्रो. रघुनाथ पंडा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, संस्कृत भाषा विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक ०९-१५ सितम्बर २०१८ के दौरान पाठ्यक्रम से संबंधित व्याख्यान माला का प्रदान किया।

- दिनांक १३ सितम्बर २०१८ को पारम्परिक संस्कृत काव्यांश पर आधा दिन का संगोष्ठी आयोजित किया गया, जिसमें प्रो. रघुनाथ पंडा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा स्नातकोत्तर संस्कृत भाषा विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान दिया था और प्रो. सचिदानंद मोहांति, मान्यवर कुलपति, केंओवि ने इसका उद्घाटन किया और जिसमें विभाग के शिक्षकगण तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया और इस समारोह में शोध निबंध प्रस्तुत किया
- विभाग में दिनांक २०.०९.२०१८ संस्कृत दिवस मनाया गया था इस अवसर पर प्रो. ब्रज किशोर स्वांई, सेवानिवृत्त प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी ने शिक्षा में संस्कृत की भूमिका " विषय पर एक व्याख्यान प्रदान किया था।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. कुमुद प्रसाद आचार्य

- केदारनाथ गवेषणा प्रतिष्ठान और ओड़िशा विद्वत परिषद, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित दिनांक ०७.५.२०१८ से ०२ जून २०१८ के दौरान आयोजित इंडियन ग्रामपटिकॉल ट्रेडिशन (दूसरे चरण) पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।
- दिनांक २४-२८ दिसम्बर २०१८ को इंडियन ग्रामाटिकॉल ट्रेडिशन- तीसरे चरणं पर आयोजित पँाच दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया जो पाणिनी अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र, केदारनाथ गवेषणा, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित हुआ था।

प्रकाशन

- ओडिआ संस्कृति में प्रकाशित एक निबंध चंदो साहित्य कु ओडिशा र अवदान" (ओड़िआ भाषा में) *उत्कलीय संस्कृति*, केदारनाथ गवेषणा प्रतिष्ठान, भुवनेश्वर की पत्रिका, अंक-३६, पीपी-४२-५२, २०१८
- ओड़िआ में प्रकाशित शोध निबंध 9दिनकृष्ण ओ अभिराम तुलनात्मक दृष्टिरे" (ओड़िआ में), *समर्पण*, अभिराम सारस्वात परिषद, शांति आनन्द आश्रम, कारमाल, पुरी, अंक २, पीपी-२२७-२४५, २०१८।
- 9*आचार्य हेमचंद्र और उनका चंदोशासन*, " लोकप्रज्ञा में शोध निबंध प्रकाशित हुआ है, संस्कृति की इंडोलोजी ऑफ जर्नल, आकाडेमी ऑफ रिसर्च फॉर आडवान्सड सोसाइटी थ्रो वेदिक एंड आलाइड ट्रेडिशन ऑफ इंडिया (सारस्वत), सरस्वती विहार, बरपदा, ओड़िशा, भारत अंक छ्र्, पीपी-५१-५७, आईएसएसएन संख्या- २२२९-५३६४, २०१८।
- विटागजेंद्रमोक्ष : ए कनफ्लयूएंस ऑफ चंद्र एंड भक्ति , लोकप्रज्ञा में प्रकाशित, संस्कृति की इंडोलोजी ऑफ जर्नल, आकाडेमी ऑफ रिसर्च फॉर आडवान्सड सोसाइटी थ्रो वेदिक एंड आलाइड ट्रेडिशन ऑफ इंडिया (सारस्वत), सरस्वती विहार, बरपदा, ओड़िशा, भारत, अंक ब्र्, पीपी-२८-३७, आईएसएसएन संख्या २२२९-५३६४, २०१९।
- *संस्कृत प्रोसोडी में लक्ष्मीनाथ का योगदान* शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रकाशित हुआ है, थाई प्रज्ञा में प्रकाशित है, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ इंडोलोजी एंड कल्चर संस्कृत स्टडीज सेंटर, सिल्पकार्न विश्वविद्यालय, बैंकांग, थाइलैंड, अंक- छ्छ, पीपी- १६५-१७५, आईएसएसएन-२५८६- ९६७१ ।

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

समाजविज्ञान विद्यापीठ शैक्षिक गतिविधियों में अन्तर्विषयक दृष्टिकोण के साथ संलग्न करने हेतु अभिनव एवं रचनात्मक विचार के साथ शुरू की गयी है। इसका अपना कोई स्नातक कार्यक्रम नहीं है, वर्तमान इसमें सिर्फ परास्नातक कार्यक्रम है। अधोवर्णित के अनुसार विद्यापीठ के पास तीन केन्द्र हैं जिसमें स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नियमित रूप से दाखिला लेने की पहल की गयी है :

मानव विज्ञान विभाग

इस विश्वविद्यालय में नृविज्ञान अध्ययन विभाग सन् २००९ से कार्य कर रहा है। छात्रों के चार बैच पहले से ही अपने परास्नातक डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। पांचवाँ एवं छठा बैच पूरा कर चुके हैं। छठें एवं सातवें बैच के चल रहा है, शैक्षिक वर्ष २०१३-१४ से नृविज्ञान में एमफील एवं पीएच.डी कार्यक्रम शुरू हुआ है। आईसीटी जैस नवीनतम शिक्षण प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को व्यापक क्षेत्र अनुसंधान प्रशिक्षण के बारे में अवगत किया जाता है और वे भी व्यापक क्षेत्र कार्य के आधार पर शोध प्रबंध तैयार करते हैं। केन्द्र मानव विज्ञान विषय एवं इसके व्यावहारिक पहलुओं के बारे में ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी प्रदान कर रहा है। वे संग्रहालय नमूनों की प्रलेखन, औषधीय संरक्षण के प्रसार के लिए संग्रहालय विज्ञान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके है। विद्यार्थियों को भी चिकित्सा नृविज्ञान, पोषण स्थिति का आकलन, आधुनिक मानव आनुवांशिकी प्रशिक्षण, मानव विज्ञान के फोरेंसिक प्रयोग, सामाजिक प्रभाव का आकलन, विकास कार्य परियोजनाओं का मूल्यांकन एवं निरीक्षण आदि पर प्रशिक्षण दिया जाता है। विद्यार्थियों को जनजातीय अध्ययन के संपूर्ण पहलुओं पर विशेष पाठ्यक्रम दिया जा रहा है।

विभाग

१	**मुख्य का नाम**	**डॉ.जयन्त कुमार नायक,** सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	नृविज्ञान अध्ययन विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा, ई-मेल:jayanta.nayak@rediffmail.com
३	शिक्षण सदस्यों और उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१.डॉ.जयन्त कुमार नायक, एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी,यूजीसी (नेट), सहायक प्रोफेसर एवं विभागमुख्य प्रभारी २.श्री बी.के.श्रीनिवास, एम.एससी., यूजीसी (नेट) सहायक प्रोफेसर ३.डॉ.मीरा स्वाईं, एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी, यूजीसी(नेट), व्याख्याता (संविदा)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	मानवविज्ञान में २वर्षीय एम.ए/एम.एससी, एम.फिल एवं पीएच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- नृविज्ञान में एक छात्रा सुश्री पिंकी पालबिका विश्वाल ने यूजीसी-नेट परीक्षा में उत्तीर्ण हुई थी।
- सुश्री सिलि राउत को डॉ. जयंत कुमार नायक के तत्वावधान में नृविज्ञान में पीएच.डी. उपाधि मिली ।
- श्री चंदन कुमार दास को डॉ. जयंत कुमार नायक के तत्वावधान में नृविज्ञान में एम.फील उपाधि प्राप्त किया।
- सुश्री सिलि राउत, पीएचडी शोधार्थी, ओपीएससी द्वारा ओडिशा शिक्षा सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सरकारी महाविद्यालय, भवानीपाटना में नियुक्ति मिली है।
- चार विद्यार्थियों ने दूसरे विश्वविद्यालयों अर्थात् दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. एच.एस. गौर विश्वविद्यालय में पीएच.डी. में दाखिला लिया है । वे हैं सुश्री बसंत कुमार बिंधानी, सुश्री दिपांजली दास, सुश्री पद्मिनी बरिहा और श्री साई सौम्य स्वांई।
- एक विद्यार्थी ने उत्कल विश्वविद्यालय में एम.फील में दाखिला लिया है। वह है सुश्री स्वप्नासरिता सेठी।
- पाँच उत्तीर्ण छात्रों ने विभिन्न महाविद्यालयों में प्राध्यापक के रूप में नियुक्त हुए हैं।
- पाँच उत्तीर्ण छात्रों को विभिन्न संस्थानों की राष्ट्रीय परियोजनाओं में काम करने के लिए अवसर मिला है।

- प्रो. सुभो राय, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष, नृविज्ञान विभाग, कलकता विश्वविद्यालय ने विभाग का परिदर्शन किया और दिनांक १२ अक्तूबर २०१८ को बायोकल्चर परेसपेक्टिव मेनोपज" पर आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किया।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. जयंत कुमार नायक

- डॉ. जयंत कुमार नायक के मार्गदर्शन में सुश्री सिलि राउत को नृविज्ञान में पीएच.डी. उपाधि प्राप्ति हुई।
- श्री चंदन कुमार दास को डॉ. जयंत कुमार नायक के तत्वावधान में नृविज्ञान में एम.फील उपाधि प्राप्त किया।
- दिनांक ९-१० मार्च २०१९ को स्नातकोत्तर नृविज्ञान विभाग, यूजीसी सेंटर ऑफ एडवांसड स्टडी, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 9*नव-उदारवादी युग में जनजातियों को समझना*" शीर्षक पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 9*नव-उदारवादी युग में वार्तालाप और जनजाति ज्ञान पद्धति : ओड़िशा के जनजातियों पर एक मानवविज्ञान अवलोकन*" शीर्षक पर शोध निबंध प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २०-२१ फरवरी २०१९ के दौरान नृविज्ञान विभाग और इतिहास विभाग, सरकारी महाविद्यालय (स्वयंशासित), भवानिपाटना द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित *भारत में नृवंशविज्ञान अनुसंधान में हाली की रुझान*" पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और 9*भारत में नृवंशविज्ञान अनुसंधान के औचित्य, समस्यायें और सीमाएं : एक क्रांतिक दृष्टि*" शीर्षक पर शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश द्वारा दिनांक ४-६ जनवरी २०१९ के दौरान जनजाति अनुसंधान और विकास संस्थान, और डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश, नृविज्ञान विभाग, के संयुक्त प्रयास से जनजाति पारंपरित ज्ञान : विज्ञान (चरण-२) पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और *स्वदेशी लोग-पारंपरिक ज्ञान के भंडार और प्रकृति के संरक्षक : भारतीय संदर्भ से एक मानवशास्त्रीय अवलोकन*" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १७-१८ नवम्बर २०१८ को जनजाति संग्रहालय, कोरापुट में जनजाति संग्रहालय, कोरापुट और ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट और विश्लेषणात्मक जनजाति अध्ययन परिषद के संयुक्त प्रयास से 9*जनजाति संस्कृति के संरक्षण में जनजाति संग्रहालय* की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "*जनजाति संस्कृति के संरक्षण में संग्रहालय : एक नये दृष्टिकोण*" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- *सरगुजा जिला, छत्तीसगढ में हिल-कोरवा महिला की स्वास्थ्य स्थिति : एक मानवशास्त्रीय मूल्यांकन*" शीर्षक पर अनुसंधान शोध पत्र । दॉ रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइसेंस (आईएसएसएन ००२५-१३४८), १०(३), मार्च, २०१९. पीपी. ४६-५५. (सह लेखक : आई. खान) ।
- विस्थापन की समस्याएं और संभावनाएं : 9*ओड़िशा के कोरापुट जिले में एक अनुभवजन्य अध्ययन*" पर शोध निबंध, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकॉल रिव्यू ।।।।। (आईएसएसएन २३४९-५१३८), ६(१), २०१९. पीपी. १३१०-१३१६. (सह-लेखक, बी.के. श्रीनिवास) ।
- सरगुजा जिला, छत्तीसगढ़ के पहाड़ी कोरबा बच्चों के पोषण की स्थिति की भविष्यवाणी करने के लिए एंथ्रोपोमेट्रिक सूचकांकों की पहचान करने के लिए रिसीवर ऑपरेटिंग कैरेक्टरिस्टिक (आरओसी) घटता है " शीर्षक पर शोध निबंध, *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ फार्मासी एंड बायोलोजिकॉल साइंसेस* ।।। (आईएसएसएन २३२१-३२७२), ९(१), जनवरी, २०१९. पीपी. २८३-२८८. (सह-लेखक : आई. खान) ।
- सामाजिक संचरण में मूसहर जनजाति : एक मानवशास्त्रीय अध्ययन" शीर्षक पर शोध निबंध; दॉ एसियन मैन- एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, (आईएसएसएन ०९७४-६३६६), १२(२), २०१८. पीपी. २६६-२७३. (सह-लेखक : जे. शर्मा) ।
- सरगुजा जिला, छत्तीसगढ़ में पहाड़ी कोरवा बच्चों (६-५९ महीने के बच्चे) की पौष्टिक स्थिति : जेड स्कोर विश्लेषण के माध्यम से एक मूल्यनिर्धारण शीर्षक पर शोध निबंध : *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकॉल रिव्यू में* ।।। (आईएसएसएन २३४८-१२६९), ५(३), सितम्बर, २०१८. पीपी. ९४१-९५२. (सह-लेखक : आई. खान) ।
- 9सरगुजा जिला, छत्तीसगढ़ में पहाड़ी कोरवा बच्चों की पौष्टिक स्थिति : एक मानवशास्त्रीय मूल्यांकन" शीर्षक पर शोध निबंध, *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ बेसिक एंड आप्लाइड रिसर्च*।। (आईएसएसएन २२४९-३३५२), ८(९), सितम्बर, २०१८. पीपी. ९८५-९९४. (सह-लेखक : आई. खान) ।
- 9मूसाहर : बिहार का एक सामाजिक पिछड़ा समुदाय"; *शोधश्री* में शोध निबंध प्रकाशित। (आईएसएसएन २२७७-५५८७), २७(२), अप्रैल-जून, २०१८. पीपी. १२६-१३१. (सह-लेखक : जे. शर्मा) ।
- राष्ट्रीय एलुमिनियम कंपनी (नाल्को) द्वारा विस्थापित ग्रामों में विकास, फैलाव और प्रभाव तथा सुधार : कोरापुट में एक अध्ययन पर शोध निबंध, *इन रिसर्च ऑफ जर्नल ऑफ ह्युमानिटीस एंड सोशल साइसेंस* (आईएसएसएन २३२१-५८२८), ९(२), अप्रैल-जून, २०१८. पीपी. ४४४-४५३. (सह-लेखक : बी.के. श्रीनिवास) ।
- बालडा ग्राम, कोरापुट जिला, ओड़िशा की किशोरियों के बीच माहवारी के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास"; *इन इनटरनेशनॉल जर्नल ऑफ हेल्थ साइसें एंड रिसर्च*। । (आईएसएसएन २२४९-९५७१), ८(६), जून, २०१८. पीपी. २५९-२६५. (सह-लेखक : एस. एस. स्वांई) ।
- सरगुजा जिला, छत्तीसगढ़ में पहाड़ी कोरवा के सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक प्रोफाइल : एक मानवशास्त्रीय अध्ययन" शोध निबंध; *इन इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च इन सोशल साइसेंस* (आईएसएसएन २२४९-२४९६), ८(६), जून, २०१८. पीपी. २९६-३११. (सह-लेखक : आई. खान) ।
- सरगुजा जिला, छत्तीसगढ़ के पहाड़ी कोरवा बच्चों में पौष्टिक अभाव : सोमास्टोपिक अवलोकन से एक मानवशास्त्रीय मूल्यांकन" शोध निबंध; *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थटस में* (आईएसएसएन २३२०-२८८२), ६(२), अप्रैल, २०१८. पीपी. १२३९-१२४७. (सह-लेखक : आई. खान)।
- ग्राम सरदेईपुर, खोरधा जिला, ओड़िशा के तीन समुदाय के जेनेटिक शीर्षक पर शोध निबंध, *इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकॉल एंथ्रोपोलोजी एंड ह्यूमान जेनेटिक्स में* (आईएसएसएन ०३७८-८१५६), ३६(२),दिसम्बर, २०१८. पीपी. १५३-१५९।

डॉ. बी.के. श्रीनिवास

प्रकाशन

- विस्थापन की समस्यायें और संभावनाएं : कोरापुट जिला, ओड़िशा का एक अनुभवजन्य अध्ययन शीर्षक पर शोध निबंध "; इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकॉल रिव्यू में (आईएसएसएन २३४९-५१३८), ६(१), २०१९. पीपी. १३१०-१३१६. (सह-लेखक : डॉ जे.के. नायक) ।
- राष्ट्रीय एलुमिनियम कंपनी (नाल्को) द्वारा विस्थापित ग्रामों में विकास, फैलाव और प्रभाव तथा सुधार : कोरापुट में एक अध्ययन पर शोध निबंध, *इन रिसर्च ऑफ जर्नल ऑफ ह्युमानिटीस एंड सोशल साइसेंस* (आईएसएसएन २३२१-५८२८), ९(२), अप्रैल-जून, २०१८. पीपी. ४४४-४५३. (सह-लेखक : जे.के. नायक) ।

डॉ. मीरा स्वांई

प्रकाशन

- सामुदायिक भागिदारी और समावेशी शिक्षा : कोरापुट जिले, ओड़िशा, भारत के ब्लॉकों में केजीबीवीएस पर एक अध्ययन पर शोध निबंध"; *महिला प्रतिष्ठान में* (आईएसएसएन २४५४-७८९१), ५(१), २०१९।

- लोक संस्कृति में महिलाओं की स्थिति : ओड़िशा के जनजाति समुदायों का अध्ययन पर एक शोध निबंध"; *महिला प्रतिष्ठान में* (आईएसएसएन २४५४-७८९१), ४(४), २०१९. पीपी. १७-३२।
- तटीय क्षरण और संबंद्ध सामाजिक-पर्यावरणीय जिम्मेदारी के कारण कमजोरता "; पर शोध निबंध *अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ सोशल एंड आलाइड रिसर्च* (आईएसएसएन २३१९-३६११), ७(१), २०१८. पीपी. १७-२६।

समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय की शुरूआत २००९ से काम कर रहा है । यह विभाग समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर और अनुसंधान पाठ्यक्रम (एम.फील. तथा पीएचडी) । प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम भारत में समाज, संस्कृति एवं सामाजिक संरचना, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अनुसंधान प्रणाली, स्वास्थ्य समाजशास्त्र, पर्यावरण समाजशास्त्र, लिंग के समाजशास्त्र, गैरसरकारी संगठन के समाजशास्त्र, विकास के समाजशास्त्र, अपराध एवं विचलन के समाजशास्त्र एवं सामाजिक आन्दोलन के अध्ययन से अभिविन्यस्त है।

इस विभाग में दिए जा रहे पाठ्यक्रम अन्तर्विषयक है एवं नृविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति एवं इतिहास जैसे अन्य समाज विज्ञान विषयों से लिया गया है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम सांस्कृतिक विश्लेषण, वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन एवं विकास, आधुनिक भारतीय सामाजिक विचारक एवं सामाजिक स्तरीकरण, जाति, विवाह, पारिवारिक जीवन एवं रिश्तेदारी, राजनीति, अर्थशास्त्र, धर्म, शहरी जीवन एवं सामाजिक परिवर्तन से उनकी लड़ाई से संबंधित समस्याओं के साथ संबंधित है। अनुसंधान कार्यक्रम (एमफील एवं पीएच.डी) शैक्षणिक वर्ष २०१३-१४ से विभाग में प्रारंभ किया जा चुका है।

विभाग :

१	विभाग अध्यक्ष का नाम	**डॉ.कपिल खेमेंडु,** सहायक प्रोफेसर एवं विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा, ई-मेल:: kapilacuo@gmail.com
३	शिक्षण सदस्यों तथा उनकी शैक्षिक योग्यताएं	१. डॉ.कपिल खेमेंडु, एमए., ,एम.फील, पीएच.डी., यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. डॉ.आदित्य केशरी मिश्र, एमए., पीएच.डी., यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) ३. श्रीमती सागरिका मिश्र, एमए.एम.फिल., पीएच.डी., व्याख्याता (संविदा) (३०.११.२०१८ को त्याग पत्र दे दिया, उन्हें ओड़िशा सरकार के ओडिशा शिक्षा सेवा (ओइएस- ६) में चयन होने पर) ४. डॉ. नुपूर पट्टनायक, एम. एमफील, पीएचडी, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) (१८.३.२०१९ को नियुक्त हुई) ५. डॉ. विजय चंद्र महारणा, एमए, एमफील, पीएच.डी., यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) (१९.०३.२०१९ को नियुक्त हुई)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	समाजशास्त्र में २ वर्षीय एम.ए., एम.फिल एवं पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक ९ अगस्त २०१८ को आयोजित 9लिंग और विकास में समकालीन मुद्दे " पर एक विशेष व्याख्यान प्रो. अपर्णा रायप्रोल, समाज विज्ञान के प्रोफेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने प्रदान किया था ।
- दिनांक ०९ अगस्त २०१८ को सामाजिक पूंजी और जैवविविधता पर शीर्षक पुस्तक डॉ. आदित्य के. मिश्रा, संकाय, समाज विज्ञान विभाग द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन प्रो. अपर्णा रायप्रोल और प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, कुलपति, सीयूओ द्वारा विमोचन किया गया ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. कपिल खेमुंडु

प्रकाशन

- दिनांक २-३ मार्च २०१९ को समाज विज्ञान विभाग, वीडी महाविद्यालय, कोरापुट द्वारा आयोजित प्राक् विभाजित कोरापुट क्षेत्र में औद्योगिक विकास और सीएसआर गतिविधियाँ" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।
- दिनांक १७ फरवरी २०१९ को सीओएटीएस, कोरापुट में आयोजित दक्षिण ओड़िशा आर्थिक फोरम में "जनजातिय आजीविका और विकास प्रवचन में कोरापुट की जनजातियाँ शीर्षक पर प्रस्तुत किया ।
- केंओवि और जनजाति संग्राहालय, जगन्नाथ मंदिर और सीओएटीएस, कोरापुट द्वारा आयोजित जनजाति संग्राहलाय में दिनांक १७-१८ नवम्बर २०१८ को जनजाति संस्कृति के संरक्षण में जनजाति संग्रहलाय की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में जनजाति संस्कृति के संरक्षण : एक सबालटेर्न परिप्रेक्ष्य" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- जनजाति संग्राहालय सम्मेलन कक्ष, कोरापुट में दिनांक ११ नवम्बर २०१८ को एनजीओ, वाईयूवीए द्वारा आयोजित विकास और युवा : मुद्दे एवं चुनौतियाँ तथा रोड के सामने " शीर्षक पर कीनोट संबोधन प्रदान किया था ।

डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा

प्रकाशन

- सामाजिक पूंजीगत और जैवविविधता : *समुदाय, संबंध और संरक्षण,* शीर्षक पर एक पुस्तक प्रकाशन किया है, मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, २०१८।
- विकास में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियां" शीर्षक पर शोध निबंध प्रकाशित हुआ है, *महिला प्रतिष्ठा,* खंड ०४, संख्या. ०४, २०१९, पीपी. ११७-१२६।
- लैंगिक और सशक्तिकरण : सिद्धांत और संभावनाएं", *महिला प्रतिष्ठा,* खंड.०४, संख्या ०२, २०१८, पीपी. ७५-८४।
- मानव तस्करी पर मोहर देना : एक विकासत्मक फ्रेमवर्क की ओर", जामसेदपुर रिसर्च रिव्यू : इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ मल्टी डिसीप्लिनॉरी रिसर्च, खंड ०२, संख्या १७, २०१८, पीपी. ५७-६५।
- लिंग और विकास : एक समीक्षात्मक जांच", *महिला प्रतिष्ठा,* खंड. ०३, संख्या ०४, २०१८, पीपी. १३-२५।

डॉ. नुपूर पट्टनायक
प्रकाशन

- समाज, आत्महत्या और पीड़ा, शीर्षक पर पुस्तक का एक अध्याय, वी.जी. सिदरजु (संपादक) *भारत में किसान आत्महत्या : कारण, परिणाम और शमन,* ग्राब एजुकेशनॉल चारटिबल ट्रस्ट, चैन्नई, २०१९ ।

अर्थशास्त्र विभाग

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना २०११ में हुई थी। चार वर्षों के अंदर यह विभाग ओड़िशा राज्य में स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में एक प्रमुख विभाग बन चुका है। इस विभाग में विभिन्न विशेषज्ञता के साथ पर्याप्त संकाय सदस्य हैं। इसके अलावा विभाग कक्षाओं को लेने और अपनी विशेषज्ञता को साझा करने के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करता है।

यह विभाग अर्थशास्त्र में एमए., एमफील और पीएच.डी.के कई उभरे, अनुसंधान अभिमुखित, गाणितिक और इकोनोमेट्रिक आधारित वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों में अनुसंधान कौशल को भरने के लिए और रोजगार के लिए विभिन्न उपायों से उन्हें विभाग अनुसंधान विधि और शोध प्रबंध पाठ्यक्रम का आयोजन करता है । भारत में एक अग्रणी शिक्षण और शोध केंद्र के रूप में विभाग, आदिवासी अर्थशास्त्र, विकास अर्थशास्त्र ग्रामीण अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र आदि के क्षेत्रों में नियमित रूप से क्षेत्र सर्वेक्षण, संगोष्ठियां, सम्मेलन, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन करता है।

विभाग का लक्ष्य :

- सर्वोच्च मानक के लिए अपने अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को बढ़ाने और जिससे विश्वविद्यालय और देश की प्रतिष्ठा बढ़े,
- नवाचार शिक्षण, उन्नत अनुसंधान और जन नीति विश्लेषण पर जोर देते हुए अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभराना

विभाग का मिशन

- जनजाति अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण अर्थशास्त्र के क्षेत्र में व्यापक और गहराई अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना और गरीबी तथा मानव विकास और अन्य मुख्य क्षेत्रों पर अध्ययन करना,
- कक्षा के बाहर अर्थशास्त्र को लेना, जिसमें तर्कसंगत निर्णय लेने के लिए छात्रों के बीच कौशल और संवेदनशीलता को सुलझाने में समस्यायें उत्पन्न करें,
- अंतर अनुशासनिक अध्ययन और शोध के माध्यम से अर्थशास्त्र में ज्ञान बनाना और प्रसारित करना,

विभाग का लक्ष्य और उद्देश्य

- छात्रों और संकायों और अन्य सभी के विकास के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना,
- गाणितिक, इकोनोमेट्रिक्स, कंप्यूटर अनुप्रयोग और उद्योग प्लेसमेंट उन्मुख पाठ्यक्रमों वाले अनुप्रयोग अर्थशास्त्र में एमए की डिग्री प्रदान करना
- आने वाले वर्षों से शैक्षणिक और शोध कार्यक्रम जैसे कि अर्थशास्त्र में एकीकृत प्रायोगिक,विकास अध्ययन में एम.ए., पोस्ट डॉक्टरॉल डिग्री (डी.लिट) कार्यक्रम आरंभ करना ।
- आने वाले वर्षों में नये शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को आरंभ करना जैसे कि अनुप्रयुक्त अर्थशास्त्र में पाँच वर्षीय एकीकृत एमए, विकास अध्ययन में एमए, और अर्थशास्त्र में पोस्ट डॉक्टरॉल डिग्री (डी.लीट) आदि,
- छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए तैयार करना,
- छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान और प्रायोगिक कौशल शिक्षा प्रदान करना,
- विभिन्न सरकारी और घरेलू संगठनों से अलग अलग अर्थशस्त्रीय मुददों पर छोटे और बड़े अनुसंधान परियोजनाओं को लेना,
- आर्थिक नीति निर्धारण, मूल्यांकन और समीक्षा के लिए एक ज्ञान के भंडार के रूप में सरकारी एजेंसियों के साथ जुड़े रहना ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, सहायक प्रोफेसर तथा** विभागमुख्य प्रभारी
२.	संपर्क विवरण	अर्थशास्त्र विभाग,ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा ई-मेल : prasantakumarbehera@gmailcom
३.	शिक्षण सदस्य और उनकी शैक्षणिक योग्यताएं	१. श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. श्री बिस्वजित भोई, एम.ए., , यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. मिनती साहु, एम.ए., एम.फील, यूजीसी-एनईटी, सहायक प्रोफेसर ४. डॉ. केदारसेन साहु, एमए, एमफील, पीएचडी तथा यूजीसी नेट/जेआरएफ, व्याख्याता (संविदा) ५. श्री सुभ्रजीत रथ, एमए, एमफील एंव यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम. ए., एम.फील और पीएच.डी.

विभाग में शैक्षणिक गतिविधियाँ

- अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को व्याख्यान प्रदान करने के लिए दिनांक १२ से १६ नवम्बर २०१८ की अवधि के लिए अर्थशात्त्र विभाग का परिदर्शन डॉ. प्रशांत कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु ने किया ।
- विभाग में दिनांक १३ नवम्बर २०१८ को 9 भारत में प्रक्रिया, अभ्यास और बजट की अंतिम प्रवृत्ति" के शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डॉ. प्रशांत कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु ने विभाग का परिदर्शन किया।
- दिनांक २४ नवम्बर २०१८ को अर्थशास्त्र विभाग स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को (बैच- २०१७-१९) के लिए दुहारी, कोरापुट जिला, ओड़िशा में दुहारी ग्राम, कोरापुट जिला में सरकारी कार्यक्रम के मूल्यनिर्धारण पर एक फिल्ड सर्वे कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।
- दिनांक १३-१७ अगस्त २०१८ को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान, नोएड़ा, उत्तरप्रदेश द्वारा आयोजित श्रमिक और वैश्विकरण पर अभिमुखिकरण कार्यक्रम में छ: विद्यार्थियों ने भाग लिया। वे हैं साईज्योति परिड़, प्रीतम रंजन साहु, तपस्विनी पात्र, उदितसा दास, भाग्यश्री मोहांति और प्रमोद प्रधान (स्नातकोत्तर विद्यार्थी) ।

- दिनांक २-३ फरवरी २०१९ को स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर, ओड़िशा में जलवायु परिवर्तन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर (घ्र्ण्ण्ळ २०१९) अंततराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया ।
- विभाग में दिनांक १३ नवम्बर २०१८ को भारत में प्रक्रिया, अभ्यास और बजट की अंतिम प्रवृत्ति" के शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डॉ. प्रशांत कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु ने विभाग में एक व्याख्यान प्रदान किया था और प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया था।

विद्यार्थियों ने अभिमुखिकरण/प्रशिक्षण/सम्मेलन कार्यक्रम में भाग लिया

विद्यार्थियों का नाम	कार्यक्रम	अवधि	स्थान
पुनम दास(पीएच.डी. छात्र)	आईसीएसएसआर प्रायोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में अनुसंधान पद्धति पर दस दिवसीय पाठ्यक्रम	२९ अक्तूवर से ७ नवम्बर २०१८	एनआईटी, राउरकेला
रोनालि नायक (एम.फील. छात्रा)	संसाधन दक्षता,निरंतरता और वैश्विकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	२३-२४ जनवरी, २०१९	खलिकोट विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर
मनस्विनी आचार्य (स्नातकोत्तर, सेमेस्टर)	दक्षिण ओड़िशा में जनजाति : अवसर और चुनौतियां" शीर्षक पर साउथ ओड़िशा इकोनोमिक्स एसोसीएशन पर तीसरे वार्षिक सम्मेलन	१७ फरवरी, २०१९	काउंसिल ऑफ एनालिटिकॉल ट्राइबल्स स्टडीज (सीओएटीएस), कोरापुट, ओड़िशा

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रशांत कुमार बेहेरा

- दिनांक २३ सितम्बर २०१८ को ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में सामाजिक विज्ञान, मानविकी और शिक्षा में हॉल ही के अनुसंधान और नवाचार पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और कृषि विभाग में राज्य स्तर पर असमानताएं और भारत का एक अनुभवजन्य विश्लेषण" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक ०६-०७ अक्तूवर २०१८ को अर्थशास्त्र और सामाजिक न्याय संस्थान, अर्थशास्त्र विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापट्नम में *मानव विकास के सामाजिक अर्थशास्त्र और भारत में जीना आसान है* शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और कमजोर वर्ग के दैनिक मजदूरी श्रमिकों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति : यूएआईएल एरिया, रायगड़ा" का एक अध्ययन पर शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक ९-१० नवम्बर २०१८ को जी. एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओड़िशा में "परिवर्तनशील भारत : मुद्दे और चुनौतियां शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और *महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी अधिनियम और जनजाति विकास : कोरापुट, ओड़िशा का एक अध्ययन"* शीर्षक पर शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक २३ सितम्बर २०१८ को भारतीय अर्थशास्त्र : सतत विकास के लिए उभरते मुददे और चुनौतियां पर संगोष्ठी में भाग लिया और स्थानीय निवासियों पर सामाजिक और आर्थिक तथा खनन के वातावरणीय प्रभाव : पंचमाटमाली बक्साइट खान का एक अध्ययन" शीर्षक पर एक शोध प्रस्तुत किया।".
- दिनांक २९-३० जनवरी २०१९ को स्नातकोत्तर वाणित्य विभाग, बह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर द्वारा आयोजित *समसामयिक मुद्दे और वित्त तथा कराधान की चुनौतियां* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सर्वोत्कृष्ट शोध निबंध पुरस्कार प्राप्त किया और "**भारत** में कराधान की विश्वलेषणात्मक प्रवृत्ति, सोपान और प्रभाव" पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक ०२-१३ फरवरी २०१९ को सेंचुरिएन यूनिवर्सिटी ऑपु टेक्नोलोजी एंड मैनेजमेंट, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित दल में विशेषज्ञ पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम जो आईसीएसएसआर प्रायोजित है उसका सफलतापूर्वक पूरा किया।
- दक्षिण ओड़िशा में जनजाति विकास पर साउथ ओड़िशा इकोनोम्किस एसोसीएशन के तीसरे वार्षिक सम्मेलन : अवसर तथा चुनौतियां पर दिनांक १७ फरवरी २०१९ को काउंसिल ऑफ एनालिटिकॉल स्टडीज (कोटस) कोरापुट में भाग लिया और भारत में जनजातियों की शैक्षिक स्थिति : लैंगिक स्थिति" शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। सत्राध्यक्ष के रूप में भी काम किया है।
- दिनांक २४ फरवरी २०१९ को सालेपुर स्वंयशासी महाविद्यालय, कटक, ओड़िशा में शांति और सद्भाव के लिए शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 9प्राथमिक शिक्षा में शांति शिक्षा प्रदान करना और आशा तथा निराशा शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक २-३ मार्च २०१९ को वी.डी. स्वयंशासी महाविद्यालय, जयपुर, ओड़िशा में *औद्योगिकीकरण, पर्यावरण और स्थानीय स्थिरता* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और भारत में कर्पोरेट सोशल जिम्मेदारी और शिक्षा सेक्टर : मुद्दे और चुनौतियां" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया ।
- दिनांक १२-१३ मार्च २०१९ को जी.एम. विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओड़िशा में शिक्षण में आश्वासन गुणवत्ता के लिए नवाचार और उचित अभ्यास और शिक्षक शिक्षा शीर्षक पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी सुविधा संरचना और शैक्षिक गुणवत्ता : दक्षिण और पूर्वी भारतीय राज्यों के बीच एक तुलनात्मक विश्लेषण शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक १६ मार्च २०१९ को भुवनेश्वर में आयोजित विश्वविद्यालय की १७वीं शैक्षणिक परिषद की बैठक में भाग लिया।

प्रकाशन

- भारत में शिक्षा क्षेत्र पर सार्वजनिक वित्त का विश्लेषण : भारतीय कराधान की विजन जर्नल शीर्षक पर शोध निबंध । (आईएसएसएन: २३४७-४४७५), खंड. ५, खंड. २, २०१८, पीपी ७२-८३. (सह-लेखक , आर. खटेई)
- ।एसजीएस, वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण : कोरापुट जिला, ओड़िशा में एक अध्ययन, *महिला प्रतिष्ठा* । (आईएसएसएन: २४५४-७८९१), खंड ४, अंक ३, २०१९, पीपी २१३-२४१. (सह-लेखक, जे. साहु)।
- भारत में प्रवृत्ति, सोपान के विश्लेषण और काराधान का प्रभाव, वित्त और कराधान में समसामयिक मुद्दों और चुनौतियां, (संपादित पुस्तक) कुनल प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी-२२२-२३८. डआईएसबीएन: ९७८-९३-८६७१४-६४-०.(सह-लेखक, जे. साहु और बी. मोहांति) ।
- माध्यमिक विद्यालय में मौलिक आईसीटी संरचना की उपलब्धतता : *दक्षिण और पूर्वी भारत राज्यों के बीच विश्लेषण : शिक्षा में सूचना संचार तकनीकी : विजन और वास्तविकता* शीर्षक पर पुस्तक का अध्याय (संपादित पुस्तक) , २०१९ देश विकास प्रकाशन, विशाखापट्नम, पीपी -१०५-१२२. डआईएसबीएन: ९७८-८१-९३८०१९-१-८.(सह-लेखक, जे. साहु)

- भारत में दिव्यांग बच्चें और समावेशी शिक्षा : पहलू और चुनौतियां : अपहुंच तक पहुंचना : दॉ स्टेट ऑफ डिफरेंटली एबल्ड लनर्स (संपादित पुस्तक) २०१९ देश विकास प्रकाशन, विशाखापट्नम, पीपी - १०१-११८. ड९७८-८१-९३८०१९-५-६. (सह-लेखक- एस. दास)
- भारत में शहरीकरण और सतत विकास : एक प्रवृत्ति विश्लेषण ", जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण शीर्षक पर पुस्तक में एक अध्याय (संपादित पुस्तक) ।। २०१९,कुनाल प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी-१०४-११८. डआईएसबीएन: ९७८-९३-८६७१.(सह-लेखक- पी. आर साहु)

डॉ. मिनती साहु

- नेशनॉल इंस्टीच्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग (एनआईटीआईइ), मुंबई द्वारा आयोजित दिनांक २-११ जून २०१८ को युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम जो आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित है उसमें सफलतापूर्वक भाग लिया।
- दिनांक ४ सितम्बर २०१८ को अर्थशास्त्र विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय, ब्रह्मपुर में *मानव तस्करी पर सामाजिक आर्थिक और मानसिक प्रभाव : आने वाली चुनौतियां पर राज्य स्तरीय* संगोष्ठी में भाग लिया और भारत में मानव तस्करी : एक अंतरराज्य विश्लेषण" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २३-२४ नवम्बर २०१८ को बिरला सामाजिक विज्ञान और मानविकी विद्यापीठ, बिरला ग्लोबाल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित *भारतीय अर्थनीति : उभरते मुद्दे और सतत विकास के लिए चुनौतियां* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और औद्योगिकरण और ग्रामीण समुदाय विकास - रायगड़ा जिला, ओड़िशा में जे के पेपर उद्योग के एक अध्ययन का मामला" शीर्षक पर एक निबंध प्रस्तुत किया ।
- दिनांक २-३ मार्च २०१९ को वी.डी. स्वयंशासी महाविद्यालय, जयपुर, ओड़िशा में *औद्योगिकीकरण, पर्यावरण और स्थानीय स्थिरता* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और बाजरा, खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन-ओड़िशा के कोरापुट जिले का सूक्ष्म विश्लेषण पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की थी।
- दिनांक २१-२२ फरवरी २०१९ को इंडियन इस्टीच्यूट ऑफ फरेस्ट मैनेजमैंट (आईआईएफएम), भोपाल में सतत विकास के लिए बहुअनुशासन एप्रोच पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आईरन ओर खनन और सतत आजीविका- ओड़िशा, भारत में एक अनुभवजन्य विश्लेषण" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक ०२-०३ मार्च २०१९ को समाज विज्ञान विभाग, विक्रम देव स्वयंशासी महाविद्यालय, जयपुर,ओड़िशा में *औद्योगिकीकरण, पर्यावरण और स्थानीय स्थिरता* पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और औद्योगिकीरण,वनोन्मूलन और जनजाति आजीविका रणनीतियां" शीर्षक पर शोध निबंध प्रस्तुत किया ।

प्रकाशन

- एजीएनआरइजीए और श्रमिक रोजगार- ओड़िशा के केबीके और नॉन-केबीके क्षेत्रों के एक तुलनात्मक विश्लेषण" , इंडियन जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड डेवलपमेंट, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड डेवलपमेंट (आईएसएसएन: २३२०-९८३६), अंक ६, संख्या ९, २०१८, पीपी १०-१५ (सह-लेखक एल. प्रधान और एस. मिश्र) ।
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और महिला शीर्षक पर शोध निबंध : ओड़िशा के जनजाति क्षेत्रों में इसके प्रभावी के एक मूल्यांकन, महिला प्रतिष्ठा (आईएसएसएन:**२४५४-७८९१**), अंक ४, संख्या २, २०१८, पीपी ११-२२ (सह-लेखक , एस.के. मुदुली) ।
- स्कूली विद्यालय के पोषणीय स्थिति पर मध्याह्न भोजन योजना के प्रभाव शीर्षक पर शोध निबंध : ओड़िशा, भारत में जनजाति क्षेत्र के एक अध्ययन; *एशियन प्रोफाइल* (आईएसएसएन:०३०४-८६७५), अंक ४६, संख्या ४, २०१८, पीपी ३५५-३६४ (सह-लेखक, वाई पति) ।
- आईरन ओर खनन, जल गुणवत्ता और स्वास्थ्य : उनके संबंध में एक जांच" शीर्षक पर एक शोध निबंध, *एशिनयन जर्नल ऑफ वाटर, एनवारोनमेंट एंड पल्युशन*।।। (आईएसएसएन:०९७२-९८६०), अंक १६, संख्या ३, २०१९, पीपी ६३-७१ (सह-लेखक, डी महापात्र और डी साहु) ।
- खनन, कृषि और खाद्य सुरक्षा : ओड़िशा के केंउझर जिले से एक अनुभवजन्य प्रमाण" पर पुस्तक के अध्याय , *जलवायु परिवर्तन, कृषि और पर्यावरण* में (संपादित पुस्तक) , २०१९, एसएसडीएन प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी २२५-२३३ डआईएसबीएन: ९७८-८१-९३७५-१३६-७.।
- नारी सशक्तिकरण और खनन शीर्षक पर एक पुस्तक में अध्याय : ओड़िशा, भारत में एक सूक्ष्म विश्लेषण" पर एक पुस्तक का अध्याय, *इन एमपांवरिंग वुमेन : ए ग्लोबॉल अर्जेंशी* (संपादित पुस्तक), २०१९, डेलटॉन पब्लिकेशन, नई दिल्ली, पीपी-४६-५७ डआईएसबीएन : ९७८-९३-८७६३१-२१-२.।
- ओड़िशाा के जनजाति क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास और औद्योगिकीकरण" शीर्षक पर एक पुस्तक का अध्याय, इन रिस्ट्रक्चरिंग इंडस्ट्रियालाइजेशन इन इंडियन इकोनोमी (संपादित पुस्तक), २०१९, एसएसडीएन प्रकाशन, नई दिल्ली, पीपी -११०-१२८ डआईएसबीएन: ९७८-९३-८३५७-५६९-५.(सह लेखक एल पटनायक) ।
- आइरन ओर खनन और सतत आजीविका -भारत, ओडिशा में एक अनुभवजन्य विश्लेषण शीर्षक पर सम्मेलन का एक कार्यवृत्त, मल्टी डिसिप्लिनॉरी एप्रोच टुवर्डस ससटेनबल डेवलपमेंट (२१-२२ फरवरी २०१९) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल, भारत में आयोजित ।

श्री विश्वजित भोई

- दिनांक २१-२२ अप्रैल २०१८ को एसएसी-एसटी कर्मचारी कल्याण संघ, नाल्को, अनुगुल, ओडिशा द्वारा आयोजित *डेमोक्राटाइजिंग दॉ डेवलपमेंट, एन आम्बेक्राइट परसपेक्टिव* (ओड़िशा विशेष संदर्भ में) आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की ।
- दिनांक २०-२९ अक्तूबर २०१८ के दौरान एसएमवीडीयू, काटरा, जम्मू एवं कश्मीर में MATLAB Deewj TEQIP – III kesA तहत अनुसंधान वृद्धि पुर्जा एक परिचय पर दो सप्ताह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक पूरा किया।
- दिनांक २३-२४ नवम्बर २०१८ को बिरला ग्लोबाल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में *सतत विकास के लिए उभरे हुए मामले और चुनौतियां* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और9 आर्थिक वृद्धि पर शिक्षा व्यय पर प्रभाव और एक पैनल डाटा विश्लेषण" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक १७ फरवरी २०१९ को साउथ ओड़िशा इकोनोमिक्स एसोसीएशन, सीओएटीएस, कोरापुट, ओड़िशा के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया और भारत में सकारात्मक कार्रवाई के प्रक्षेपवरक : जनजाति के संदर्भ में इसके वर्तमान और भविष्य के प्रभाव" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक ०२-०३ मार्च २०१९ को वी.डी. (स्वयंशसी) महाविद्यालय, जयपुर, ओड़िशा में आयोजित *औद्योगिकीकरण, पर्यावरण और सतत विकास* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और भारत में सतत विकास और सकारात्मक कार्रवाई" पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- भारत में वित्तीय घाटा, मुद्रास्फीति और कर्ज का जाल : एक अनुभवजन्य विश्लेषण पर शोध निबंध, *इंडियन जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स एंड डेवलपमेंट* में प्रकाशित हुआ है,, फरवरी २०१९, खंड ७ (२), आईएसएसएन (ऑनलाइन): २३२०-९८३६ आईएसएसएन (प्रिंट) : २३२०-९८२८. (सह-लेखक : आर. बगर्ती) ।
- भारत में एफडीआई साहित्य की क्रांतिक समीक्षा : प्राथमिक अवलोकन ", पर एक शोध निबंध, जर्नल ऑफ इमरजिंग टेक्नोलोजिस एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेअइटीआईआर) में प्रकाशि हुआ है, २०१८ जेइआईटीआर, अगस्त २०१८, खंड ५, अंक ८, आईएसएसएएन-२३४९-५१६२. (सह लेखक : डी. आर. रथ) ।

शिक्षा एवं शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ

शिक्षा एंव शैक्षिक तकनीकी विद्यापीठ में दो विभाग हैं एक है पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग और दूसरा है शिक्षक शिक्षा विभाग ।

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र की शुरुआत वर्ष २००९ में हुई। तीन सालों से कम समय में एक प्रमुख पत्रकारिता विभाग के रूप में ओड़िशा राज्य में स्वयं को चिह्नित किया है। केंद्र में मल्टि मिडिया प्रयोगशाला सहित इंटेरनेट कनेक्शन और अंतिम सॉफ्टवेयार सुविधा उपलब्ध है। केंद्र के पास अंतिम स्टिल तथा विडियो कैमरा उपलब्ध हैं। छात्रों को समग्र देश के अग्रणी मिडिया हाऊसों में एक महीने का कठोर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है और उनमें से कई छात्रों को अग्रणी समाचार पत्र, टेलीविजन चैनलों, जन संपर्क संगठनों,एनजीओ आदि में नियुक्ति मिली है । केंद्र पत्रकारिता तथा जन संचार में एम.फिल तथा पीएच.डी. कार्यक्रम को चला रहा है। भविष्य में अल्पावधि पाठ्यक्रम चालू करने की योजना है ।

पत्रकारिता तथा जन संचार केंद्र का लक्ष्य

- मिडिया शिक्षा तथा पेशेवर प्रशिक्षण दिलाना।
- कोरापुट के साथ साथ ओड़िशा राज्य के अविभाज्य विकास के लिए संपर्क साधन और पारम्परिक साधनों का अध्ययन करना तथा उपयोग करना।
- क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय संचरण के लिए कोरापुट सहित ओड़िशा के परिपूर्ण संस्कृति तथा विरासत पर दृश्य तथा श्रव्य कार्यक्रमों और सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन के उत्पादन के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में काम करना ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से मिडिया संसाधन एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में काम करना ।
- विभिन्न स्तरों में काम करने के लिए एक उत्कृष्ट पेशेवर बनाने के लिए पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा तथा प्रशिक्षण देना ।
- कार्यरत संवाददाताओं को शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण दिलाना और पारम्परिक, जन के साथ साथ नयी मिडिया के लिए पेशेवर तौर पर योग्य मानवशक्ति प्रदान करना।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उत्कृष्ट अनुसंधान लेखों का प्रकाशन करना ।

विभाग

१.	विभागाध्यक्ष का नाम	**डॉ. प्रदोश कुमार रथ, सहायक प्रोफेसर तथा** विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	पत्रकारिता तथा जन संचार विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा, ई-मेल : pradoshrath@gmail.com
३.	शिक्षकगण तथा उनकी योग्यताएँ	१. डॉ. प्रदोष कुमार रथ,एम. ए. (अर्थ.), जे.एम. सी में एम.ए., पीएच.डी., (यूजीसी एनइटी-जेआरएफ) सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. श्री सौरभ गुप्ता, जे एम सी में एम.ए., यूजीसी एनइटी, सहायक प्रोफेसर ३. सुश्री सोनी पारही, जे एम सी में एम.ए., यूजीसी एनइटी, व्याख्याता (संविदा) ४. श्री सुजित कुमार मोहांति, संचार में एम.ए.,यूजीसी-एनइटी, व्याख्याता (संविदा) ५. सुश्री तलत जहान बेगम, जे एम सी में एम.ए., व्याख्याता (संविदा)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	पत्रकारिता तथा जन संचार में दो वर्षीय एम.ए, एम.फील. तथा पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- इक्कीस विद्यार्थियों ने पत्रकारिता एंव जनसंचार में एम.ए. डिग्री की उत्तीर्ण हुए है श्री अमजाद अल्ली और सुश्री रोजालिन मिश्र को प्रथम स्थान मिला है
- इस अवधि के दौरान चार विद्यार्थियों को एम.फील डिग्री जे एंड एम सी में मिली है। वे हैं सुश्री आराधना कुमारी सिंह, सुश्री पल्लीश्री सेंढ, सुश्री पद्मजा प्रियदर्शिनी और श्री नृसिंह बेहेरा वे अपना अनुसंधान डॉ. पी.के. रथ तत्वावधान में पूरा किया है।
- विश्वविद्यालय परिसर में दूसरी बार ई.टीवी ने भर्त्ती प्रक्रिया चालू किया है । इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थियों को अच्छा स्थान मिला है वे हैं सुश्री जामी सिला, सुश्री रोजालिन मिश्रा, सुश्री स्मृतिरेखा परिजा और श्री तमल बागची
- विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध समाचार पत्रिका समाज संगठन ने भर्त्ती प्रक्रिया जारी रखी है उसमें तीन विद्यार्थियों को चुना गया है वे है श्री अजमद अल्ली, सुश्री लक्ष्मी साकिआ और श्री स्वागत कुमार साहु
- विभाग में दिनांक १६ नवम्बर २०१८ को राष्ट्रीय प्रेस दिवस आयोजित किया गया था
- दिनांक ३ अगस्त २०१८ को विभाग में फिल्म, टेलीविजन और थिएटर उत्पादन में संचार के मौलिक तत्वों " के ऊपर एक व्याख्यान का आयोजन किया था उसमें प्रो.अशोक मुखोपाद्याय, भूतपूर्व निदेशक और प्रोफेसर, जन संचार विभाग, रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय ने एक विशेष व्याख्यान प्रदान किया था।
- विभाग में दिनांक २८ सितम्बर २०१८ को विकास के लिए संचार में नये आयाम" शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी व्याख्यान प्रदान करने के लिए प्रो. प्रमोद कुमार जेना, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, जन संचार प्रबंधन और तकनीकी विभाग, गुरू जंबेश्वर विज्ञान तथा तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार को आमंत्रित किया गया था
- दिनांक ०१ फरवरी २०१९ को विभाग में संचार के मूलतत्व और इसकी प्रकृति और मॉडल्स" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था इसमें प्रो. ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, एमएमएम पत्रकारिता संस्थान, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश ने व्याख्यान प्रदान किया था
- पत्रकारिता और अल्पसंख्यक विकास : छत्तीसगढ़ के बिलास जिला में दो हिंदी समाचार पत्र के विकासात्मक समाचार कवरेज के विश्लेषण शीर्षक पर एक शोध निबंध पर मुहम्मद अमीर पाशा, शोधार्थी ने प्रकाशित किया है, इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकॉल रिव्यू (आईएसएसएन २३४८-१२६९), खंड. ५, अंक ३, जुलाई-सितम्बर २०१८ ।
- जनजाति मानव अधिकार : ओड़िशा के परिदृश्य" पर एक शोध निबंध राकेश कुमार दुबे, शोधार्थी ने प्रकाशित किया है, *विद्यावार्ता* (आईएसएसएन २३१९-९३१८), खंड ४, अंक २८, अक्तूवर-दिसम्बर २०१८।
- परिवेशविद् के रूप में गांधीजी : नियमगिरि सुरक्षा आंदोलन और मीड़िया का एक अध्ययन" शीर्षक पर राकेश कुमार दुबे, शोधार्थी ने एक शोध लेख प्रकाशित किया है, *इन कम्युनिकेशन टुडे* । (आईएसएसएन ०९७५-२१७X), खंड २२, अंक.४, अक्तूवर-दिसम्बर २०१८।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. प्रदोश कुमार रथ

- चार एम.फील विद्यार्थियों ने डॉ. प्रदोश कुमार रथ के मार्ग दर्शन में एम.फील डिग्री की उपाधि प्राप्त की। वे हैं सुश्री आराधना कुमारी सिंह, सुश्री पल्लवी सेंढ, सुश्री पद्मजा प्रियदर्शिनी और श्री नृसिंह बेहेरा।
- दिनांक २१-२२ दिसम्बर २०१८ को पत्रकारिता और जन संचार विद्यापीठ, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित मिडिया और पिछडे समुदाय पर दक्षिण एशिया संचार सम्मेलन में मीडिया में अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिनिधित्व : प्रींट मीडिया के क्षेत्र का मानचित्रण" शीर्षक पर एक शोध प्त्र प्रस्तुत किया ।
- बीयूसीडी, सावित्रीभाई फूले पूणे विश्वविद्यालय और पीडीइएएस बाबुरावजी घोलाप महाविद्यालय, पूण, वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित *उद्यमिता क्षेत्र में चुनौतियां और अवसर* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जनजाति विकास के लिए एक सामाजिक एंटरप्राइजस के रूप में जनजाति हाट" शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- पत्रकारिता और अल्पसंख्यक विकास : छत्तीसगढ़ के बिलास जिला में दो हिंदी समाचार पत्र के विकासात्मक समाचार कवरेज के विश्लेषण शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है, *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकॉल रिव्यू* (आईएसएसएन २३४८-१२६९), खंड ५, अंक ३, जुलाई-सितम्बर २०१८. पीपी ६५८-७०८. (सह-लेखक : एम. एम. पाशा)
- जनजाति मानव अधिकार : ओड़िशा के परिदृश्य" पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है, *विद्यावार्ता* में (आईएसएसएन २३१९-९३१८), खंड ४, अंक २८, Oct.–Dec. २०१८. पीपी ७७-८८. (सह-लेखक : आर. के. दुबे)
- विकास संचार में लोककला मीडिया के उपयोग को संस्थागत करना- ए स्टडी ऑफ दॉ आर्टिस्ट फेडरेशन ऑफ ओड़िशा" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है । *विद्यावार्ता में (*आईएसएसएन २३१९-९३१८), खंड ४, अंक २८, Oct.–Dec. २०१८. पीपी ८९-९५. (सह-लेखक : सौरभ गुप्ता)
- परिवेशविद् के रूप में गांधीजी : नियमगिरि सुरक्षा आंदोलन और मीड़िया का एक अध्ययन" शीर्षक पर *कम्युनिकेशन टुडे में* (आईएसएसएन ०९७५-२१र्७), खंड २२, अंक.४, ध्र्.-अम. २०१८. पीपी ११-२०. (सह-लेखक : आर.के. दुबे)
- विकास संचार के पुर्जा के रूप में नाटक : ए मिडिया आस्थेटिक्स स्टडी" शीर्षक पर शोध निबंध प्रकाशित किया है, *जर्नल ऑफ मिडिया एंड कम्यूनिकेशन* में (आईएसएसएन २५८१-५१र्३), खंड २, अंक १, जून २०१८. पीपी ४४-६२. (सह-लेखक : सौरभ गुप्ता)
- जनजाति विकास के लिए सामाजिक उद्यमिता के रूप में जनजाति हाट शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है, *अरहत मल्टिडिसिप्लिनॉरी इंटरनेशनॉल एजुकेशन एंड रिसर्च जर्नल* (एएमआईतआरजे) में (आईएसएसएन २२७८-५६५५,) खंड ञ्छ्ध, विशेष अंक-१, जनवरी, २०१९. पीपी ५१-५४. (सह-लेखक : टी.जे. बेगम और एम. मुरलीधर)

सौरभ गुप्ता

- दिनांक १०-१४ जुलाई २०१८ के दौरान (राष्ट्रीय नेशनॉल अकादमी फॉर म्यूजिक, डेंस, ड्रामा एंड आलाइड आर्टस), भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय, संगीत अकादमी द्वारा आयोजित भुवनेश्वर में श्रेष्ठ भारत संस्कृति संगम में आमंत्रित पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया
- दिनांक ४ अगस्त २०१८ सेंटस स्कूल हॉल, कोरापुट में नंदनिक द्वारा उत्पादित और निदेशित *तक्षक* (ओडिया) नाटक का मंचन किया गया
- दिनांक १६ जनवरी २०१९ को भारतीय जन संचार संस्थान, ढेंकानाल द्वारा आयोजित पॉलिटिकल नारेटिवस इन इंडियन सिनेमा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गजानन चित्रे से जयकांत शिखरे तक : वॉलिवुड फिल्मों में खलनायक के रूप में राजनेता" शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया
- दिनांक ३१ जनवरी से ०१ फरवरी २०१९ के दौरान जन संचार और विडिओग्राफी, रविन्द्र भारतीय विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित *फासेटस ऑफ डेवलपमेंट कम्युनिकेशन* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में डेवलपमेंट कम्युनिकेशन का परिवर्तनशील मीडियास्केप- विकास के लिए नाटक की प्रासंगिकता पर चर्चा " शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया
- दिनांक २३ फरवरी २०१९ को गुरुकुल प्ले स्कूल, कोरापुट में नंदनिक द्वारा आयोजित *गांधीवाद : समकालीन चिंतन* पर आयोजित एक दिवसीय क्षेत्रीय भाषा संगोष्ठी में भाग लिया और 9मीडिया और संचार पर गांधीजी के विचार" पर आमंत्रित वार्ता प्रदान किया
- दिनांक ०२-०३ मार्च २०१९ को समाज विज्ञान स्नातकोत्तर विभाग, विक्रम देव स्वयंशासी महाविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित *औद्योगिकरण, पर्यावरा और स्थानीय स्थिरता* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 9कलाओं के माध्याम से औद्योगिकरण के अभिशापों का संचार : विकास के लिए नाटक का अध्ययन" शीर्षक एक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया

प्रकाशन

- संचार अनुसंधान में एक पद्धति के रूप में मीडिया सौंदर्यशास्त्र : विकास के लिए संभावनाएं और चुनौती - एक रंगमंच पर ध्यान केंद्रित" शीर्षक पर शोध पत्र प्रकाशित हुआ है, *ईआरए* में (आईएसएसएन २३४८-५७र्१), खंड ५, अंक १.२, Jan. २०१८. पीपी १०२-११५
- ओड़िशा में कलाकार महासंघ के विकास के संचार में लोक मीडिया के उपयोग को संस्थागत बनाना शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया है, *विद्यावार्ता में* (आईएसएसएन २३१९-९३१८), खंड ४, अंक २८, Oct. - Dec. २०१८. पीपी ८९-९५. (सह-लेखक : डॉ. पी.के. रथ)
- थिएटर ऑफ डेवलपमेंट कम्युनिकेशन के एक उपकरण के रूप में : एक मीडिया सौंदर्यशास्त्र अध्ययन, शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया है, *जर्नल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन में* (आईएसएसएन २५८१-५१र्३), खंड २, अंक १, June २०१८. पीपी ४४-६२. (सह-लेखक : डॉ. पी.के. रथ)

सोनी पारही

- दिनांक ०२-०३ फरवरी २०१९ को अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *जलवायु परविर्तन और शहरीकरण पर सामाजिव-आर्थिक प्रभाव* पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षित करने में विधि और मीडिया की भूमिका" पर एक लेख प्रस्तुत किया
- दिनांक २६-२७ फरवरी २०१९ को स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित *संस्कृति : युग के माध्यम से* राष्ट्रीय सम्मेलन में कानूनी संस्कृति और विकास संचार के अध्ययन" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया ।
- दिनांक ०९-१० मार्च २०१९ को नृविज्ञान स्नातकोत्तर विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नव-*उदारवादी युग में जनजातियों को समझना* पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जनजाति आबादी के वन अधिकारों पर सरकारी कार्यक्रम पर जागरुकता" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया

तलत जहां बेगम

- दिनांक ११-१२ जनवरी २०१९ को सावित्री बाई फूले पूणे विश्वविद्यालय, पूणे, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित *प्रशिक्षु क्षेत्र में चुनौतियां और अवसर* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जनजाति विकास के लिए सामाजिक एंटरप्राइजस के रूप में जनजाति हाट" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया।

- दिनांक ०३-०५ जनवरी २०१९ को कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलाबुरागी, कर्नाटक द्वारा आयोजित और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित *उभरते देशों में पर्यटन विकास में सामुदायिक भागिदारी पर* अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 9जनजाति हाट : पर्यटन तथा सामुदायिक विकास के लिए एक मंच9 शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया
- दिनांक २१-२२ दिसम्बर २०१८ को जन संचार विद्यापीठ, कंलिग इंस्टीच्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलोजी (केआईआईटी) भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित *सीमांत समुदाय का मीडिया चित्रण पर साउथ एशिया कम्युनिकेशन सम्मेलन)* में एक सेमाटिक सेशन की अध्यक्षता की
- दिनांक ११ जुलाई २०१८ को बिजु पटनाक इंस्टीच्यूट ऑफ आईटी एंव मैनेजमेंट स्टडीज, भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा आयोजित *रणीनति और नवाचार द्वारा व्यापार स्थानांतरण-२०१८* पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 9ग्रामीण भारत में संचार : हाट के माध्यम से नयी संभावनाएं" शीर्षक पर एक लेख प्रस्तुत किया

प्रकाशन

- जनजाति विकास के लिए सामाजिक एंटरप्राइजस के रूप में जनजाति हाट" शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है"; अरहट मल्टिडिसिप्लीनॉरी इंटरनेशनॉल एजुकेशन रिसर्च जर्नल में (AMIERJ) (आईएसएसएन २२७८-५६५५,) खंड. VIII, विशेष अंक-१, जनवरी, २०१९. पीपी, ५१-५४. (सह लेखक : डॉ. पी.के. रथ और एम. मुरलीधर)

शिक्षा विभाग

अध्यापक शिक्षा केंद्र वर्ष २०१३ में शुरू हुआ है। इस केंद्र का लक्ष्य है आवश्यक कौशल तथा योग्यतायें प्रदान करके और अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के अद्यतन तत्वों को देकर हमारे देश के लिए दूरदर्शी अध्यापक तैयार करना। जैसा कि यह केंद्र दूरदर्शी अध्यापकों को तैयार करता है, शिक्षक शिक्षा विभाग अत्याधुनिक शैक्षिक पद्धतियों और शिक्षाविदों के माध्यम से मानव पूंजी को मोल्डिंग का लक्ष्य रखता है । विभाग एक और सभी को शिक्षा प्रदान करने के अपने कारण के प्रति समर्पित है। यह अपने प्रयास में शिक्षकों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नवाचार के लिए आवश्यक परिवर्तनों को शामिल करने की क्षमता के साथ रहेगा। चार वर्षो की अवधि के भीतर, भारत में खुद को प्रमुख शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

उद्देश्य

- सूचना तथा संचार तकनीकी संसाधन केंद्र, पाठ्यक्रम संसाधन केंद्र, विज्ञान ससांधन केंद्र, कला तथा शिल्प संसाधन केंद्र, शारीरिक शिक्षा संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय और विभागीय प्लेसमेंट कक्ष की स्थापना करना है ।
- इस विभाग का लक्ष्य है भविष्य में शिक्षा में मास्टर डिग्री कार्यक्रम को प्रारंभ करना है ।
- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में वार्षिक सम्मेलन/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन किया ।
- व्यक्तिगत रूप से या संयुक्त रूप से अनुसंधान करने के लिए देश अथवा विदेश में अन्य विभागों के संस्थानों के समझौता करना ।
- पूरे शैक्षणिक सत्र में शिक्षक शिक्षा में प्रतिष्ठित प्रोफेसरों को आमंत्रित करना ।
- प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के छात्रों को दोनों शिक्षण अभ्यास और प्लेसमेंट के लिए आस पास के विद्यालयों से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करना ।

विभाग

१	अधिष्ठाता तथा मुख्य का नाम	**श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, सहायक प्रोफेसर तथा** विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क के लिए विवरण	शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनाबेढ़ा, कोरापुट -७६३००४, ओड़िशा ई-मेल :ramendraparhi@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यता	१. श्री रमेंद्र कुमार पाढ़ी, एम.ए., एम.एड, एम.फील,पीजीडीजीसी (एनसीआरटी), यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी, २ श्री संतोष जेना, एम.ए. एम.एड़, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) ३. श्री के. वी. नरसिंह राव, एम.ए. (अंग्रेजी), एम.इडी, व्याख्याता (संविदा) ४. श्री अक्षय कुमार भोई, एमए. एम.फील, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) ५. डॉ. शिशिर कुमार बेज, एम.ए., एम. इडी, पीएचडी., व्याख्याता (संविदा) ६. श्री पी. विलियम बनर्जी, एम.एससी, एमइडी, एमफील, व्याख्याता (संविदा) ७. सुश्री बी सोरेन , एम ए, स्थापत्य (दृश्य कला), व्याख्याता (संविदा)
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम	शिक्षा में स्नातक (बी.एड़) (दो वर्षीय), शिक्षक शिक्षा में एम.फील, और पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस वार्षिकी समारोह के अवसरंर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस- २०१८ के समारोह के अंग के रूप में दिनांक ११ नवम्बर २०१८ को आयोजित एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में 9शिक्षा का महत्व और शिक्षा के सभी पहलूओं के लिए राष्ट्र की पतिबद्धता "शीर्षक पर व्याख्यान प्रदान किया और प्रो. गोरामा आई.पी., शिक्षा के प्रोफेसर, आरआइइ, (एनसीआरटी), भुवनेश्वर ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया ।
- विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर, सुनाबेढ़ा में दिनांक १२ सितम्बर २०१८ को आयोजित पाठ्यचर्या के पार अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के ज्ञान की रूपरेखा और अन्य शैक्षणिक संबंध" शीर्षक पर संगोष्ठी व्याख्यान कार्यक्रम प्रदान किया । यह संगोष्ठी व्याख्यान प्रो.सुरेंद्र सिंह चौहान, इंदौर ने प्रदान किया था।
- दिनांक २४-२८ सितम्बर २०१८ की अवधि के लिए शिक्षक शिक्षा में बीएड, एम.फील और पीएचडी छात्रों को कक्षा व्याख्यान प्रो. गौरांग चंद्र नंद, शिक्षा के प्रोफेसर, रेवेंसा विश्वविद्यालय, कटक ने प्रदान किया था ।
- जगन्नाथ विद्यापीठ, सुनाबेढ़ा, सरकारी उच्च विद्यालय, निघामनीगुड़ा, डुमुरीपुट, जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल, सेमलीगुड़ा, नेताजी अंग्रेजी मिडिय विद्यालय, सेमलीगुड़ा, एरोनेटिक्स बालिका उच्च विद्यालय, सुनाबेढा-२, और श्री अरोबिंद इंटेग्राल स्कूल, सुनाबेढा जैसे विभिन्न विद्यालयों में दिनांक ७ अगस्त से २४ नवम्बर २०१८ के दौरान तीसरे सेमेस्टर के बीएड पाठ्यक्रम के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए स्कूल इंटरशिप गतिविधियाँ प्रदान की गयी ।
- शिक्षण और सीखने में अच्छी प्रथाओं के बारे में समझ विकसित करने के उद्देश्य से स्कूल फॉर विजुअली चैलेंज्ड, (ब्लांइड), स्कूल फॉर हियरिंग एंड स्पीच इम्पेड, एमएनएएस, नवोदय विद्यालय, एकलब्य मॉडल आवासिक विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, आलिगांव, सिमलीगुड़ा में शैक्षणिक और शिक्षण के विभिन्न केंद्रों में दिनांक ०५-१२ अक्तूबर २०१८ के लिए आयोजित सत्र २०१८-१९ के लिए बीएड कोर्स के प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए पहलू शिक्षक अनुभव कार्यक्रम आयोजित किया गया था ।

- सितम्बर २०१८ को विभाग की गृहपत्रिका 9स्पंदन" के चौथे अंक का प्रकाशन किया गया था।

संकाय सदस्यों द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ:

डॉ. रमेंद्र कुमार पारही

- दिनां क ०२-०४ २०१९ को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनसीआरटी), भोपाल, मध्य प्रदेश में *अनुसंधान टूल्स के विकास* पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- कोरापुट जिला के सिमलिगुड़ा ब्लॉक में स्कूलिंग और शिक्षा के प्रति पिता-माता की मनोवृत्ति पर एक शोध निबंध प्रकाशित किया है, *एडुसेर्च* में, खंड-९, संख्या-१, आईएसएसएन संख्या:०९७६-११६० ।
- ०१ फरवरी २०१९ को डीएवी सीटीइ, कोरापुट में शिक्षा संकाय की नियुक्ति के लिए चयन समिति के एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

मौलिक विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ

गणित विभाग

ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के मौलिक एवं सूचना विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत गणित विभाग ने शैक्षिक वर्ष २०११-१२ से पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर विज्ञान पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया है।

उद्देश्य

- गणित में निमन्त्रित विशिष्ट प्राध्यापकों का प्रवेश।
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, अनुरूप संगणन प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय आदि की स्थापना।
- गणित एवं सांख्यिकी में एमफिल/पीएचडी/स्नातकोत्तर(विज्ञान) जैसे नए पाठ्यक्रमों को लागू करना।
- वार्षिक संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- निम्न सूचित को शुरू करना: चूँकि २१वीं सदी गणितीय विज्ञान का युग बनने जा रहा है ऐसे में शोध कार्य के संदर्भ में जीनोमिक्स, जीव विज्ञान एवं पारिस्थितिकी जैसे विविध क्षेत्रों में गणित/ सांख्यिकी का प्रयोग।

विभाग

१	विभागाध्यक्ष का नाम	**श्री ज्योतिष्क दत्त,** सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
२	संपर्क विवरण	गणित विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा ई-मेल:hod.math@cuo.ac.in
३.	शिक्षण सदस्य तथा उनकी योग्यता	१. ज्योतिका दत्ता, एम.एससी., एम.फील, यूजीसी-एनइटी, जेआरएपु, जीएटीइ, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. श्री रमेश चंद्र माति, एमसीए, यूजीसी-एनइटी, व्याख्याता (संविदा) ३. सुश्री कृष्ण मलिक, इंट एमएससी (गणित), व्याख्याता (संविदा) ४. डॉ. दीपक राउत, एम.एससी, पीएचडी, यूजीसी-नेट, गेट, व्याख्याता (संविदा) ५. डॉ. दीपन ज्योति महांति, एमएससी, एमफील, यूजीसी, नेट, गेट, पीएचडी, व्याख्याता (संविदा) ६. डॉ. आनंद बिस्वास, एमएससी, यूजीसी-नेट, गेट, पीएचडी, व्याख्याता (संविदा) ७. श्री प्रीतम कुमार भोई, एमएससी, सीएसआईआर-नेट, व्याख्याता (संविदा)
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	गणित विज्ञान में एम.एससी (एकीकृत पाँचवर्षीय)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक १५ नवम्बर २०१७ को प्रो. स्वाधीन पटनायक, भूतपूर्व निदेशक, गणिविज्ञान और अनुप्रयोग संस्थान ने विभाग का परिदर्शन किया और सामान्य गणित विज्ञान पर एक कक्षा ली_
- दिनांक २० नवम्बर २०१७ को डॉ. बिनोद कुमार साहु, रीड़र-एफ, नाइजर, भुवनेश्वर ने विभाग का परिदर्शन किया और एक व्याख्यान प्रदान किया_
- विभाग के छात्रों तथा संकाय सदस्यों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला सहित एलएएन कनेक्टिविटी की अधिष्ठापना हुई है । कंप्यूटर प्रयोगशाला सीसीटीवी निगरानी में है।
- श्री सुबास चंद्र बेहेरा और श्री कोशलेश मेहेर ने एमएससी में प्रवेश के लिए संयुक्त परीक्षा (JAM)-२०१७ में उत्तीर्ण हुआ_
- वर्ष २०१७ में ओड़िशा सरकार, राज्य विज्ञान तथा तकनीकी परिषद द्वारा श्री विवेक सूर्यनारायण मिश्र और श्री काजल जेना को पी.जी. छात्रवृत्ति मिली_
- सुश्री रश्मि रेखा, विभाग की एक छात्रा ने दिनांक १२ जून से १ जुलाई २०१७ तक हरिश्च चंद्र अनुसंधान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा आयोजित गणित विज्ञान में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम (एसपीआईएम) में भाग ली_
- दिनांक २२ मई से ३ जून २०१७ को भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान तथा तकनीकी संस्थान, तिरूवंतपुरम, केरल द्वारा आयोजित युवा प्रतिभा पोषण कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक ११-३० जून २०१७ को तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सर्वदमन डी.एस. चावला की स्मृति में गणित विज्ञान में ग्रीष्मकालीन स्कूल कार्यक्रम में श्री डी. राम प्रसाद, इस विभाग का एक छात्र ने भाग लिया_
- दिनांक २२ मई से १७ जून २०१७ को राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित गणित विज्ञान-२०१७ में प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग के दो छात्रों ने भाग लिया वे हैं सुश्री काजल जेना और सुश्री मनिषा पंडा।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियॉ:

सुश्री ज्योतिका दत्ता

- बाईफुरिकेशन एनालिसिस ऑफ ए मोडिफाइड लेसली ग्रोवेर मॉडल विथ होल्लिंग टाइप-४ फंकशनॉल रेसपंस एंड नॉनालाइरियर प्री हार्वेस्टिंग शीर्षक पर एक शोध निबंध का प्रकाशन", एढवांस इन डिफेरेंस इक्वीएशन, स्प्रिंगर इंटरनेशनॉल पब्लिशिंग, २०१८ (१), २०१८, पीपी - १२७, द्ग.दु/१०.११८६/१३६६२-०१८-१५८१-३, आईएसएसएन १६८७-१८४७ (ऑनलाइन)।

डॉ. दीपन ज्योति मोहांति

- दिनांक २ फरवरी २०१८ को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से गणित विज्ञान में पीएच.डी. उपाधि मिली_

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर एप्लिकेशन में स्नातक (बीसीए) पाठ्यक्रम की शुरूआत गणित विभाग के तहत किया गया था। प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति की नियुक्ति होने के बाद बीसीए पाठ्यक्रम नवगठित कंप्यूटर विज्ञान विभाग के तहत जारी रहा है। वर्तमान में विभाग अपने छात्रों के दूसरे बैच चल रहा है।

उद्देश्य

- पूरे शैक्षणिक सत्र में कंप्यूटर विज्ञान में प्रख्यात प्रोफेसर को आमंत्रित करना ;
- विभागीय नियोजन प्रकोष्ठ, कंप्यूटर प्रयोगशाला, पैरालाल कंप्यूटिंग प्रयोगशाला, विभागीय पुस्तकालय की स्थापना करना;
- कंप्यूटर विज्ञान में एमसीए/एम.टेक /पीएच.डी नये पाठ्यक्रमों का आरंभ करना।
- वार्षिक संगोष्ठी, कार्यशाला और सम्मेलनों का आयोजन करना।

विभाग

१	प्रमुख का नाम	**श्री सुशांत कुमार**, व्याख्याता (संविदा) तथा विभाग प्रभारी
२	संपर्क विवरण	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा ई-मेल : kumar333sushant@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्यों और उनकी योग्यतायें	१. श्री सुशांत कुमार , एम.एससी (सीएस), एम.टेक (सीएसइ), जीएटीइ, यूजीसी-नेट, व्याख्याता (संविदा) तथा विभाग प्रभारी २. श्री पतितपाबन रथ, एमसीए, एम.टेक ,(सीएसइ) व्याख्याता (संविदा) ३. श्री संतोष कुमार रथ, बे.टेक (कं.वि) एमटेक (सीएसइ), व्याख्याता (संविदा) ४. श्री संदीप कुमार साहु, एमएससी (सीएस), एमटेक (सीएसई), व्याख्याता (संविदा)
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम :	बीसीए (तीन वर्ष)

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- ग्रीष्म २०१८ के दौरान बीसीए (दोनों सेमेस्टरों) के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिलया गया है

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ

जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग

जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग अध्ययन एवं समझने के लिए देश के भीतर तथा बाहर लाखों छात्रों के लिए प्रवेश द्वार खोल दिया है और जैव विविधता के गूढ़ रहस्य को समझने के लिए एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आउटपुट प्रदान करती है। ओड़िशा एक समृद्ध एवं यहाँ जैवविविधता के साथ विभिन्न अनुसंधान के लिए अपार क्षमता है।

उद्देश्य

- कोरापुट एवं राज्य के निकटस्थ जिलों के जैव विविधता का अध्ययन करना,
- जैव विविधता क्षेत्र का मैपिंग करना एवं खतरे एवं स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के लिए उपाय सुझाना ,
- कोरापुट के आस-पास इलाके वनों की कार्बन जब्ती क्षमता की निगरानी करना,
- इस क्षेत्र की मौजूदा वनस्पतियों और जीव से कैरोटीन जैसे जैवसक्रिय पदार्थ निकालना और आजीविका उन्नयन कार्यक्रमों के साथ जोड़ना
- इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए तटीय समुदायों के लिए मछली खाद्य को विकसित करना,
- जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षारोपर्ण कार्यक्रम आरंभ करना।

यह विभाग जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण (बीसीएनआर) में मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। पाठ्यक्रम विकास सलाहाकार समिति ने मास्टर कार्यक्रम के लिए एक अभिनव और रचनात्मक आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम संरचना निकला है। शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से विभाग में अनुसंधान कार्यक्रम (एम.फील तथा पीएच.डी.) का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ

विभाग

१	विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता का नाम	**डॉ. शरत कुमार पलिता**, प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य, डीबीसीएनआर एंव अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ
२	संपर्क विवरण	जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट, लांडिगुडा, कोरापुट-७६४०२१, ओड़िशा ई-मेल: skpalita@gmail.com, skpalita@cuo.ac.in, दूरभाष : (०६८५२) २८८२२१, ओड़िशा
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. शरत कुमार पलिता, एम.एससी., पीएच.डी.,प्रोफेसर तथा विभागीय मुख्य तथा अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर २. डॉ. काकोली बानार्जी, एम.एससी.,पीएच. डी., सहायक प्रोफेसर ३. डॉ. देवब्रत पंडा, एम.एससी., एम.फील, पीएच.डी., सीएसआईआर/यूजीसी-नेट, सहायक प्रोफेसर,

४. विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम: जैव विविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी. (दो वर्ष), एम.फील, और पीएच.डी.

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- श्री सुब्रत कुमार देबता को प्रो. शरत कुमार पालित के मार्गदर्शन में पीएचडी की उपाधि मिली। श्री एस. देबता इस विभाग के प्रथम विद्यार्थी हैं जिसको पीएचडी की डिगी मिली और उनकी पीएचडी का शीर्षक था ओड़िशा में पूर्वी घाट के साथ चमगादड की विविधता और वितरण : एक बायोग्राफिकल दृष्टिकोण।
- एमफील कार्यक्रम के नौ विद्यार्थी को उनकी एमफील उपाधि मिली वे हैं सुश्री आइनी लातिफ, श्री अभिसर दास और श्री क्रांति तितिक्षा सामल जो प्रो. शरत कुमार पालिक के मार्गदर्शन में कर रहे थे, सुश्री गोपा मिश्रा, सुश्री चित्रांगदा देवशर्मा और श्री निहार रंजन साहु जो अपनी एमफील डिग्री डॉ. डी.के. बनर्जी, सहायक प्रोफेसर और श्री विश्वजित मोहांति, सुश्री लोपामुद्रा मंडल और सुश्री मेघाली विश्वास डॉ. डी. पंडा, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में अपनी एमफील डिग्री पाठ्यक्रम में थे।
- सुश्री सुधीर जेना, एमफील विद्यार्थी ने (२०१६-१७ प्रवेश वर्ष) जून २०१९ को यूजीसी नेट परीक्षा (पर्यावरण विज्ञान में व्याख्याता) में उत्तीर्ण हुए।
- सुश्री सुधीर रंजन चौधूरी, एमफील विद्यार्थी ने (२०१४-१६ प्रवेश वर्ष) जून २०१९ को यूजीसी नेट परीक्षा (पर्यावरण विज्ञान में जेआरएफ) में उत्तीर्ण हुए।
- सुश्री प्रफुल्ल कुमार बेहेरा, एमफील विद्यार्थी ने (२०१६-१७ प्रवेश वर्ष) और सुश्री ज्योतिप्रिया सामंतराय, एमएससी. (२०१५-२०१७ प्रवेश वर्ष) जून २०१९ को आयोजित जीएटीई परीक्षा जीव विज्ञान में में उत्तीर्ण हुए।
- सत्र २०१८-१९ के दौरान अठाराह छात्रों ने अपनी मास्टर डिग्री पूरी की है। सुश्री एन.हेमा सैलजा सर्वोच्च स्थान पर रही और उनको स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है।
- सत्र २०१८-१९ के दौरान सुश्री आइनी लातिफ और सुश्री आयुस्मिता नायक ने पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश ली और एन.हेमा सैलजा, रूपालि पाणिग्राही, चंदन कुमार साहु और आलोक कुमार नायक ने एमफील. पाठ्यक्रम में दाखिले हुए हैं।
- श्री अनिर्वाण महता, पीएचडी विद्यार्थी ने नाइजर, भुवनेश्वर में दिनांक १७ एवं १८ नवम्बर २०१८ को आयोजित २०वें ओड़िशा विज्ञान ओ परिवेश कांग्रेस में भाग लिया और 9भारत के दक्षिणी ओड़िशा के कोरापुट जिले में जलीय अवीफुना का सीजनिटी और हैबिटेट प्रदर्शन" पर एक व्याख्यान प्रदान किया।
- श्री अनिर्वाण महता, शोध छात्र ने दिनांक २२-२३ दिसम्बर २०१८ को जिओलोजिकॉल सोसाइटी ऑफ ओड़िशा, स्नातकोत्तर प्राणी विज्ञान विभाग, (उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर) के सहयोग से प्राणी विज्ञान विभाग, प्राणनाथ महाविद्यालय (स्वंयशासी),खोरधा द्वारा आयोजित 9जलवायु परिवर्तन और प्राणियों के भविष्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मौखिक प्रस्तुति प्रदान किया।
- सुश्री सुप्रिया सुरचिता, शोध छात्र ने दिनांक ०१-०२ अप्रैल २०१८ को सेंचुरिएन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलोजी एंड मैनेजमेंट, ओड़िशा में सतत विकास और पर्यावरण प्रबंधन के लिए जैवविविधता संरक्षण (बीसीएसडीएम-२०१८) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओड़िशा के कोरापुट की कुछ चुनिंदा हिल स्ट्रिम में पहाड़ी स्ट्रिम मछलियों की विविधता शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत की।
- सुश्री सुप्रिया सुचरिता ने दिनांक १३-१४ अक्तूबर २०१८ को इंदिरा गांधी जिओलोजिकॉल पार्क, विशाखापटन में प्रथम पूर्वी घाट इचथाईलोजिस्ट बैठक (इजीआईएम-२०१८) में 9भारत के दक्षिण ओड़िशा के पूर्वी घाटों में कोरापुट जिले की कोलाब नदी में इचीथाइओफोनल विविधता के प्रारंभिक अध्ययन" शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री सुप्रिया सुचरिता, शोध छात्रा ने दिनांक २७-२८ नवम्बर के दौरान आईआईएसडब्ल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढ़ा, ओड़िशा में *जलवायु परिर्वन के प्रभाव और शमन के उपाय (सीसीआईएमएम-२०१९)* पर आयोजित कार्यशाला में भाग ली।
- सुश्री सुप्रिया सुचरिता, शोध छात्रा ने आईआईएसडब्ल्सूसी, अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढ़ा, ओड़िशा में दिनांक ०६-०८ फरवरी को *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण पर प्रथम कृषक बैठक-२०१९* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कोरपुट के प्राकृतिक जल निकायों की सजावटी मछलियों की विविधता और स्वदेशी लोगों के आजीविका के अवसर" शीर्षक पर एक शोध आलेख प्रस्तुत किया।
- सुश्री अर्चना स्नेहाशिष तुरूक, शोध छात्रा ने दिनांक ०६-०८ फरवरी २०१९ को आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्यूसी रिसर्च सेंटर, सुनाबेढ़ा में *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण पर प्रथम कृषक बैठक-२०१९* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन के परिवर्तन युग में खाद्य सुरक्षा के लिए समुद्री शेवाल शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- सुश्री अर्चना स्नेहाशिष तुरूक, शोध छात्रा ने दिनांक २६ फरवरी ०२ मार्च २०१९ को आईआईटी, खडगपुर में *जलवायु परिवर्तन प्रभाव, कमजोरियाँ और अनुकूल : भारत और पड़ोस देशों में महत्व (सीसीसआईवीए -२०१९)* शीर्षक पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम में संभावित खाद्य स्रोत के रूप में समुद्री शैवाल शीर्षक पर एक आलेख प्रस्तुत की।
- श्री आइनी लातिफ, शोध छात्र ने दिनांक १७-१८ नवम्बर २०१८ को नाइजर, भुवनेश्वर में आयोजित २०वें ओड़िशा विज्ञान पिरवेश कांग्रेस में भाग लिया और सारंदा वन प्रभाग, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड में मानव और जीवजंतु संघर्ष पर एक आलेख प्रस्तुत किया।
- श्री आइनी लातिफ, शोध छात्र ने दिनांक ०६-०८ फरवरी २०१९ (एफएनफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) को आईआईएसडब्ल्यूसी रिसर्च सेंटर, सुनाबेढा, कोरापुट, ओड़िश में दिनांक ०६-०८ फरवरी २०१९ को आईसीएआर-आईआईएसडब्ल्यूसी रिसर्च सेंटर, सुनाबेढ़ा में *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण पर प्रथम कृषक बैठक-२०१९* पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 9सारंडा वन प्रभाग, पश्चिम सिंहभूम, झारखंड में वन्य प्राणी और पारम्परिक परिवर्तन रणनीतियाँ द्वारा क्षतिग्रस्त फसलों पर अध्ययन" शीर्षक पर एक पोस्अर प्रदर्शन किया।
- सुश्री आयुस्मिता नायक, पीएचडी छात्रा ने दिनांक १७-१८ नवम्बर २०१८ को नाइजर, भुवनेश्वर में आयोजित २०वें ओड़िशं ओ विज्ञान परिवेशं कांग्रेस सम्मेलन में भाग लिया।
- सुश्री आयुस्मिता नायक, पीएचडी छात्रा ने दिनांक २२-२३ दिसम्बर २०१८ को जिओलोजिकॉल सोसाइटी ऑफ ओड़िशा, स्नातकोत्तर प्राणी विज्ञान विभाग, (उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर) के सहयोग से प्राणी विज्ञान विभाग, प्राणनाथ महाविद्यालय (स्वंयशासी),खोरधा द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और प्राणियों के भविष्य" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ।
- सुश्री आयुस्मिता नायक, शोध छात्रा ने आईआईएसडब्ल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में दिनांक ०६-०८ फरवरी २०१९ को फार्मरस फास्ट फॉर कनजरवेटिंग सएल एंड वाटर रिसोर्सेस इन इस्टन रिजन (एफएफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) पर आयोजित तकनीकी कार्यक्रम में *9दक्षिण ओड़िशा, कोरापुट के विभिन्न क्षेत्रों में मृदा के प्रकार तथा केंचुआ की विविधताओं से संबंधित प्रारंभिक कार्य"* शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया_
- श्री अलोक कुमार नायक, एमफील छात्र ने दिनांक १३-१४ अक्तूवर २०१८ को इंदिरा गांधी जीओलोजिकॉल पार्क , विशाखापट्नम में आयोजित प्रथम पूर्वी घाटी इचीथाईओलोजिस्ट बैठक (ईजीआईएम-२०१८) में *9कोरापुट, दक्षिण ओडिश़ा, भारत के दो मीठाजल मछलियाँ (*Cirrhinus mrigala Deewj Notopterus notopterus*) के प्रारंभिक विश्लेषण और प्रोटीन की रूपरेखा"* शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया_

- श्री अलोक कुमार नायक, एमफील छात्र ने दिनांक २७-२८ नवम्बर २०१८ को आईआईएसब्डल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में आयोजित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन के उपाय *(CCIMM-२०१९)* शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया
- श्री अलोक कुमार नायक, एमफील छात्र ने आईआईएसब्डल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में दिनांक ६-८ फरवरी २०१९ फरमर्स फास्ट फॉर कनजरर्विंग एसल एंड वाटर रिसर्स इन इस्टन रिजन -२०१९ (एफएफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया को
- सुश्री एन. हेमा सैलजा, एम.फील छात्रा ने दिनांक २७-२८ नवम्बर २०१८ को आईआईएसब्डल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में आयोजित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन के उपाय *(CCIMM-२०१९)* शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में भाग ली
- सुश्री एन. हेमा सैलजा, एम.फील छात्रा ने दिनांक २३ -२४ दिसम्बर २०१८ को आयोजित सतत विकास और स्वच्छ पर्यावरण के लिए संयंत्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और बोटनी विभाग, स्कूल ऑफ एप्लाइड साइंस सेंटूरियन यूनिवर्सिटी ऑफ.एप्लाइड साइंस सेंटूरियन यूनिवर्सिटी ऑफ.टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित उडीसा वनस्पति विभाग के 43 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया
- सुश्री एन. हेमा सैलजा, एम.फील छात्रा ने दिनांक ६-८ फरवरी २०१९ फरमर्स फास्ट फॉर कनजरर्विंग एसल एंड वाटर रिसर्स इन इस्टन रिजन -२०१९ (एफएफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया और कोरापुट के विभिन्न बाजरा में पोषण और भौतिक-कार्यात्मक गुणों पर एसोसिएटेड परिवर्तन शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत की
- सुश्रा रुपाली पाणिग्राही, एम.फील छात्रा ने दिनांक २७-२८ नवम्बर २०१८ को आईआईएसब्डल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में आयोजित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन के उपाय *(CCIMM-२०१९)* शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में भाग ली
- सुश्री रुपाली पाणिग्राही, एम.फील छात्रा ने दिनांक ६-८ फरवरी २०१९ फरमर्स फास्ट फॉर कनजरर्विंग एसल एंड वाटर रिसर्स इन इस्टन रिजन -२०१९ (एफएफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया और माइक्रो-चीरोपोट्रान चमगादडों की गुआनो: जैविक खेती के लिए संभावित खाद 9शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत की
- श्री प्रफुल्ल कुमार बेहेरा, जुनियर रिसर्च फेलो ने दिनांक २७-२८ नवम्बर २०१८ को आईआईएसब्डल्यूसी अनुसंधान केंद्र, सुनाबेढा, ओड़िशा में आयोजित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और शमन के उपाय *(CCIMM-२०१९)* शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया
- श्री प्रफुल्ल कुमार बेहेरा, जुनियर रिसर्च फेलो ने दिनांक ६-८ फरवरी २०१९ फरमर्स फास्ट फॉर कनजरर्विंग एसल एंड वाटर रिसर्स इन इस्टन रिजन -२०१९ (एफएफसीएसडब्ल्यूआर-२०१९) पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया और क्रोमियम के तहत जंगली चावल की वृद्धि और फाइटमेडिमेडिएशन क्षमता शीर्षक पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।
- प्रो. ए.सी. नारायण, हैदराबाद विश्वविद्यालय, प्रो. निरंजन बेहेरा, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस, संबलपुर विश्वविद्यालय, बुर्ला, ओडिशा, डॉ.अनुपम सरकार, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, एनआईओ, गोवा और डॉ.पार्थ प्रतिम आदिक्री, सीनियर साइंटिस्ट, आईसीएआर -इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉयल एंड वॉटर कंजर्वेशन, कोरापुट सेंटर विजिटिंग प्रोफेसरों के रूप में आए थे।
- एसीएस कॉलेज, महाराष्ट्र से डॉ. अनिल कुरे; एनआरएससी हैदराबाद से डॉ. सुधाकर रेड्डी; प्रो. मनोरंजन कर, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय; प्रो. संजात कुमार साहू, प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, संबलपुर विश्वविद्यालय; प्रो.एम. के. सतपथी, प्रोफेसर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डीईएसएम), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भुवनेश्वर; डॉ. अरूप कुमार मुखर्जी, एनआरआरआई, कटक; प्रो. सुशांत कुमार चक्रवर्ती, प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल; प्रो. सी.एस. के. मिश्रा, प्राध्यापक, प्राणि विज्ञान विभाग, ओयूएटी, भुवनेश्वर; डॉ. गुणनिधि साहू, रीडर, प्राणि विज्ञान, उत्कल विश्वविद्यालय; प्रो. एस.आर. दास, एमेरिटस प्रोफेसर, ओयूएटी, भुवनेश्वर ने विभिन्न उद्देश्यों के लिए २०१८-१९ के दौरान हमारे विभाग का दौरा किया और व्याख्यान दिया और छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के साथ ज्ञान साझा किया।
- हैदराबाद विश्वविद्यालय से प्रो. ए. सी. नारायण और संबलपुर विश्वविद्यालय से प्रो. निरंजन बेहेरा ने बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक और पी.जी., एम.फिल और पीएच.डी. के पाठ्यक्रम की तैयारी के सदस्यों के रूप में २०१८-१९ के दौरान विभाग का दौरा किया।
- नवंबर 2018 के दौरान पीजी छात्रों (दोनों सेमेस्टर) के लिए फील्ड स्टडी को कोरापुट के दो पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर व्यवस्थित किया गया था, यानी नंदपुर टाउन के पास रानी दुदुमा झरने और पोट्टंगी के पास गलिगाबर झरना आदि।
- बीसीएनआर के छात्रों (दोनों सेमेस्टर) के लिए एक तीन दिवसीय फील्ड टूर का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम और उसके आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। छात्रों ने मार्च 2019 के दौरान विशाखापट्टनम में समुद्री तट, जैव विविधता पार्क और इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान के साथ-साथ अराकू घाटी और बोरा गुफाओं का दौरा किया।
- **जैव विविधता के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का अवलोकन**: विभाग ने २२ मई २०१८ को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर जैव विविधता संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जो धरती माता के सामने मौजूद सबसे अधिक दबाव वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करे। अर्थात प्रजातियों का विलुप्त होना, प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति, अनिश्चित जलवायु स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों की कमी।
- अनुसंधान विद्वानों द्वारा तैयार एक जैव विविधता वृत्तचित्र फिल्म कोरापुट: द रूटेड पैराडाइज" को इस अवसर पर प्रदर्शित किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने जैव विविधता फोटो प्रदर्शनी और वॉल मैगजीन" बायोम के दूसरे अंक का उद्घाटन किया।
- **वन्यजीव सप्ताह का आयोजन**: वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के स्कूल द्वारा दो दिनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वन्यजीवों के महत्व और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के संबंध में कोरापुट शहर के नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, दिनांक ४ अक्टूबर २०१८ को संकाय और छात्रों द्वारा जागरूकता वॉक" का कुलपति प्रोफेसर सचिदानंद मोहंती द्वारा किया गया था, जिसने इसका नेतृत्व लिया। जनजातीय संग्रहालय, कोरापुट में आयोजित वन्यजीवों के महत्व, उनके खतरों और संरक्षण: समय की आवश्यकता" विषय पर एक संगोष्ठी हुई।
- बीसीएनआर के छात्रों द्वारा 5५ अक्टूबर २०१९ को मुख्य परिसर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जो सीयूओ बिरादरी के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए जिसमें संकाय और छात्रों ने बडी संख्या में भाग लिया ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रो. शरत कुमार पलिता

- दिनांक २८ फरवरी २०१९ को निवर्तमान कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहंती से कुलपति (प्रभारी) का पदभार ग्रहण किया।
- भुवनेश्वर में दिनांक १९ मार्च २०१९ को उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय की १७ वें अकादमिक परिषद की बैठक की अध्यक्षता कुलपति (प्रभारी) के रुप में की।
- नई दिल्ली में दिनांक २६ नवंबर, २०१८ को आयोजित ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की २६ वीं कार्यकारी परिषद की बैठक में सदस्य के रूप मे भाग लिया।

- भुवनेश्वर में आयोजित 10 फरवरी, 2019 को उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय की २७7 वीं कार्यकारी परिषद की बैह्वक में में भाग लिया।
- भुवनेश्वर में दिनांक ४ जून २०१८8 को आयोजित एक सदस्य के रूप में उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय की भवन निर्माण समिति की बैह्वक में भाग लिया।
- इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट *IASWC*) द्वारा आयोजित " पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (*FFCSWR-२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" पर एक मुख्य भाषण दिया। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (*IASWC*) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ।
- जैव विविधता और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *(ICBSDSF)* में जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और भविष्य के लिए रणनीतियाँ 9पर एक मुख्य भाषण दिया: एन सी. ऑटोनॉमस कॉलेज, जाजपुर, ओडिशा, भारत द्वारा 29-30 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया था।
- 03 जनवरी 2019 को पट्टामुंडई कॉलेज, पट्टामुंदई, केंद्रापडा, ओडिशा में आईक्यूएसी सेमिनार में एक आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में 9तटीय पर्यावरण के संरक्षण के लिए मैंग्रोव इकोसिस्टम के संरक्षण" विषय पर एक भाषण दिया।
- दिनांक 21-22 दिसंबर २०१८ को पी.एन. ऑटोनोमस कॉलेज, खुर्दा में पी.एन. ऑटोनॉमस कॉलेज, खुर्दा, पी.जी. प्राणी विज्ञान, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और उडीसा के प्राणी विज्ञान विभाग, द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और पशुओं के भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और गुप्तेश्वर, दक्षिणी ओडिशा के पूर्वी घाटों में जलवायु परिवर्तन और संरक्षण विविधता पर एक वार्ता प्रदान किया ।
- दिनांक 19 सितंबर २०१८ को कोरापुट के दयानिधिगुडा में, आईसीएफआर-सीआईएफए और प्रगति, कोरापुअ के संयुक्त प्रयास से ताजे पानी एक्वाकल्चर पर जागरूकता कार्यक्रम के अवसर पर माननीय अतिथि थे और कोरापुट जिले के आदिवासी किसानों पर बताया।
- दिनांक 30 सितंबर २०१८ को इग्नू इंडक्शन मीटिंग में इग्नू विशेष केंद्र, कोट, कोरापुट में जनजातीय केंद्र, कोरापुट में बैचलर्स डिग्री, मास्टर डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम में प्रवेशित छात्रों को अतिथि के रूप में अभिभाषण प्रदान किया।
- दिनांक 22 अप्रैल २०१८ को डीपीएस, दमनजोडी, कोरापुट में पृथ्वी दिवस समारोह में संसाधन व्यक्ति के रूप में पृथ्वी दिवस पर एक भाषण दिया।
- इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल्स के लिए एक शोध लेख यानी जर्नल ऑफ थ्रेटडेन टैक्से (जेओटीटी), भारत की समीक्षा की।

प्रकाशन

- जैव विविधता और संरक्षण (2019) में पूर्वी घाट, भारत में चिरोपटेरन विविधता और उनके वितरण के प्रमुख निर्धारकों का शीर्षक पर शोध पत्र । प्रकाशक: स्प्रिगर नीदरलैंड २८ (८-९) : २३८५- २४०४.Page १-११. प्रिंट आईएसएसएन : ०९६०-३११५ ऑनलाइन आईएसएसएन : १५७२-९७१० (ऑनलाइन).
- पूर्वी घाट के कोंध का एथ्नोमेडिसिनल प्रैक्टिस शीर्षक पर शोध पत्र । *आदिवासी में* (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के जर्नल (SCSTRTI), भुवनेश्वर, ओड़िशा) (२०१८), ५८ (1&2): ९-१४. आईएसएसएन : २२७७-७२४५. (सह लेखकगण : के. पात्र और डी. पंडा) ।
- पूर्वी भारत के भुवनेश्वर शहर में चिरोपरतन जीवों की सूची शीर्षक पर शोध पत्र । हायती जर्नल ऑफ बायोसाइंस में (२०१८) में , २५ (३): १-७. आईएसएसएन : १९७८-३०१९. डीओआई :१०.४३०८.पं.२५.३.१ (सह लेखक : एस. देबता) ।
- पूर्वी घाट, भारत के साथ दक्षिणी ओडिशा के चमगादड.(ममलिया: चिरोपटेरा) शीर्षक पर शोधपत्र , जूलॉजिकल सोसाइटी (२०१८) की कार्यवाही। प्रकाशक: स्प्रिगर नीदरलैंड (२०१८). **पृष्ठ** : १-१०. ०९७४-६९१९ (ऑनलाइन) डीओआई : १०.१००७/१२५९५-०१८-०२७२-० (https://link.springer.com/article/ १०.१००७/ १२५९५-०१८-०२७२-०) (सह लेखक : एस. देबता) ।
- दक्षिणी ओडिशा, भारत के पूर्वी घाटों के कृषि प्रधान बागानों में तितली विविधता शीर्षक पर शोधपत्र ", एग्रोफरेस्ट सिस्टम में, १-१६. डीओआई : १०.१००७/१०४५७-०१८-०२५८-y. प्रकाशक: स्प्रिगर नीदरलैंड, प्रींट आईएसएसएन ०१६७-४३६६; ऑनलाइन आईएसएसएन १५७२-९६८०. (https://doi.org/१०.१००७/१०४५७-०१८-०२५८-y). (सह लेखकगण : ए. महता और के. टी.सामल) ।
- मुगलर मगरमच्छ मगरमच्छ पालिसन लेसन, १८३१ (सरीसृप: मगरमच्छ: मगरमच्छ) दक्षिणी ओडिशा में गोदावरी प्रणाली की नदी सबरी में, भारत 9, संरक्षण में शीर्षक पर शोध पत्र ", इन कनवरसेसन इम्प्लिकेशनस, जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टाक्सा (२०१८), १० (६): ११७७०-११७७४. डीओआई : http://dx.doi.org/ १०.११६०९/ रदू.३९७४.१०.६.११७७०-११७७४ (ऑनलाइन) (सह लेखकगण : एस. देवता, एस. पुरोहित, ए. महता और एस. जेना) ।
- दक्षिणी ओडिशा, भारत में छह पवित्र पेडों से मकडियों की एक सूची शीर्षक पर शोध पत्र। एसइआरकेइटी (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के अर्चनोलॉजिकल बुलेटिन) (२०१८), १६ (१): ३०-४०. आईएसएसएन : १११०-५०२ (सह लेखक :के. दे) ।
- 9जैव विविधता और पारंपरिक ज्ञान पूर्वी क्षेत्र में संरक्षण के लिए शीर्षक पर पुस्तक का अध्याय ।", पीपी. ८३-९१. में : रिसर्स कनजेरवेशन इन इस्टन रिजन (२०१९). संपादकगण : पी.पी. अधिकारी, डी.सी. साहु, पी. झाकर, सी.जे. दाश, के.बीर, एच.सी. होमबेगोडा, जी.कुमार, डी. मंडल और एम. मधु) इंडियन एसोसीएशन ऑफ सएल एंड वाटर कनजरवेशनिष्ट, डेराडून, उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित, इइएँ-२०१९ प्रमुख पत्र., २३७ पी., फरवरी ६-८, २०१९. आईएसबीएन : ९७८-९३-५५५१-०५२-७ ।
- जल संसाधन प्रबंधन में 9जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता" नामक पुस्तक अध्याय: समस्याएँ और संभावनाएँ (२०१९). (संपादकगण) कल्पना कटेजा, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली. आईएसबीएन : ९७८८१३१६०९९०३ (सह लेखक : डी. पंडा) ।
- ओडिशा के पूर्वी घाट, भारत में चमगादडों (चिरोपटेरा: ममलिया) की जैव विविधता शीर्षक सम्मेलन का आयोजन: एक पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य शीर्षक पर सम्मेलन के कार्यवृत्त।", जर्नल ऑफ बायोडायवरसीटी मैनेजमेंअ एंड फरेस्टी में (२०१९). ८: ३७. जैव विविधता एवं पारिस्थितिक रेस्टोरेशन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में, मई १५-१६, २०१९. ब्रुसेल, बेलिजियम।
- पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए त् पारंपरिक ज्ञान का शीर्षक सम्मेलन का कार्यवृत्त , पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (FFCSWR- *२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (IASWC) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ हुआ था। आईएसबीएन ।
- सम्मेलन का शीर्षक सारंडा वन प्रभाग, पश्चिमी सिंहभूम, झारखंड में जंगली जानवरों और पारंपरिक मितव्ययिता रणनीतियों द्वारा फसल क्षति पर अध्ययन, पत्रों का सार संग्रह । इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट IASWC) द्वारा आयोजित" पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन" (*FFCSWR-२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (IASWC) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ १०७-१-८. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखक : A. Latif) ।
- माइक्रो-चीरोपोटेरान चमगादड.के ण्दहीाहम गुआनो: जैविक खेती के लिए संभावित खाद 9शीर्षक के सम्मेलन का कार्यवृत्त। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट(IASWC) द्वारा आयोजित " पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (*FFCSWR-*

२०१९) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। ०६-०८, २०१९ फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (IASWC) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ १०६. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखक : आर. पाणिग्राही) ।

- कोरापुट, ओडिशा के प्राकृतिक जल निकायों की स्वदेशी मछलियों की विविधता और स्वदेशी लोगों के लिए आजीविका के अवसरों का शीर्षक, सम्मेलन का कार्यवृत्त। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट(*IASWC*) द्वारा आयोजित " पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (*FFCSWR-२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (*IASWC*) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ १०४-१०५. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखक : एस. सुचरिता) ।
- कोरापुट, दक्षिणी ओडिशा, भारत के विभिन्न स्थलों में मिट्टी के प्रकार के संबंध में केंचुआ विविधता के प्रारंभिक अध्ययन का शीर्षक सारांश । इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट(*IASWC*) द्वारा आयोजित " पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (*FFCSWR-२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (*IASWC*) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ ९६-९७. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखकगण : ए. नायक और सी. महांत) ।
- सम्मेलन का शीर्षक एग्रोफरेस्टी में तितली की भूमिका (लेपिडोप्टेरा: रोडालोसेरा) संरक्षण: दक्षिणी ओडिशा के पूर्वी घाट में एक पायलट अध्ययन, भारत 9, पत्रों का सार संग्रह । इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट(IASWC) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन (*FFCSWR-२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (IASWC) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ ९२-९३. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखकगण : एस. महात और के.टी. सामल) ।
- सम्मेलन का शीर्षक -एग्रो-इकोसिस्टम में पक्षी: मित्र या शत्रु ?, संग्रह का सार । इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट(*IASWC*) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहला सम्मेलन " (FFCSWR-*२०१९*) में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्वी क्षेत्र में जैव विविधता के संरक्षण के लिए पारंपरिक ज्ञान" में। *०६-०८, २०१९* फरवरी, 2019 को आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशन (*IASWC*) रिसर्च सेंटर, कोरापुट, ओडिशा में आयोजित हुआ। पृष्ठ ९०-९१. आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५ (सह लेखक : एस. पुरोहित) ।
- अत्रि, खुर्दा, ओडिशा के गर्म पानी के झरने में जूप्लांकटन की विविधता पर अध्ययन का शीर्षक पर सम्मेलन के कार्यवृत्त है। जैव विविधता और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *(*ICBSDSF*)* में जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और भविष्य के लिए रणनीतियाँ 9पर था और एन सी. ऑटोनॉमस कॉलेज, जाजपुर, ओडिशा, भारत द्वारा 29-30 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया था। पृष्ठ संख्या १३९. आईएसबीएन : ९-७८९३५३-४६८७८१ (सह लेखक : ए . दास) ।
- अत्रि, खुर्दा, ओडिशा के गर्म पानी के झरने में जूप्लांकटन की विविधता पर अध्ययन का शीर्षक पर सम्मेलन के कार्यवृत्त है। जैव विविधता और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *(ICBSDSF)* में जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और भविष्य के लिए रणनीतियाँ 9पर था और एन सी. ऑटोनॉमस कॉलेज, जाजपुर, ओडिशा, भारत द्वारा 29-30 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया था। पृष्ठ संख्या १३६-१३७. आईएसबीएन : ९-७८९३५३-४६८७८१ (सह लेखक : एम. दास) ।
- जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और भविष्य के लिए रणनीतियाँ शीर्षक पर सम्मेलन के कार्यवृत्त ।जैव विविधता और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन *(ICBSDSF)* में जैव विविधता संरक्षण, सतत विकास और भविष्य के लिए रणनीतियाँ पर था और एन सी. ऑटोनॉमस कॉलेज, जाजपुर, ओडिशा, भारत द्वारा 29-30 जनवरी 2019 को आयोजित किया गया था। पृष्ठ संख्या १२५. आईएसबीएन : ९-७८९३५३-४६८७८१ ।

डॉ. काकोली बानार्जी

- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में २६ नवंबर से १५5 दिसंबर, २०१८8 तक पर्यावरण और आपदा प्रबंधन पर यूजीसी द्वारा प्रायोजित 21-दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।
- वर्ष २०१८-१९ के लिए उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के पाठ्यक्रम विकास समिति, विभागीय अनुसंधान समिति और जैव विविधता विभाग और प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण विभाग के अध्ययन मंडल के सदस्य ।
- अवधि के दौरान 03 एम.फिल विद्यार्थियों के शोध निबंध (०३ पुरस्कृत) और 02 पीएचडी (थीसिस प्रस्तुत) का मार्गदर्शन किया।
- भुवनेश्वर में दिनांक 19 मार्च 2019 को उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा की १७वीं अकादमिक परिषद की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- दिनांक ४ नवम्बर २०१८ को बागवानी प्रभाग, ओडिशा सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी प्रतियोगिता में न्यायाधीश के रूप में आमंत्रित किया गया।
- दिनांक ४ नवम्बर २०१८ को विक्रम देव स्वायत्त महाविद्यालय, वब्न्दी में सामाजिक शैक्षिक पर्यावरण कल्याण संघ (एसइइडब्ल्यूए), जयपुर द्वारा आयोजित ±२ छात्रों के लिए कृषि में इलेक्ट्रिक कैरियर परामर्श में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- दिनांक ५ दिसम्बर २०१८ उप-निदेशक, कृषि विभाग, ओड़िशा सरकार के कार्यालय द्वारा आयोजित जयपुर में विश्व मृदा दिवस पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। 5ोडिशा के।
- इंटरनेशनल जर्नल्स जैसे वेटलैंड इकोलॉजी एंड मैनेजमेंट, इकोटॉक्सीकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल सेफ्टी एंड जर्नल ऑफ एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड कार्बन क्रेडिट्स (एसटीएम पत्रिकाओं) में दो शोध पत्रों की समीक्षा की।
- वर्ष २०१८-१९ के दौरान एक्ट साइंटा जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य है ।

प्रकाशन

- ताजे पानी के झींगे का तुलनात्मक विश्लेषण मैक्रोब्रैच रोसेनबर्गि देसी घास की प्रजातियों का उपयोग करके खिलाएं शीर्षक पर शोध निबंध, *इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ इमरजींग टेक्नोलोजी एंड एडवांसड इंजीनियरिंग में,* यूजीसी अनुमोदित, आईएसओ ९००१:२००८ द्वारा प्रमाणित पत्रिका (२०१८), ८(१):२७०-२७८. आईएसएसएन: २२५०-२४५९ (ऑनलाइन) (सहायक लेखकगण : रुबि और जी. आर. खेमुंडु) ।
- भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य (बीडब्ल्यूएलएस), ओडिशा के मैंग्रोव प्रजाति में कुल बायोमास और कार्बन का अनुमान शीर्षक पर शोध निबंध,इंटरनेशनॉल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवारोनमेंट (आईजेपीई) में , यूजीसी द्वारा अनुमोदित (२०१८), ४(२): २७-३४, आईएसएसएन संख्या : २४५४-१११७ (सहायक लेखकगण : गोबिंद बल और राकेश पाउल) ।
- मिट्टी कार्बनिक कार्बन (एसओसी): मानवजनित और प्राकृतिक तनाव की डिग्री का आकलन करने के लिए एक छद्म शीर्षक पर शोध निबंध, दॉ जर्नल ऑफ इंटरपेटेड स्टडीज में, अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, (२०१९), २:९०-१०२. आईएसएसएन संख्या : २५४३-०१४९. (सहायक लेखकगण : डी. दत्ता, ए. अगरवाला और ए. मित्रा) ।

- *एक्वाकल्चर में मैक्रोब्रैच रोजेनबर्गि* की खेती के लिए संयंत्र स्रोतों से स्वदेशी रूप से उपलब्ध सामग्री के साथ मछुआरों का कुल प्रतिस्थापन शीर्षक पर शोध निबंध, (२०१९), ५१२: ७३४२७७. आईएसएसएन संख्या: ००४४-८४८६. (सहायक लेखक : जी. आर. खेमुंडु) ।
- पर्यावरण और पारिस्थितिक स्थिरता में कोरापुट, ओडिशा की चयनित घास प्रजातियों की पोषक सामग्री की द्विमौसमी विविधता का शीर्षक, सम्मेलन आगे बढ़ रहा है शीर्षक के सम्मेलन के कार्यवृत्त। (संपादकगण : रूपानी बी, भाष्कर एस, साहु एस और कापुर एनएस) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित (२०१८), ८३-८६. आईएसबीएन : ९७८-९३ ८-७९-६०९४-७. (सहायक लेखकगण: रूबी, और जी. आर. खेमुंडु) ।
- जलवायु परिवर्तन के बदलते युग में खाद्य सुरक्षा के लिए समुद्री शैवाल शीर्षक के सम्मेलन के कार्यवृत्त, *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए किसानों में प्रथम*। (संपादकगण : पी.पी. अधिकारी, डी.सी. साहु, पी. झाकर, सी.जे. दाश, के.बीर, एच.सी. होमबेगोडा, जी.कुमार, डी. मंडल और एम. मधु) इंडियन एसोसीएशन ऑफ सएल एंड वाटर कनजरवेशनिष्ट, डेराडून, उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित ।(२०१९), ९४-९५, आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५. (सहायक लेखकगण : ए. एस. तुरुक) ।
- मैंग्रोव विविधता पर तलछट विशेषताओं का प्रभाव शीर्षक के सम्मेलन के कार्यवृत्त, *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए किसानों में प्रथम*। (संपादकगण : पी.पी. अधिकारी, डी.सी. साहु, पी. झाकर, सी.जे. दाश, के.बीर, एच.सी. होमबेगोडा, जी.कुमार, डी. मंडल और एम. मधु) इंडियन एसोसीएशन ऑफ सएल एंड वाटर कनजरवेशनिष्ट, डेराडून, उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित (२०१९), १०९, आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५. (सहायक लेखकगण : जी.बल) ।
- ओडिशा के महानदी डेल्टा मैंग्रोव वेटलैंड पर पानी और मिट्टी के भौतिक-रासायनिक मापदंडों के प्रभाव के कारण शीर्षक के सम्मेलन के कार्यवृत्त, *पूर्वी क्षेत्र में मृदा और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए किसानों में प्रथम*। (संपादकगण : पी.पी. अधिकारी, डी.सी. साहु, पी. झाकर, सी.जे. दाश, के.बीर, एच.सी. होमबेगोडा, जी.कुमार, डी. मंडल और एम. मधु) इंडियन एसोसीएशन ऑफ सएल एंड वाटर कनजरवेशनिष्ट, डेराडून, उत्तराखंड द्वारा प्रकाशित (२०१९), ११०, आईएसबीएन : ९७८-९३-५३५१-००१-५. (सहायक लेखक : के. मल्लिक) ।

अनुसंधान परियोजना

१. जुलाई २०१५- मार्च २०१९ तक १४.५९ लाख राशि के लिए एनआरएससी, हैदराबाद द्वारा वित्तपोषित इसरो जिओस्फेयर बायोस्फीयर प्रोग्राम (आईजीबीपी)-की उप परियोजना-राष्ट्रीय कार्बन परियोजना (एनसीपी) के तहत वेजेटेशन कार्बन पुल निर्धारण के तहत वेजेटेशन और बायोमॉस मापदंडों के परिमापन शीर्षक के मुख्य परियोजना अन्वेषक के रूप में एक परियोजना पूरी की गई।

२. वर्तमान में भारत सरकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) की परियोजना (२०१६-१९) सरकार द्वारा वित्त पोषित एक चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक (पीआई) हैं।।

डॉ. देवब्रत पंडा

- दिनांक 22-23 फरवरी, 2019 को बेरहमपुर विश्वविद्यालय, बरहमपुर में जैव विविधता, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में नवीन सम्मेलन और उभरते रुझान के लिए 9जलवायु परिवर्तन के लिए ओडिशा के जयपुर पथ के पारंपरिक चावल के भूभाग की आनुवंशिक क्षमता" नामक एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया और भाग लिया।
- दिनांक ०६-०८ फरवरी, 2019 के दौरान मृदा और जल संसाधन, सनबेडा, ओडिशा के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में किसानों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 9ओडिशा के जेयपोर पथ के पारंपरिक चावल भूभाग की आनुवंशिक क्षमता" नामक शीर्षक पर एक शोध निबंध प्रस्तुत किया।
- दिनांक २३-२४ दिसंबर, २०१८ के दौरान कोरापुट से भारत के लिए स्वदेशी खाद्य संयंत्र जंगली याम (डायोस्कोरिया सपा) की क्षमता शीर्षक पर एक पेपर भुवनेश्वर, ओडिशा के, उडीसा बॉटनिकल सोसायटी के 43 वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया और भाग लिया।
- जिसका शीर्षक है अनत्दज्सहू सतत विकास के लिए शिक्षा: दिनांक ०७-०८ अगस्त २०१८को क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान (एनसीइआरटी) में परियोजना के कंसल्टेंसी मीटिंग में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, और प्राकृतिक संसाधनों के के संरक्षण पर स्वदेशी ज्ञान का प्रलेखन शीर्षक पर प्रस्तुत किया।
- भुवनेश्वर में दिनांक 19 मार्च 2019 को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय की १७वीं अकादमिक परिषद् की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- इंटरनेशनल जर्नल्स जैसे फंक्शनल प्लांट बायोलॉजी, आर्काइव्स ऑफ एग्रोनॉमी एंड सोयल साइंस और राइस साइंस में तीन शोध पत्रों की समीक्षा की।

पत्रिका में प्रकाशन

- जर्नल ऑफ क्रॉप इम्प्रूवमेंट में ओडिशा, भारत के जेपोर पथ के स्वदेशी चावल के भूभागों के बीच सूखा सहिष्णुता संबंधी मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल लक्षणों के लिए " *जीनोटाइपिक परिवर्तनशीलता* शीर्षक से शोध पत्र (२०१९). ३३(२): २५४–२७८. (टेलर्स एंड फ्रांसिस) ।सह-लेखक : एस. एस. मिश्रा और पी.के. बेहेरा और डी. पंडा (२०१९) ।
- *प्लांट फिजियोलॉजी रिपोर्ट* में शोध पत्र का शीर्षक स्वदेशी इंडिका चावल (ओरिजा सैटिवा एल।) अनैरोबिक अंकुरण क्षमता के लिए भूमि की आनुवंशिक क्षमता" । २४(२):२४९–२६१. (स्प्रिंगर). सह-लेखक : जे. बारिक, वी. कुमार, और एस.के लेंका ।
- कोरापुट, भारत के स्वदेशी बाजरा के पोषण और भौतिक-कार्यात्मक गुणों में 9अंकुरित-एसोसिएटेड परिवर्तन शीर्षक पर शोध पत्र, *ईदम्. र्नूटि. ैं. एम्., र्न्हर्ी, एन्. ग्दत. एम्.* (२०१९) पूजे://द्र.दु/१०.१००७/४००११-०१९-०१०८५- में (स्प्रिंगर). सह-लेखक : एन. सैलजा, बी. प्रधान और के. लेंका ।
- कोरापुट, भारत के चयनित सूखे सहिष्णु पारंपरिक चावल (ओरिजा सैटिवा एल।) के भूस्खलन के शारीरिक लक्षण वर्णन और भौतिक विविधता के शीर्षक पर शोध पत्र। *फिजिओलोजी एंड मोलक्युलॉर बायोलोजी ऑफ प्लांटस* (२०१८). २४(६) १०३५–१०४६. में (स्प्रिंगर). सह-लेखकगण : एस. एस. मिश्रा, पी.के. बेहेरा, वी.कुमार और डी. पंडा।
- *फिजियोलॉजी एंड मोलेकॉलॉजी ऑफ प्लांट्स* में कुछ पारंपरिक चावल (ओरिजा सैटिवा एल।) में कोरापुट, भारत में फसल सुधार के लिए भूगर्भिक विविधता, कोरापुट, भारत से भूमि का परिवर्तन शीर्षक पर शोध पत्र (२०१८). २४(५):९७३–९८३. में (स्प्रिंगर). सह-लेखकगण : ए. महाकुड, बी. मोहांति, एस.एस. मिश्रा और जे. बारिक।
- *जे फूड साइंस टेक्नॉलॉजी में* कोरापुट, भारत से खनिज खाद्य जैवउपलब्धता और स्वदेशी खाद्य संयंत्र जंगली यम (डायोस्कोरिया एसपीपी।) में भारी धातु सामग्री के मूल्यांकन का शीर्षक पर शोध पत्र। (२०१८). ५५(११):४६८१-४६८६. में (स्प्रिंगर). सह-लेखक : बी. पधान, एन.के. धल और एम. बिस्वास।
- चावल में शोध विकास, प्रकाश संश्लेषण और एंटीऑक्सीडेंट रक्षा में सुधार, फ्लाई ऐश-संशोधित मिट्टी में उगना (ओरिजा सैटिवा एल।) शीर्षक पर शोध पत्र Research *Proc. Natl. Acad. Sci., India, Sect. B Biol. Sci.* (२०१८). ८९ (३): ८५३-८६०. में (स्प्रिंगर). सह-लेखक : एल. मंडल, बी. पधान, एस. एस. मिश्रा और जे. बारिक।
- जल संसाधन प्रबंधन में जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता" नामक पुस्तक अध्याय । *वाटर रिसर्च मैनेजमेंट में (संपादक : ए. कटेजा)* (२०१९). आईएसबीएन: ९७८-८१-३१६-०९९०-३. रावत प्रकाशन, भारत, सह लेखक : एस.के. पालित।

- रेस्पॉन्स्स ऑफ राइस टू इंडिविजुअल एंड ज्वाइंट स्ट्रेस ऑफ फ्लडिंग एंड सेलिनिटी, एडवांस इन राइस रिसर्च इन एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस शीर्षक पर पुस्तक का अध्याय। इन एडवांस इन राइस रिसर्च फॉर एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस (संपादक : हांसुजमन एम, फुजिता एम, नहर के. (२०१८). आईएसबीएन : ९७८-०-१२-८१४३३२-२, (एल्सिवियर) सह-लेखकगण : आर.के. सरकार, के. चक्रवर्ती, के. चटोपाद्याय, एस. राय और ए.एम. इसमेल।
- पुस्तक अध्याय जिसका शीर्षक है, कोरपुत, भारत में बडे.पैमाने पर खपत और वर्चस्व के लिए स्वदेशी खाद्य संयंत्र जंगली यम (डायोस्कोरिया सपा) की क्षमता, भुवनेश्वर, ओडिशा के, उडीसा बॉटनिकल सोसायटी के 43 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही। (२०१८) पीपी १३०. आईएसबीएन : ९७८-९३-८७८५०-०९-५. सह-लेखकगण : बी. प्रधान ।
- कोरापुट, भारत से स्वदेशी बाजरा के पौष्टिक और भौतिक-कार्यात्मक गुणों पर अंकुरण का प्रभाव" शीर्षक से सम्मेलन, भुवनेश्वर, ओडिशा के, उडीसा बॉटनिकल सोसायटी के 43 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही। (२०१८). पीपी १३०-१३१. आईएसबीएन : ९७८-९३-८७८५०-०९-५. सह-लेखकगण : एन. एच. शैलजा और डी. पंडा ।
- कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग टाइटल गैंग्दह फिजियोलाजिकल एंड बायोकैमिकल रिएक्शन्स ऑफ इंडियन वाइल्ड राइस विथ हेक्सावलेंट क्रोमियम स्ट्रेस फॉर सस्टेनेबल फाइटोर्मेडिएशन । भुवनेश्वर, ओडिशा के, उडीसा बॉटनिकल सोसायटी के 43 वें वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही। (२०१८). पीपी ११३-११४. आईएसबीएन : ९७८-९३८७८५०-०९-५. सह-लेखक : पी.के. बेहेरा।
- सूखे की स्थिति में स्थायी चावल उत्पादन के लिए ओडिशा के जयपुर पथ से पारंपरिक चावल की भूमि की आनुवंशिक क्षमता का शीर्षक पर । पूर्वी क्षेत्र में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए सबसे पहले वार्षिक सम्मेलन किसानों की कार्यवाही में: (२०१९). पीपी - ९९-१००. आईएसबीएन : ९७८-९३५९५१-००१-५ ।
- आदिवासी समुदायों की भावी खाद्य सुरक्षा के लिए कोरापुट, भारत की जंगली यम (डायोस्कोरिया एसपीपी) की संभावित क्षमता पर सम्मेलन में शीर्षक : पूर्वी क्षेत्र में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहले किसानों पर वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (२०१९). पीपी- ९८. आईएसबीएन : ९७८-९३५९५१-००१-५. सह-लेखकगण : बी. प्रधान।
- कोरापुट, भारत में बाढ.से लेकर तनावपूर्ण सहिष्णुता के लिए स्वदेशी चावल के भूस्खलन की आनुवंशिक क्षमता 9शीर्षक पर, पूर्वी क्षेत्र में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहले किसानों पर वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में (२०१९). पीपी १०१. आईएसबीएन: ९७८-९३५९५१-००१-५. सह-लेखकगण :डी. पंडा।
- कोरापुट के विभिन्न बाजरा में पोषण और शारीरिक कार्यात्मक गुणों पर संबंधित परिवर्तन अंकुरित शीर्षक पर *पूर्वी क्षेत्र में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहले किसानों पर वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में* (२०१९). पीपा १०२. आईएसबीएन : ९७८-९३५९५१-००१-५. सह-लेखक : एन. एच. सैलजा ।
- क्रोमियम के तहत जंगली चावल की वृद्धि और फाइटोर्मेडियेशन क्षमता शीर्षक पर *पूर्वी क्षेत्र में मिट्टी और जल संसाधनों के संरक्षण के लिए पहले किसानों पर वार्षिक सम्मेलन की कार्यवाही में*। (२०१९). पीपी १०३. आईएसबीएन : ९७८-९३५९५१-००१-५. सह-लेखक : पी.के. बेहेरा।

अनुसंधान परियोजना

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के लिए प्रधान अन्वेषक (पीआई), ओडिशा सरकार के वित्त पोषित परियोजना का शीर्षक सूखा तनाव सहिष्णुता के संबंध में ओडिशा के जयपुर पथ के चयनित स्वदेशी चावल भूस्खलन का आणविक लक्ष्य, नवम्बर- २०१७-चल रही है

वाणिज्य तथा प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ

व्यवसाय प्रबंधन विभाग

व्यवसाय प्रबंधन विभाग का आरंभ शैक्षणिक सत्र २०१४-१५ से हुआ है जिसका लक्ष्य है अविभाजित कोरापुट जिले की रोजगार की जरूरतों को पूरा करना है ।

उद्देश्य

- रोजगार एवं उद्यमिता के विकास करते हुए गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्ट विभाग होना ।

युवा उद्यमियों और प्रबंधकों सृजन करना और प्रशिक्षण देना है जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में राष्ट्र तथा राज्य के विकास में योगदान देगा और सेवा करेगा ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**डॉ. ए. मोहन मुरलीधर**, व्याख्याता (संविदा)**तथा विभाग प्रभारी**
२.	संपर्क विवरण	व्यापार प्रबंधन विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा ई-मेल: bbsrmohan@yahoo.co.in
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. ए. मोहन मुरलीधर, एम.ए. व्यवसाय प्रबंधन (एमबीए), पीएचडी (प्रबंधन), यूजीसी-नेट (प्रबंधन), व्याख्याता (संविदा)तथा विभाग प्रभारी २. श्री प्रीतिश बेहेरा, एमबीए, एमएफएम, यूजीसी-नेट (प्रबंधन), व्याख्याता (संविदा) ३. डॉ. ललाटेंदु केशरी जेना,पीएचडी (आईआइी, खडगपुर) एम (आईआर एंड पीएम), एम.फील (आईआरपीएम), एमए (डीइ), यूजीसी जेआरएफ (एचआरएम) पीजीडीएचआरएम, डिप्लोमा (टी एंड डी) फेलो (एशियान एचआर बोर्ड), व्याख्याता (संविदा) ४. सुश्री सुमन मिश्रा, एमबीए (वित्त), यूजीसी नेट (प्रबंधन),व्याख्याता (संविदा) ५. श्री सुभाष चंद्र पटनायक, एमबीए, एफडीपीएम, आईआईएमए, यूजीसी-एनईटी, एपीएसईटी (प्रबंधन), व्याख्याता (संविदा) ६. डॉ. गिरिधारी महांत, एम.कम., एमबीए, पीएचडी (प्रबंधन), व्याख्याता (संविदा)
४	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	दो वर्षीय एम.बी.ए. विशेष रूप से वित्त, मानव संसाधन और विपणन में

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- डॉ. एस. एस. देबाशीष, एसोसिएट प्रोफेसर, व्यावसायिक प्रशासन विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, ने २६ अप्रैल २०१८ को एमबीए के छात्रों को व्याख्यान देने के लिए विभाग का दौरा किया।
- उत्कल विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. आर. कि. स्वांई ने २६- अप्रैल २०१८ को एमबीए के छात्रों को व्याख्यान देने के लिए विभाग का दौरा किया।
- ई. राजा राव, अंग्रेजी विभाग, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बरहमपुर विश्वविद्यालय ने एमबीए के छात्रों को व्याख्यान देने के लिए २ मई २०१८ से १६ मई २०१८ की अवधि के लिए विभाग का दौरा किया।
- डॉ अरुण कुमार पंडा, बरहमपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर ने १०-१६ सितंबर २०१८ के दौरान एमबीए के छात्रों को व्याख्यान देने के लिए विभाग का दौरा किया।

- २७ अगस्त २०१८8 को विभाग में 9मुद्दों और मानव संसाधन प्रबंधन में चुनौतियां" विषय पर एक पैनल चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। संसाधन व्यक्ति डॉ. सीतांशु पंडा (वरिष्ठ व्याख्याता, औद्योगिक प्रबंधन संकाय, मलेशिया विश्वविद्यालय, पहांग) और डॉ. राजीव साहू (वरिष्ठ प्रबंधक, एचआर नाल्को, दमनजोडी) थे ।
- विभाग में ०४ अक्टूबर २०१८ को उद्यमिता: सडक़ आगे" विषय पर एक विशेषज्ञ वार्ता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। व्याख्यान प्रो. वी. सीता, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट अध्ययन, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था।
- विभाग में ३१ जनवरी 2019 को उद्यमिता मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर एक संगोष्ठी व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया था। व्याख्यान एनईएचयू के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. नागरी मोहन पंडा द्वारा दिया गया था।

संकाय सदस्यों की संगोष्ठी और प्रकाशन

डॉ. प्रीतिश बेहेरा

१. विजन-द जर्नल ऑफ.बिजनेस पर्सपेक्टिव में द हाई-पोटेंशियल लीडर: हाउ टू ग्रो फास्ट, ग्रो टू न्यू रिस्पॉन्सिबिलिटीज.एंड एम इम्पैक्ट 9 खंड. २२, संख्या. ३, २०१८, पीपी ३४३-३४६. (सह लेखक- एल के जेना)

सुबाष चंद्र पटनायक

१. ग्लोबल बिजनेश रिव्यू में : मानव संसाधन प्रथाओं के संगठनात्मक प्रदर्शन के पूर्वानुमान के रूप में : : एक संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग दृष्टिकोण पर शोध पत्र, खंड. २१, पीपी १-२६, २०१८.
२. दिनांक ०३-०६ मई २०१८ को आयोजित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), इंदौर द्वारा आयोजित उत्कृष्टता और शिक्षा पर वें सम्मेलन में संगठ्ठनात्मक प्रदर्शन: मानव संसाधन प्रथाओं का प्रभाव नामक एक पत्र प्रस्तुत किया।
३. भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद द्वारा आयोजित दिनांक १४ मई से ०६ जुलाइ २०१८ के दौरान प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम में सफलतापूर्वक पूरा किया।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग की स्थापना वर्ष २०१५-१६ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ के तत्वावधान में हुआ है। वर्तमान यह विभाग अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और सूचना विज्ञान में दो वर्षीय एम.एससी पाठ्यक्रम चलाता है, यह विभाग छात्रों को सांख्यिकी के उन क्षेत्रों के सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है जो न केवल उनमें बोलना प्रारंभ करेंगे बल्कि उनको उद्योगों, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक आदि जैसे क्षेत्रों में उनके रोजगार के लिए कौशल बढ़ाएगा। यह विभाग नवीनतम डेटा विज्ञान टूल जैसे कि आर, पायथन, ओक्टैव, साइलैब आदि में छात्रों के लिए कठोर प्रशिक्षण और जोखिम प्रदान करता है ताकि उन्हें सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण करने में सक्षम बनाया जा सके

इसका मूल विचार यह है कि छात्रों को सांख्यिकीविद के रूप में स्थानांतरिक करना जो कि सरकार में काम कर सकते हैं और कॉरपोरेट कार्यालयों के साथ साथ समाज के नवीनतम चुनौतियों में शोध कार्यों को भी कर सकते हैं जैसे कि आनुवंशिकी जैसे विभिन्न विषयों पर आवेदन, छात्रों को लागू क्षेत्रों में सामाजिक विकास का एक साधन माना जाता है

लक्ष्य :

- राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभरती तकनीकी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मजबूत सांख्यकीय /गाणितिक पृष्ठभूमि प्रदान करना है ।
- छात्रों को अन्तिम विश्लेषणात्मक उपकरणों से प्रशिक्षित कराना है जैसे कि एसएएस, आर एवं मतलब आदि । जो दोनों विश्लेषणात्मक के साथ साथ फार्मासियूटिकॉल क्षेत्रों में एनएनसी रोजगार के लिए अतिआवश्यक है ।
- राष्ट्रीय स्तर के परीक्षाएं जैसे कि आईएसआई, आईएसएस, डीआरडीओ आदि में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को उचित मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण प्रदान करना है ।
- उन छात्रों को अंतर विषयक पाठ्यक्रमों के प्रति उत्साहित करना है जो राष्ट्र के लिए आवश्यक है ।
- अग्रणी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में गुणवत्ता अनुसंधान लेखों को उत्पन्न करना ।

विभाग

१.	मुख्य का नाम	**डॉ. महेश कुमार पंडा,** सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी
२.	संपर्क विवरण	सांख्यिकी विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, शुनाबेढ़ा, कोरापुट-७६३००४, ओड़िशा ई-मेल: mahesh2123ster@gmail.com
३.	शिक्षण सदस्य एवं उनकी योग्यता	१. डॉ. महेश कुमार पंडा, एम.एससी, एम.फील, पीएचडी, सहायक प्रोफेसर तथा विभागमुख्य प्रभारी २. सुश्री स्वातिक प्रधान, एमएससी, व्याख्याता (संविदा) ३. डॉ. निरूपमा साहु,एमएससी., पीएचडी, व्याख्याता (संविदा) ४. श्री सुमन दाश, एमएससी, एमफील, व्याख्याता (संविदा)
४.	विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम:	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएस.सी (दो वर्ष), सांख्यिकी में एम.फील और सांख्यिकी में पीएच.डी

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग ने दिनांक २८ सितंबर २०१८8 को 9एक्चुरियल साइंस में सांख्यिकी की भूमिका" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो. श्रीजीब बागची, सेवानिवृत्त बर्दवान विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया था ।

संकाय सदस्यों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. महेश कुमार पंडा

- स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में: सत्य की खोज 9शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर में ऑपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के के सहयोग से, भुवनेश्वर में १५ अप्रैल २०१८8 को ।
- २७-३० दिसंबर २०१८ के दौरान संयुक्त रूप से सांख्यिकी और सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और कलकत्ता स्टेटिस्टिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित दसवीं अंतर्राष्ट्रीय त्रिवार्षिक कलकत्ता संगोष्ठी में मिश्रण प्रयोगों के साथ क्वाड्रेटिक बहुपद मॉडल के लिए-आर-इष्टतम डिजाइन नामक एक पेपर प्रस्तुत किया।
- ११ फरवरी से ०३ मार्च २०१९ के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र और सांख्यिकी में रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।
- १५-१६ मार्च २०१९ को स्नातकोत्तर सांख्यिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सांख्यिकीय कार्यप्रणाली और डेटा विज्ञान पर WB-OHEPEE राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक द्विघात मिश्रण मॉडल के लिए- R- इष्टतम डिजाइन शीर्षक वाला एक पेपर प्रस्तुत किया।

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों के लिए सूचना सहायता प्रदान करने केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। पुस्तकालय की स्थापना वर्ष २००९ में हुई थी और वर्तमान दो परिसरों में काम कर रहा है (एक लांडीगुडा परिसर में और दूसरा मुख्य परिसर, सुनाबेढा में है) । पुस्तकालय का स्वचालन ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफटवेयार कोहा की सहायता किया जा रहा है। पुस्तकालय का प्रबंधन एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री विजयनंद प्रधान (सिनियर स्केल) द्वारा किया जा रहा है जो पुस्तकालय के प्रभारी हैं, उन्हें एक पुस्तकालय सहायक और पाँच सहायक कार्मिक दिया गया है। पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में सुबह ९.०० बजे से शाम ६.०० बजे तक खुला रहता है। शनिवार और रविवार को सुबह १०.०० से अप. १.०० बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय संग्रहण

यद्यपि पुस्तकालय दस सालों की पुरानी है तथापि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा संकायों की आवश्यकता के अनुसार पुस्तकालय उनके अनुरूप हैं। पुस्तकालय ने ३३५७३ पुस्तकें, १४२ प्रिटेड पत्रिका पठनीय, संदर्भ पुस्तकें, , शोधग्रंथ और शोधनिबंध और पत्रिकाओं के पुराने अंक आदि खरीदा है । पुस्तकालय इसके पाठकों को १४ समाचार पत्रों (ओडिआ, हिंदी और अंग्रेजी) के साथ साथ रोजगार समाचार पत्र प्रदान करता है।

केंद्रीय पुस्तकालय की सेवाएं :

यह पुस्तकालय निम्नलिखित सेवाएं केंद्रीय पुस्तकालय के पाठकों को प्रदान की गयी हैं :

क. *साइबर पुस्तकालय* : केंद्रीय पुस्तकालय एक ही जगह से सीयूओ के उपयोगकर्ताओं के लाभ के लिए मुफ्त ई-संसाधन प्रदान किया जा रहा है।

ख. *सबजेक्ट प्लस* : केंद्रीय पुस्तकालय में हमारे विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करता है, जहां कोई भी व्यक्ति विभागीय सूचना संक्षेप में पा सकता है ।

ग. *इलेक्ट्रोनिक शोधग्रंथ तथा शोध-निबंध* : क्रेंदीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत सभी इलेक्ट्रोनिक शोधग्रंथ और शोध-निबंधों को बना रहा है जिसे ईटीडी कहा जाता है ।

घ. *ई-संसाधनों के रिमोट आसेस सुविधा* : अब हमारे सभी ई-संसाधन केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई रिमोटक्स सुविधा के माध्यम से किसी भी समय से कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है।

ङ. *संस्थागत डिजिटॉल रिपोजीटॉरी* : हमारे विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पादन का एक भंडार डी स्पेस सॉफ्टवेयार का उपयोग करके बनाया गया है।

च. *न्यू लाईब्रेरी वेबसाइट* : पुस्तकालय ने उपयोगकर्ता को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अपनी वेबसाइट विकसित की है ।

छ. *ऑनलाइन पब्लिक आसेस कैटलॉग* : केंद्रीय पुस्तकालय ने अपने वेब-ओपीएसी को विकसित किया है, जिसे इंटरनेट उपलब्ध है ।

ज. स्वचालित वितरण : सभी लेनदेन (चेक इन एवं चेक आउट) बार कोडिंग सुविधा के माध्यम से किया जा रहा है।

झ. *दस्तावेज सुपुर्दगी सेवा* : जो संसाधन हमारे पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है ई-मेल के माध्यम से मांग करने पर उपयोगकर्ताओं को प्रदान किया जा रहा है।

ट. *रिजर्व संग्रह* : केंद्रीय पुस्तकालय एक आरक्षित संग्रह बनाया है विशेष रूप से केवल पुस्तकालय के भीतर उपयोग होता है और इन दस्तावेजों को प्रसारित नहीं किया जा सकता है।

ठ. *सीसीटीवी कैमरा* : पुस्तकालय ने अपने संसाधनों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा स्थापित किया है।

ड. *उपयोगकर्ता अभिविन्यास कार्यक्रम* : पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अपने संसाधनों के उचित उपयोग के लिए पुस्तकालय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया है ।

च. *वर्तमान सामग्री सेवा* : सभी प्राप्त मुद्रित पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की सामग्री पृष्ठ मासिक आधार पर पाठकों को एक समेकित तरीके से एक पाचन प्रक्रिया के रूप में प्रदान की जाती है।

छ: *नये आगमन* : सभी नये आगमन पुस्तकों को नये आगमन अनुभाग में प्रदर्शन के लिए एक अलग रैक में रखा जाता है।

ज. *पुस्तकालय परिचय पत्र* : केंद्रीय पुस्तकालय के सभी नये पाठकों को एक इन हाउस बार-कोडेड पहचान पत्र प्रदान किया जा रहा है।

झ. *टॉकिंग पुस्तकालय* : केंद्रीय पुस्तकालय के अक्षम पाठकों के लिए एक समर्पित टॉकिंग लाईब्रेरी सुविधा उपलब्ध किया जाता है।

ट. *प्रापर्टी काउंटर* : पाठकों के सामान रखने के लिए एक प्रापर्टी काउंटर की सुविधा प्रदान की गयी है।

ठ. *समर्पित ओपैक और इंटरनेट टर्मिनॉल* : ओपैक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) के साथ साथ अन्य इंटरनेट संबंधित सेवाओं तक पहुँचने के लिए पाठकों को पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर प्रदान किये जाते हैं।

सदस्यता शक्ति

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अपने दोनों परिसरों में काम कर रहा है इसके पास छात्र, शोधार्थी, संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मिलाकर कुल ८०० उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान करता है हैं । अपने सदस्यों के अलावा, पुस्तकालय भी अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के विद्वानों और दर्शकों की जरूरतों को पूरा करता है।

कार्य समय :

अपने संसाधनों तक अधिकतम पहुंच प्रदान करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी कार्य दिवसों में 09:30 बजे से १८:०० बजे तक खुला रहता है। सुनबेढ़ा परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय केंद्रीय पुस्तकालय भी शनिवार और रविवार के सुबह १०.०० से अप. १.०० बजे तक खुला रहता है ।

जन संपर्क कार्यालय

जन संपर्क "विशिष्ट प्रबंधन कार्य है जो विश्वविद्यालय और उसके प्रकाशनों के बीच संचार, समझ, स्वीकृति और सहयोग की पारस्परिक रेखाओं को स्थापित और बनाए रखने में मदद करता है; समस्याओं या मुद्दों के प्रबंधन शामिल है, सार्वजनिक राय के बारे में सूचित और उत्तरदायी रखने के लिए प्रबंधन में मदद करता है; सार्वजनिक हितों की सेवा के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी को परिभाषित करता है और जोर देता है; प्रबंधन को बरकरार रखने और प्रभावी रूप से परिवर्तन का उपयोग करने में मदद करता है; प्रवृत्तियों की उम्मीद में मदद करने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करता है, इसके प्रमुख उपकरण के रूप में अनुसंधान और ध्वनि और नैतिक संचार का उपयोग करता हैह्न। उपर्युक्त जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य को निष्पादित करता है जैसे आभासी दुनिया में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व करना। यह प्रभावी योजना और टिकाऊ प्रयास के आधार पर जानबूझकर विश्वविद्यालय और उनके विभिन्न प्रकाशनों (दोनों बाह्य और आंतरिक) के बीच आपसी समझ स्थापित करता है और बनाए रखता है।

कुलपति की निर्देश के तहत,विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यों को निष्पादित करता है :

- मीडिया संबंध को बनाए रखना (प्रेस कॉफ्रेंस, प्रेस विज्ञप्ति, प्रेस स्पष्टीकरण, विज्ञापन, प्रेस संक्षेपीकरण, मीडिया विजिट और संकट प्रबंधन) ।
- समय समय पर आवश्यक न्यूजलेटर, ब्राउचर, वार्षिक रिपोर्ट, विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा परीक्षित लेखा विवरण और प्रकाशनों की तैयारी और प्रकाशन करना ।
- विश्वविद्यालय वार्षिक कैलेंडर और डायरी की तैयारी करना, प्रकाशन करना और वितरण करना ।
- सोसल मिडिया और नयी मिडिया से बर्ताव करना ।
- घटनाओं का दस्तावेजी बनाना।
- ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सुचारू रूप से प्रगति के लिए अलग अलग कार्यों की जिला तथा राज्य प्रशासन, निर्वाचित प्रतिनिधिगण, स्थानीय निकायों, कर्पोरेट सेक्टरों, स्थानीय नेतागण, मीडिया और अन्य हितकारियों से संपर्क करना ।
- विश्वविद्यालय के परिदर्शन के लिए आ रहे अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को आवास तथा सत्कार प्रदान किया जा रहा है ।
- विश्वविद्यालय को परिदर्शन कर रहे अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों को प्रोटोकॉल सेवाएं प्रदान करते हैं ।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट का प्रबंधन करना ।
- विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन पत्र हस्ताक्षर करते हुए समन्वयन करना ।
- विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों का आयोजित करना (दीक्षांत समारोह, स्थापना दिवस, प्रतिष्ठित व्याख्यान, विशेष व्याख्यान, संगोष्ठियां, परिसंवाद, कार्यशाला और सांस्कृतिक कार्यक्रम) ।
- विश्वविद्यालयों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना (वाद-विवाद, सामान्य ज्ञान, निबंध, गीत, कविता और वाग्मिता) ।
- ऑन-लाइन आरटीआई के लिए विश्वविद्यज्ञलय के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं ।
- लोक शिकायतों के लिए विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी काम कर रहे हैं ।
- एमएचआरडी के एआईएसएचई पोर्टल के लिए नोडल अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं ।
- यूजीसी /एमएचआरडी के सीयू पोर्टल के लिए नोडड अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं।
- संसदीय प्रश्नावली के नोड़ल अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं ।
- भूमि तथा रिकार्ड के लिए नोडल अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं ।
- विश्वविद्यालय के नियुक्ति अधिकारी (प्रभारी) के रूप में काम कर रहे हैं ।
- आरटीआई के लिए विश्वविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी के रूप में काम कर रहा है ।
- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश में शैक्षणिक अनुभाग को सहायता कर रह हैं ।
- भारत के राजपत्र में विश्वविद्यालय के अध्यादेश और संविधान के नोटिफिकेशन का समन्वयन करना ।
- आवश्यकता के अनुसार समय समय पर अनेक दूसरे कार्यों में विश्वविद्यालय प्रशासन को सहायता कर रहे हैं (विज्ञापन, नोटिस को जारी करना, प्रेस में) ।

यह कार्यालय कुलपति और कुलसचिव के कार्यालयों से जुड़ा हुआ है और विभिन्न कार्यक्रमों के लिए उनके साथ समन्वय करता है। यह कार्यालय ने वर्ष २०१८-१९ के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजनकिरने में और उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय भाषा समाचार पत्रों और समाचार वेबसाइट पोर्टल पर प्रकशित करते हैं । कार्यक्रमों में शामिल हैं : वार्षिक खेलकूद का आयोजन २०१९, सीयूओ, कोरापुट में माननीय राज्यपाल का परिदर्शन, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस--२०१८, णर्तूंग्दह र्द७२ वें स्वतंत्रता दिवस--२०१८ , १० वें स्थापना दिवस समारोह हिंदी दिवस, संस्कृत दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, राष्ट्रीय प्रेस दिवस, ७० वें गणतंत्र दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-२०१९ का आयोजन कराया ।

इस शैक्षणिक सत्र में, विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को अनेक प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, और वेबसाइट पर स्थान दिया है। ४९,२२०.४८ वर्ग मीटर स्थापित सबसे अधिक वितरित समाचार पत्रों में स्थान मिला है । यदि उसी को विज्ञापन के रूप में प्रकाशित किया जाता तो उसकी लागम लगभग एक करोड़ रुपया होगा। इस साल लगभग ३० कार्यक्रमों को समाचार पत्रों में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय ने लोक संपर्क अधिकारी के माध्यम से १८ विज्ञापनों को प्रकाशित किया है।

परीक्षा अनुभाग

विषय वार परिणाम का विश्लेषण २०१८-१९

क्रमांक	चौथे सेमेस्टर का विषय	कुल उपस्थिति	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण की प्रतिशतता
१	ओडिया में एम.ए.	२३	२३	१००
२	अंग्रेजी में एम.ए.	२०	२०	१००
३	मानव विज्ञान में एम.ए./एम.एससी.	०९	०९	१००
४	समाज विज्ञान में एम.ए.	२३	२३	१००
५	पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.ए.	२२	२२	१००
६	एकीकृत गणित विज्ञान में एम.एससी.१० वां सेमेस्टर	२७	२७	१००
७	अर्थशास्त्र में एम.ए.	२९	२९	१००
८	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.	१८	१८	१००
९	शिक्षा (बीएड़)	४९	४९	१००
१०	हिंदी भंषा में एमए	११	११	१००
११	संस्कृत भाषा में एमए	१४	१४	१००
१२	सांख्यिकी में एमएससी	०८	०८	१००
१३	बीसीए	०७	०७	१००
१४	एमबीए	२५	२५	१००

अप्रैल २०१८ से मार्च २०१९ के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गयी एम.फील और पीएच. डी. डिग्री (संकाय वार)

क्रमांक	विषय	पीएचडी			एमफील		
		महिला	पुरुष	कुल	महिला	पुरुष	कुल
०१	मानव विज्ञान	००	०१	०१	०२	०१	०३
०२	ओड़िया भाषा	००	०१	०१	०३	०३	०६
०३	पत्रकारिता और जन संचार	शून्य	शून्य	शून्य	०१	०३	०४
०४	शमाज विज्ञान	शून्य	शून्य	शून्य	०१	०३	०४
०५	जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण	०१	००	०१	०४	०६	१०

शैक्षणिक सत्र २०१८ के दौरान विभाग वार अब्बलों की सूची

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	पाठ्यक्रम
०१	जशोबंति सा	16/01/DOLL/12	ओडिया भाषा में एम.ए.
०२	लक्ष्मीनारायण नायक	१16/01/DELL/10	अंग्रेजी में एम. ए.
०३	प्रियब्रत आचार्य	16/01/DELL/14	अंग्रेजी में एम. ए.
०४	ज्योतिर्मय करण	16/02/DA/07	मानव विज्ञान में एम.एससी.
०५	वर्षा जेना	16/02/DS/04	समाज विज्ञान में एम. ए.
०६	धनंजय नायक	16/02/DS/08	समाज विज्ञान में एम. ए.
०७	अजमद अल्ली	16/03/DJMC/01	पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.ए.
०८	रोजालिन मिश्र	16/03/DJMC/14	पत्रकारिता तथा जनसंचार में एम.ए.
०९	काजल जेना	13/04/CM/09	५- एकीकृत गणित विज्ञान में एम.एससी.
१०	दीप्ति रानी रथ	16/02/DE/05	अर्थशास्त्र में एम.ए.
११	एन. हेमा सैलजा	16/05/DBCNR/13	जैव विविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण में एम.एससी.
१२	मोनालिसा दाश	16/03/DTE/25	शिक्षा (बीएड़)
१३	बबिता प्रधानी	16/07/DOS/03	सांख्यिकी में एमएससी
१४	झसकेतन सा	16/01/DSKT/06	संस्कृत भाषा में एमए

१५	उजल साहु	16/06/DBM/27	एमबीए
१६	समीर साहु	16/01/DH/07	हिंदी भाषा में एम.ए.
१७	श्रीधर स्वांई	15/04/DCS/08	बीसीए

सीयूओ प्रवेश परीक्षा २०१८

उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया सचिदानंद मोहंती के कुलपति प्रो। इस बार विश्वविद्यालय ने पूरे ओडिशा और सीमावर्ती राज्यों में 11 केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की। वे कोरापुट (3केंद्र), भुवनेश्वर, राउरकेला, बालेस्वर, भद्रक, संबलपुर, भवानीपटना, बरहमपुर और कोलकाता हैं। प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया का नेतृत्व टीम ने किया था जिसमें विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अधिकारी शामिल थे

१. प्रो. शरत कुमार पालित, कुलपति प्रभारी, मुख्य संरक्षक
२. प्रो. (डा.) असित कुमार दास, कुलसचिव, मुख्य पर्यवेक्षक
३. डॉ. जयंत कुमार नायक, मुख्य समन्वयक प्रवेश परीक्षा
४. डॉ. देवेन्द्र पंडा, उप मुख्य समन्वयक प्रवेश परीक्षा
५. श्री ज्योतिका दत्ता, तकनीकी पर्यवेक्षक
६. सीयूओ केंद्र में केंद्र अधीक्षक- डॅ. अलोक बराल
७. सीयूओ केंद्र में उप केंद्र अधीक्षक- डॉ. रमेंन्द्र कुमार पारी और डॉ. प्रदोष कुमार स्वांई
८. सीयूओ में पर्यवेक्षकगण- श्री के.वी. उमा माहेश्वरी राव, श्री के. कोशला राव, डॉ. काकोली बनर्जी
९. अन्य केंद्रों के पर्यवेक्षकगण- डॉ. बी.के. श्रीनिवास, डॉ. मिनती साहु, श्री मदन मोहन पात्र, श्री संजीत कुमार दास, श्री विश्वजित भोई, श्री प्रशांत कुमार बेहेरा, डॉ. कपिल खेंमुंडु, डॉ. महेश कुमार पंडा, श्री सुजित कुमार मोहांति, श्री विजयानंद प्रधान, डॉ. प्रदोष कुमार रथ और श्री सौरभ गुप्ता

ऑनलाइन के जरिये कुल ११३६४ आवेदन पत्र प्राप्त हुए थे और वर्ष २०१८-१९ के दौरान ३४३ विद्यार्थियों ने दाखिले लिये

छात्रावास

विश्वविद्यालय अपने मुख्य परिसर में दो छात्रावास लडकों के लिए छात्रावास और लड़कियों के लिए छात्रावास प्रदान करता है। प्रत्येक छात्रावास की क्षमता २४० है। अपने मुख्य परिसर में लड़कों के लिए छात्रावास १० जुलाई २०१६ से शुरू हो गया है और अपने परिसर में लड़कियों के लिए छात्रावास ३ सितम्बर २०१६ से शुरु हो चुका है। विश्वविद्यालय के चाहने वाले छात्रों और विद्वानों आदि सभी को छात्रावास सुविधा दी जाती है।

विश्वविद्यालय के दोनों छात्रावासों विभिन्न क्षेत्रीय भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र और छात्राओं को आराम से आवास का एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदान करते हैं। छात्रों को अत्याधुनिक सुविधायें दी जा रही हैं जिसमें शामिल हैं उत्कृष्ट फर्नीचर, गंदगी सुविधाओं से सुसज्जित विशाल कमरे, यदि बिजली जाएगी तो जनत्र की सुविधा और चौबिस घंटे एम्बुलेंस सुविधा प्रदान की जाती है, इसके साथ साथ इंडोर तथा आउटडोर खेलकूदों की सुविधायें जैसे बैंडमिटन आदि प्रदान की जाती है ये छात्रावास छात्रों को स्वतंत्र स्थान प्रदान करता है जहां छात्र विविधता और भिन्नता के साथ रहने की कला सीखते हैं। लड़कियो और लड़कों के लिए जिमनासियम जैसे अतिरिक्त सुविधाएं प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं।

वार्डनों का परिषद : अध्यक्ष : प्रो. भवानी प्रसाद रथ, ओएसडी (प्रशासन, परीक्षा और छात्र कार्यव्यापार),
मुख्य वार्डन : डॉ. कपिल खेमुंडु , विभागाध्यक्ष प्रभारी, समाज विज्ञान विभाग।

लड़कों का हॉस्टेल : वार्डन : डॉ. आदित्य केशरी मिश्रा, व्याख्याता (संविदा) समाज विज्ञान विभाग
सहायक वार्डन : डॉ. बिरेंद्र सड़ंगी, व्याख्याता (संविदा) संस्कृत भाषा विभाग

लड़कियों का हॉस्टेल : वार्डन : डॉ. रुद्राणि मोहांति, व्याख्याता (संविदा) ओडिया भाषा तथा साहित्य विभाग
सहायक वार्उन : डॉ. शताब्दी बेहेरा, व्याख्याता (संविदा) हिंदी भाषा विभाग

राष्ट्रीय फेलोशिप के विजेता : २०१८-१९

क्रमांक	नाम	शैक्षणिक सत्र	पठ्यक्रम	विभाग	छात्रवृत्ति का नाम
१	रश्मि पूजा निकुंज	२०१३-१४	पीएच.डी.	जेएंडएमसी	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
२	लक्ष्मीप्रिया पात्र	२०१३-१४	पीएच.डी.	डीइएलएल	यूजीसी नेट जेआरएफ
३	गोपाल राज खेमुंडु	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
४	पॉली टिकदार	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
५	राकेश पल	२०१४-१५	पीएच.डी.	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर छात्रवृत्ति
६	मुहम्मद अमीर पासा	२०१४-१५	पीएच.डी.	जेएंडएमसी	यूजीसी- मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
७	गोबिंद बल	२०१५-१६	पीएच.डी.	बीसीएनआर	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
८	जे. रंजिता	२०१६-१७	पीएच.डी.	मानव विज्ञान	राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
९	आइन लातिफ	२०१६-१७	एम.फील.	बीसीएनआर	यूजीसी- मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति
१०	सुप्रिया सुचरिता	२०१७-१८	पीएच.डी.	बीसीएनआर	डीएसटी-इनस्पायर छात्रवृत्ति
११	दमयंती बेहेरा	२०१७-१८	पीएच.डी.	डीओएलएल	यूजीसी नेट जेआरएफ

जेएमसी- पत्रकारिता तथा जन संचार, बीसीएनआर- जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, डीओएलएल- अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग

शैक्षणिक केलेण्डर (२०१८-२०१९)

घटनाएँ	वर्षाकालीन सत्रांत	शीतकालीन सत्रांत
छुट्टी के बाद पुन:खोलने	**शिक्षकों के लिए** : १६ जुलाई, २०१८ (सेाम) **छात्रों के लिए** : १६ जुलाई, २०१८ (सेाम)	**शिक्षकों के लिए**: ७ जनवरी, २०१९ (सोमवार) **छात्रों के लिए**: ७ जनवरी, २०१९ (सोमवार)
पंजीकरण	१६ -२३ जुलाई, २०१८ (सोमवार- सोमवार) (३ ,५, ७ & ९ सेमेस्टर)	७ - १४ जनवरी,२०१९ (सोमवार से सोमवार तक)(सभी सेमेस्टर)
विलम्ब शुल्क सहित पंजीकरण	२४ जुलाई- ३० जुलाई , २०१८ (मंगलावार से सोमवार) (३ ,५, ७ & ९ सेमेस्टर)	१५ - १९ जनवरी, २०१९ (बृहस्पति-शुक्रवार) (सभी सेमेस्टर)
कक्षा शुरु	१६ जुलाई, २०१८ (सेाम)(३ ,५, ७& ९ सेमेस्टर)	७ जनवरी, २०१९ (सोमवार) (सभी सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम जो/परिवर्तन के लिए अंतिम तिथि	२४ जुलाई, २०१८ (मंगलवार)	१५ जनवरी, २०१९ (मंगलवार)
पूरक/सुधार/विशेष पूरक परीक्षा के लिए आवदेन सहित निर्धारित शुल्क चालान के लिए अंतिम तिथि	१७ जुलाई, २०१८ (बुधवार) (२ /४ / /८ /१० सेमेस्टर के लिए)	८ जनवरी, २०१९ (मंगलवार) (१ /३ /५ /७ /९ सेमेसटर)
पूरक/सुधार /विशेष पूरक परीक्षा	१९ - २५ जुलाई, २०१८ (वृहस्पतिवार- बुधवार) (२ /४ / /८ /१० सेमेस्टर के लिए	१० -१६ जनवरी, २०१९ (वृहस्पतिवार- बुधवार) (१ /३ /५ /७ /९ सेमेसटर)
पूरक/सुधार /विशेष पूरक परीक्षा परिणाम घोषणा	२३ जुलाई, २०१८ (सोमवार)	१४ जनवरी, २०१९ (सोमवार)
रिपिट परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क चैलन सहित आवेदन की अंतिम तिथि	३१ जुलाई, २०१८ (बुधवार)	२२ जनवरी, २०१९ (बुधवार)
पूरक परीक्षा के परिणाम प्रकाशन के बाद योग्य छात्रों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि	३ अगस्त २०१८ (शुक्रवार)	२५ जनवरी, २०१९ (शुक्रवार)
१ मिड टर्म परीक्षाङ	१३ - २० अगस्त २०१८ (सोमवार से सोमवार तक)	४ - ११ फरवरी, २०१९ (सोम-सोम)
२ मिड टर्म परीक्षा ङ	१७ - २४ सितम्बर, २०१८ (सेाम-सोम)	४ - ११ मार्च, २०१९ (सोम-सोम)
मिड टर्म रिसेस	१५ सितम्बर -२६ अक्तू, २०१८ (सोम - सोम)	--------
३ मिड टर्म परीक्षा ङ	५ नवम्बर-१२ नवम्बर, २०१८ (सेाम-सोम)	१ -८ अप्रैल, २०१९ (सोमवार से सोमवार)
कोर्स ड्रापिंग करने की अंतिम तिथि	१९ नवम्बर, २०१८ (सेाम)	१२ अप्रैल, २०१९ (शुक्रवार)
कक्षाओं की अंतिम तिथि	७ दिसम्बर , २०१८ (शुक्रवार)	३ मई, २०१९ (शुक्रवार)
उपस्थिति शीट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	७ दिसम्बर , २०१८ (शुक्रवार)	३ मई, २०१९ (शुक्रवार)
अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	१० -१८ दिसम्बर २०१८ (सोमवार से मंगलवार)	६ - १४ मई, २०१९ (सोम-मंगलवार)
परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय को अंक तथा ग्रेड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	२१ दिसम्बर २०१८ (शुक्रवार)	१७ मई, २०१९ (शुक्रवार)
परिणाम घोषणा	३१ दिसम्बर, २०१८ (सोमवार)	२४ मई, २०१९ (शुक्रवार)
अवकाश	**छात्रों के लिए** : १९ दिसम्बर, २०१८ - ४ जनवरी,२०१९ (बुधवार-शुक्रवार) **शिक्षकों के लिए** : २४ दिसम्बर, २०१८ - ४ जनवरी, २०१८ (सोमवार- शुक्रवार)	**छात्रों के लिए** : १५ मई - १२ जुलाई, २०१९ (बुधवार-शुक्रवार) **शिक्षकों के लिए**: २० मई - १२ जुलाई, २०१९ (सोमवार-शुक्रवार)

ङपरीक्षा के बाद कक्षाएं जारी रहेंगी और मिड सेमेस्टर परीक्षा के बीच शनिवार, रविवार शिक्षण दिवस होंगे ङ

नोट : बीएड छात्रों के लिए, शनिवार को शिक्षण दिवस माना जाएगा क्योंकि विद्यापीठ आधारित इंटर्नशिप की गतिविधियों के दौरान शिक्षण दिवस होना है

छात्रों का नामांकन

शैक्षणिक सत्र २०१८ -१९ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

	एससी			एसटी			ओबीसी					
	पु	म	ति. लि.	पु	म	ति. लि.	पु	म	ति. लि.	कुल सीटें	प्रवेश की संख्य	अभ्युक्ति
१ अंग्रेजी में एम. ए.	३	७	४	२	३	१	६	४		३०	३०	
२ ओड़िया में एम. ए.	१	६	३	५	२	१	६	३		२७	३०	
३ समाज विज्ञान में एम. ए.	३	१५	०	६	१	२	३	१		३१	३०	१-महिला, सामान्य-दिव्यांग
४ जे. एम.सी में एम.ए.	५	४	०	२	१	०	०	१		१३	३०	
५ नृविज्ञान में एम. ए. /एम. एससी.	४	७	०	१	२	०	१	२		१७	३०	
६ अर्थशास्त्र में एम.ए.	३	४	५	१	२	१	७	७		३०	३०	
७ जैव विविधता में एम.एससी	६	९	१	४	०	२	५	४		३१	३०	१- महिला, स ामान्य-दिव्यांग
८ गणित विज्ञान में एम.एससी. (पाँच वर्षीय एकीकृत)	४	२	१	०	१	१	४	५		१८	२०	
९ बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	९	८	३	७	२	२	११	८		५०	५०	२- महिला, सामान्य-दिव्यांग१- महिला, ओबीसी दिव्यांग
१० हिंदी में एम. ए	५	१	०	१	१	०	१	६		१५	१६	
११ संस्कृत में एम. ए	४	२	०	१	२	०	१	१		११	१६	
१२ अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएससी	४	३	०	१	०	०	३	०		११	१६	
१३ एमबीए	५	९	३	१	३	०	६	५		३२	३०	
१४ बीसीए	३	२	०	०	०	०	४	४		१३	३०	
१५ ओड़िया में एम.फील	१	१					०	०		२	२	
१६ झनसंचार तथा पत्रकारिता में एम.फील	०	१	०	०	०	०	०	०		१	१	
१७ जैव विविधता में एम.फील	०	१	०	०	०	०	२	१		४	५	
१८ अर्थशास्त्र में एमफील	०	१	०	०	०		०	०		१	१	
१९ शिक्षा में एमफील	०	०	०	०	०	०	०	१		१	१	
२० सांख्यिकी में एमफील										०	१	
२१ जैवविविधता में पीएचडी	०	२	०	०	०	०	०	०		२	२	
२२ अर्थशास्त्र में पीएचडी	०	१	०	०	०	०	०	०		१	१	
२३ शिक्षा में पीएचडी	०	०	०	०	०	०	१	०		१	१	
२४ सांख्यिकी में पीएचडी	०	०	०	०	०	०	१	०		१	१	
उप-कुल	६०	८६	२०	३२	२०	१०	६२	५३		३४३	४०४	
कुल योग	१४६			५२	३०		११५			३४३		

शैक्षणिक सत्र २०१७ - १८ के लिए दाखिल छात्र- छात्राओं का वर्ग वार विवरण

क्र.	विभाग	एससी			एसटी			ओबीसी			सामान्य			कुल			कुल	प्रवेश की संख्या	अभ्युक्ति
		पु	म	ति.लि.	पु	म	ति.लि.	पु	म	ति.लि.	पु	म	ति.लि.	पु	म	ति.लि.			
१	अंग्रेजी में एम. ए.	२	२	०	१	१	०	३	६	०	१	१३	०	७	२२	०	२९	३०	ओबीसी (पीएच) –१
२	ओड़िया में एम. ए.	२	४	०	२	०	०	५	१०	०	४	४	०	१३	१८	०	३१	३०	साधा (पीएच) -१
३	समाज विज्ञान में एम. ए.	२	४	०	७	३	०	१	४	०	१	८	०	११	१९	०	३०	३०	
४	जे. एम.सी में एम.ए.	१	०	०	१	०	०	१	१	०	२	६	०	५	७	०	१२	३०	
५	नृविज्ञान में एम. ए. / एम. एससी.	१	०	०	१	०	०	०	२	०	२	९	०	४	११	०	१५	३०	
६	अर्थशास्त्र में एम.ए.	०	३	०	२	२	०	६	५	०	२	१०	०	१०	२०	०	३०	३०	साधा (पीएच) -११
७	जैव विविधता में एम.एससी	१	४	०	२	०	०	४	५	०	३	११	०	१०	२०	०	३०	३०	
८	गणित विज्ञान में एम.एससी. (पाँच वर्षीय एकीकृत)	२	२	०	१	०	०	५	३	०	३	४	०	११	९	०	२०	२०	
९	बी. एड़ (शिक्षक शिक्षा)	६	३	०	३	४	०	१०	९	०	७	८	०	२६	२४	०	५०	५०	एसटी (पीएच)-१ ओबीसी (पीएच)-१
१०	हिंदी में एम. ए	०	१	०	०	२	०	१	३	०	१	५	०	२	११	०	१३	१६	
११	संस्कृत में एम. ए	०	१	०	०	०	०	३	०	०	०	६	०	३	७	०	१०	१६	
१२	अनुप्रयुक्त सांख्यिकी तथा सूचना विज्ञान में एमएससी	१	०	०	०	१	०	२	२	०	२	२	०	५	५	०	१०	१६	
१३	एमबीए	३	१	०	१	०	०	४	४	०	१४	४	०	२२	९	०	३१	३०	
१४	बीसीए	५	०	०	१	०	०	४	४	०	८	७	०	१८	११	०	२९	३०	
१५	ओड़िया में पीएच.ड़ह	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	२	२	एसीस (पीएच) १
१६	बीसीएनआर में पीएच.डी.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	२	०	२	२	
	उप-कुल	२७	२६	०	२२	१३	०	४९	५८	०	५०	९९	०	१४८	१९६	०	३४४	३९२	
	कुल	५३			३५			१०७			१४९			३४४			३४४	३९२	

वित्त

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट २९ अगस्त २००९ से काम कर रहा है विश्वविद्यालय सामान्य विकास सहायता (जीडीए) के रूप में योजना ब्लॉक अनुदान के रूप में केंद्र सरकार से प्राप्त करता रहा है, सामुदायिक महाविद्यालय योजना और बी. वोकशनॉल कार्यक्रम के लिए प्रावधान रखा गया है । तीन शीर्षकों तहत मुख्य रूप से निधि को उपयोग किया जाता है : अनुदान राशि (आवर्त्ती व्यय- ३१), अनुदान राशि (वेतन- ३६) और अनुदान राशि (पूंजीगत अस्तियों की सृजन - ३५)।

कुल आबंटित राशियों रु.२८७६.३५ लाखों में से विश्वविद्यालय ने अनुदान राशि रु. १७९१.१३ लाख प्राप्त किया है, जो विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत हैं जैसे कि आवर्ती (३१) रु. १०३३.४१ लाख, वेतन (३६) के लिए रु. २५७.७२ लाख, पूंजीगत निधि (३५) रु. ५००.०० लाख । वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के दौरान आदि शेष और प्राप्त निधि रु. २६०१.११ लाख विश्वविद्यालय उपयोग किया है । दिनांक ३१.०३.२०१९ तक विश्वविद्यालय के पास अप्रयुक्त राशि रु. ३४६६ लाख शेष है ।

सामान्य विकास सहायता (जीडीए) में भवन का निर्माण और नवीकरण (जिसमें शामिल है विरासत इमारतों का मरम्मत सहित), परिसर विकास, कर्मचारी, पुस्तकें और पत्रिकायें, प्रयोगशाला, उपकरण तथा संरचना, वार्षिक अनुरक्षण ठेका, नवाचार अनुसंधान गतिविधियाँ, विश्वविद्यालय उद्योग संबंध, विस्तारण गतिविधियाँ, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, आईसीटी के विकास, स्वास्थ्य सेवा, छात्रों के लिए सुविधायें जिसमें शामिल हैं हॉस्टेलों, छात्रों को नॉन-एनइटी छात्रवृत्ति, यात्रा अनुदान, सम्मेलन/संगोष्ठी/परिसंवाद/ कार्यशाला, प्रकाशन अनुदान, परिदर्शन प्रोफेसर/विजिटिंग फेलों की नियुक्ति और कैरिय की स्थापना और काउंसेलिंग कक्ष, डे केयार सेंटर, महिलाओं के लिए मौलिक सुविधायें, और संकाय विकास कार्यक्रम आदि ।

योजना अनुदान के अलावा,अलग अलग अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के दौरान , विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को चलाने के लिए विश्वविद्यालय केंद्र तथा राज्य सरकार के निकायों से प्राप्त करता है जैसे कि राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र, हैंदराबाद, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय,भारत सरकार, अनुसंधान अनुदान (डीएसटी, ओड़िशा सरकार) निधि प्राप्त ।

महालेखा परीक्षक और नियंत्रक की ओर से अनुमोदिन वार्षिक लेखे २०१८-१९ की लेखा परीक्षा प्रमाणन के लिए उप-निदेशक लेखा परीक्षक (केंद्रीय), हैदरावाद की शाखा कार्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा लेखा परीक्षा की गयी है । अधिनियम के तहत, अंतिम अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) के साथ लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे और उसके साथ विश्वविद्यालय का उत्तर को को संसद के दोनों पटलों पर पेश करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नईदिल्ली द्वारा भेजा जाएगा।

वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के लिए विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे जोखा 9निर्धारित मानकों के अनुसार एमएचआरडी द्वारा जारी संशोधित प्रारुपों के अनुसार 9प्रोद्भन आधार" पर निर्धारित समय सारणी के अनुसार तैयार किए गए है । वार्षिक लेखे २०१८-१९ नई दिल्ली में दिनांक २७.०६.२०१९ को आयोजित विश्वविद्यालय की २० वीं वित्त समिति में अनुमोदित हुआ है ।

अनुमोदित वार्षिक लेखा २०१८-१९ का लेखा परीक्षा का प्रमाणन उप-निदेशक लेखापरीक्षक (केंद्रीय), भुवनेश्वर, ओड़िशा द्वारा हुआ है । सांविधिक लेखापरीक्षक ने दिनांक ०२.०८.२०१९ को वार्षिक लेखे पर अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) का मसौदा जारी किया है । दिनांक ०२.०८.२०१९ को एसएआर मसौदा का उत्तर विश्वविद्यालय ने दिया है।

अंतिम अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) प्राप्त होने पर, लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे के साथ अंतिम एसएआर और विश्वविद्यालय का उत्तर अनुमोदन तथा वितरण के लिए अथवा विचार के लिए विश्वविद्यालय के वित्त समिति और कार्यकारी परिषद के सामने रखा जाएगा। उसे अनुमोदन प्राप्त होने पर, उसे संसद के दोनों पटलों पर रखने के लिए एमएचआरडी के माध्यम से भेजा जाएगा।

३१ मार्च २०१८ तक के तुलन पत्र के अंग के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची- ३ (क)- प्रायोजित परियोजनायें

राशि रु.में

क्र.	परियोजना का नाम	आदिशेष		वर्ष के दौरान प्राप्त/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	अंत शेष	
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	एतुराटेस परियोजना	(30,767.00)	0	30,767.00	-	-	-	-
2	ओड़िशा जैव विविधता	8.00	-	-	8.00	8.00	-	-
3	नाल्को फाउंडेशन	15,000.00	-	-	15,000.00	15,000.00	-	-
4	नेशनॉल कार्बन परियोजना अनुसंधान सहायता (बीडाघाटी संरक्षण)	41,909.00 40,000.00	- -	6,07,081.00 -	5,65,172.00 40,000.00	2,68,969.00 4,000.00	296203.00 36,000.00	- -
5	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार	3,37,964.00	-	7,29,054.00	10,67,018.00	10,67,018.00	-	
6	अनुसंधान अनुदान (डीएस तथा टी, ओड़िशा सरकार)	87,045.00	-	-	87,045.00	84,000.00	3,045.00	
	कुल	4,07,341.00	-	13,66,902.00	17,74,243.00	14,38,995.00	3,35,248.00	-

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा

Amount in '.

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2018-19	विगत वर्ष 2017-18	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2018-19	विगत वर्ष 2017-18
I. आदि शेष	-	-	**I. व्यय**	-	-
क) हाथ में रोकड	-	-	क) स्थापना व्यय	62,320,667.00	50,385,091.00
ख) बैंक में शेष	-	-	ख) शैक्षणिक व्यय	5,085,478.00	7,430,392.00
i. बचत खाता संख्या 33106758052	33,699,063.00	29,961,779.00	ग) प्रशासनिक व्यय	11,752,241.00	11,105,385.00
ii. बचत खाता संख्या 33156750382	581,269.00	1,796,651.00	घ) परिवहन व्यय	155,830.00	1,726,213.00
iii. बचत खाता संख्या 30877205145	54,108,721.87	2,160,580.87	ङ) मरम्मत तथा अनुरक्षण	1,787,677.00	9,384,166.00
iv. बचत खाता संख्या 450502050000228	40,859,462.45	38,714,792.45	च) अवधि से पहले व्यय	2,472,212.00	1,096,287.00
v. बचत खाता संख्या 31694717652	186,599,729.20	121,201,493.00	छ) वितीय लागत	24,949.46	30,173.80
vi. चालू खाता संख्या 33105489656	10,062,521.57	1,089,117.50		-	-
			II. विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की निधि के लिए भुगतान	-	-
II. प्राप्त अनुदान				-	-
क) भारत सरकार से	178,113,000.00	257,362,000.00	ओकेंविवि की अनुसंधान परियोजना	-	-
ख) राज्य सरकार से	-	-	यूथेराटेस परियोजना	-	9,000.00
ग) अन्य स्रोतों से (बतायें)	-	-	ओडिशा जैव विविधता बोर्ड	-	-
(पूंजीगत एवं राजस्व व्यय के लिए अनुदान को अलग से दिखाया जाना है यदि उपलब्ध हो तो)	-	-	नाल्को फाउंडेशन	-	-
III. चिह्नित/बंदोबस्ती निधि के लिए प्राप्तियां	-	-	नेशनॉल कार्बन परियोजना	-	-
IV. प्रायोजित परियोजनायें एवं योजनाओं के लिए प्राप्तियाँ	1,305,831.00	876,000.00	III. . प्रायाजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	1,118,453.00	20,450.00
V. प्रायोजित छात्रवृत्ति तथा फेलोशिप के लिए प्राप्तियां	796,000.00	207,000.00	IV. प्रायोजित छात्रवृत्ति एवं फेलोशिक के लिए भुगतान	777,000.00	225,500.00
VI. निवेशों से आय	-	-	V. निवेश एवं किया गया जमाएँ	-	-
क) चिह्नित तथा बंदोबस्ती निधि	-	-	क) उदिदष्ट/अक्षय निधि में से	55,015.00	-
ख) अन्य निवेश	-	-	ख) निधियों से (निवेश तथा दूसरों से)	-	-
VII. प्राप्त ब्याज	-	-	VI. . अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा से	-	-
क) बैंक जमाओं से	-	-	VII. . स्थिर अस्तियों तथा पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय क) स्थिर अस्तियों की खरीद	-	-
ख) बचत खाताओं पर	1,656,175.00	1,068,994.00		24,665,635.00	2,779,580.00
ग) एफडीडी खाताओं पर	15,888,154.00	10,279,612.00	ख) पंजीगत कार्य जारी है	-	-
VIII. निवेश भुनाया गया	-	-	VIII. अन्य भुमतान (बतायें)	-	-
IX. . एसबीआई, मुख्य शाखा, भुवनेश्वर में आवधिक जमा से	-	-	व्यय के लिए कर्मचारियों की गयी अग्रिम	3,876,365.00	1,482,065.00
X. .इंडियन बैंक, भुवनश्वेर में मियादी जमा	-	-	ii. व्यय के लिए अग्रिम (अन्य)	1,927,048.00	2,800,681.00
XI. जमा तथा अग्रिम (वसूली)	5,470,632.00	594,994.00	iii फुटकर उधारकर्ता	69,129,473.00	165,462,383.00
XII. छात्रों से जमा	576,000.00	562,000.00	iv. विविध उधारकर्ता (अधिक भुगतान तथा टीडीएस)	-	-
XIII. जमा तथा अन्य	1,832,784.00	2,656,910.00	IX. अनुदान की वापसी	-	-
XIV. विविध प्राप्तियां	99,063.00	39,410.00	X. जमा तथा अग्रिम	751,429.00	1,459,075.00
XV. वैधानिक प्राप्तियां (टीडीएस, एनपीएस, तथा अन्य प्राप्तियां)	13,743,058.00	9,844,795.00	XI. अग्रिमों	5,278,850.00	1,478,525.00
			XII. वैधानिक देय को भुगतान (टीडीएस, एनपीएस तथा अन्य)	16,932,897.00	10,222,949.00

XVI. शैक्षणिक प्राप्तियां	-	-	XIII. अन्य भुगतान (जमा तथा अन्य की वापसी)	16,167,822.00	6,308,813.00
क) प्रवेश शुल्क (छात्र)	162,600.00	168,800.00	XIV. . अंत शेष	-	-
ख) आवेदन शुल्क (भर्त्ती)		-	क) हाथ में रोकड़	-	-
ग) परीक्षा शुल्क	6,814,849.81	6,671,633.07	ख) बैंक में शेष	-	-
घ) हॉस्टेल शुल्क	2,125,200.00	1,751,901.00	i. बचत खाता संख्या 33106758052	38,164,903.00	33,699,063.00
ङ) दीक्षांत समारोह शुल्क	81,600.00	82,800.00	ii. बचत खाता संख्या 33156750382	419,053.50	581,269.00
च) पंजीकरण शुल्क	68,500.00	69,200.00	iii. बचत खाता संख्या .30877205145	57,385,173.87	54,108,721.87
च) परिवहन शुल्क	502,100.00	369,650.00	iv. बचत खाता संख्या .450502050000228	42,894,625.45	40,859,462.45
छ) खेलकूद शुल्क	242,600.00	130,200.00	v. बचत खाता संख्या 31694717652	97,239,171.70	186,599,729.20
ज) निविदा प्रपत्र की बिक्री	-	-	vi. बचत खाता संख्या 36342031829	20,150,303.92	10,062,521.57
झ) आवेदन पत्र शुल्क (भर्त्ती)	-	-	vii. बचत खाता संख्या 32984748211	31,624,169.50	-
ट) माइग्रेशन शुल्क तथा प्रमाणपत्र शुल्क	81,250.00	76,170.00	viii. चालू खाता संख्या 9140020037639361	155,980.00	-
ठ) आरटीआई आवेदन पत्र	-	-	ix. बचत खाता संख्या 918020112239745	240,190.00	-
ड) अन्य प्राप्तियाँ (बतायें)	-	-	x. बचत खाता संख्या 37949044049	45,099,649.50	-
i) चिकित्सा शुल्क	64,800.00	66,000.00			
ii) परिचस पत्र शुल्क	17,300.00	17,200.00			
iii) विलंब तथा दंड शुल्क	31,136.00	26,122.00			
iv) टियूशन शुल्क	578,600.00	528,000.00			
v) प्रयोगशाला शुल्क	358,500.00	343,000.00			
vi) कोर्स वर्क शुल्क	204,800.00	22,000.00			
vii) पुस्तकालय शुल्क	386,800.00	197,700.00			
viii) इंटरनेट शुल्क	389,100.00	202,500.00			
ix) अन्य	151,062.00	128,120.00			
ढ) अवधि से पहले आय	-	50,371.00			
कुल	557652261.90	609317495.89	**कुल**	557652261.90	609317495.89

३१ मार्च , २०१९ तक की तुलन पत्र

(राशि रु. में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष २०१८-१९	विगत वष २०१७-१८
समग्र /पूंजीगत निधि चिह्नित/ निर्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि	१	२,०४१,९१९,९८४.६४	१,९१२,१४७,८४५.२१
	२	३,०४२,००९.००	२,९९३,५८२.००
चालू देयतायें और प्रावधान	३	३७७,१०२,८१७.२४	४६१,०७१,४५६.७०
कुल		२,४२२,०६४,८१०.८८	२,३७६,२१२,८८३.९१
निधियों का प्रयोग	अनुसूची		
स्थिर अस्तियाँ	४		
मूर्त अस्तियाँ		८६५,७४०,०५०.२८	८१०,९७९,८४२.८२
अमूर्त अस्तियाँ		८४,८६०.१६	९४८,७४३.००
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		६,०३३,०४८.००	५४,२८०,६८७.००
निर्धारित /बंदोबस्ती निधियों से निवेश		-	-
दीर्घावधि			
अल्पावधि	५	३,०४२,००९.००	२,८०४,२९२.००

निवेश-दूसरों से	६	-	-
चालू अस्तियाँ	७	१,४४७,५९०,२२५.४४	१,३९३,१२८,२७१.०९
ऋण, अग्रिम तथा जमा	८	९९,५७४,६१८.००	११४,०७१,०४८.००
कुल		२,४२२,०६४,८१०.८८	२,३७६,२१२,८८३.९१
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	२३	(०.००)	(०.००)
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ	२४		

३१ मार्च २०१९ को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा

(राशि रु. में)

विवरणअनुसूची		वर्तमान वर्ष २०१८-१९	पूर्व वष २०१७-१८
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	९	१२,२५१,१९७.८१	१०,८३९,३७६.०७
अनुदान/सबसिड़ी	१०	१६०,१३८,९८८.४६	१५७,७११,४२८.८०
निवेशों से आय	११	-	-
ब्याज अर्जित	१२	६३,३८५,३२८.००	८५,३७४,२००.६६
अन्य आय	१३	२३९,२८९.००	१२२,०१०.००
अवधि से पूर्व आय	१४	-	(६०८,०९३.००)
कुल (क)		२३६,०१४,८०३.२७	२५३,४३८,९२२.५३
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान तथा लाभ (स्थापना व्यय)	१५	४५,६२७,०९४.००	५८,७६९,५१३.००
शैक्षणिक व्यय	१६	६,०८०,७८८.००	८,११२,६३४.००
प्रशासनिक तथा साधारण व्यय	१७	८३,१५५,९८४.००	५९,३०१,९९४.००
परिवहन व्यय	१८	९,७३९,२४८.००	९,७३०,७३०.००
मरम्मत तथा अनुरक्षण	१९	११,३५१,४७८.००	१७,८४६,२०८.००
वित्त लागत	२०	२४,९४९.४६	३०,१७३.८०
अवमूल्यन	४	४६,०७५,७६२.३८	२९,१६७,७०८.३०
अन्य तथा व्यय	२१	-	-
अवधि से पहले व्यय	२२	४,१५९,४४७.००	३,९२०,१७६.००
कुल (ख)		२०६,२१४,७५०.८४	१८६,८७९,१३७.१०
व्यय पर अधिक आय का शेष (क-ख) चिह्नित निधि को/से स्थानांतरित किया गया है		२९,८००,०५२.४३	६६,५५९,७८५.४३
भवन निधि		-	-
अन्य (यदि है तो बताये)		-	-
अधिक / (कमी) शेष को पूंजीगत निधि में लाया गया		२९,८००,०५२.४३	६६,५५९,७८५.४३

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	२३	
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ	२४	

कंप्यूटर केंद्र

विश्वविद्यालय के पास एक सर्वर रूम है जो सभी विभागों को एलएएन और इंटरनेट सुविधायें प्रदान करता है। दोनों परिसरों में वायर और वायर एलएएन सुविधा उपलब्ध हैं। मुख्य परिसर में बीएसएनएल द्वारा १ Gbps के इंटरनेट कनेक्सन जोड़ा गया है। एनआईसीएसआई की सहायता से परिसर को वाई-फाइ सेवा प्रदान करने के लिए काम शुरु किया गया था। ओएफसी केबुल पुस्तकालय ब्लॉक से बालक छात्रवास, बालिका छात्रावास, शैक्षणिक ब्लॉक, अतिथि भवन, तक बिछा दिया गया है। एमएचआरडी के अनुदेश पर, एक्टिव कंपोनेंट अधिष्ठापना का काम मेसर्स रेलटेल को दिया गया है। मेसर्स रेलटेल एक्टिव कंपोनेट अधिष्ठापना का काम किया। वर्तमान दोनों परिसरों में वाई-फाई सेवा उपलब्ध हैं। प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत आईडी और पासवार्ड दिये गये हैं । प्रत्येक व्यक्ति इस पासवार्ड और आईडी उपयोग दो उपकरणों में करते हैं एक है अपनी मोबाईल और दूसरा है लॉपटप पर

दोनों सर्वर कक्ष निम्नलिखित संरचनाओं से सुसज्जित हैं :

लांडिगुडा परिसर में सर्वर रूम

अधिष्ठापित हार्डवेयार और सॉफ्टवेयार : i) १ प्रबधित स्वीच २४ पोर्ट, ii) २ रुटर्स DL2600, iii) एक डब्ल्यूएस सर्वर, iv) एक प्रक्सी सर्वर, v) ईँ सिस्टम फर्टी लाइन, vi) प्रींटर-दो vii) दो ऑनलाइन यूपीएस (5 & 6 KVA)

मुख्य परिसर, सुनाबेढा में सर्वर कक्ष

अधिष्ठापित हार्डवेयार और सॉफ्टवेयार : **i) दो प्रबंधित सिसको स्वीच** एउ३०० २८ पोर्ट, ii) जूनिपर रूटर ३१०, iii) एक प्रक्सी सर्वर और iv) तीन ऑनलाइन यूपीएस(10 KVA-1, 5 KVA-2)

दोनों परिसरों में लोकल एरिया नेटवर्क के साथ साथ तीन सौ टर्मिनॉल उपलब्ध है । दोनों परिसरों में नौ कंप्यूटर प्रयोगशाला चल रहे हैं :

i) डीबीसीएनआर विभागीय प्रयोगशाला ii) डीजेएमसी प्रयोगशाला iii) जनरल कंप्यूटर प्रयोगशाला iv) गणित विज्ञान विभाग प्रयोगशाला v) कंप्यूटर विज्ञान विभागीय प्रयोगशाला न) शिक्षक शिक्षा विभागीय प्रयोगशाला न्ग) सांख्यिकी विभाग प्रयोगशाला

अलग अलग विभागों के सभी प्रयोगशालाओं का विवरण इस प्रकार दिये गये हैं :

क्रमांक	आई.टी. का नाम	कार्यात्मक क्षेत्र पूरा करता है	सॉफटवेयार का विवरण		हार्डवेयार का विवरण	
			आपरेटिंग सिस्टम्स	अनुप्रयोग सिस्टम	हार्डवेयार जिस में शामिल हैं टर्मिनॉल एम्पलयड	नेटवर्किंक हार्डवेयार एम्पलयएड
1.	डीबीसीएनआर प्रयोगशाला	i. मेप्सग ii. सांख्यिकी डाटा	विंडोज 10	i. Arc GIS ii. IBM SPSS iii. ERDAS इमाजीन iv. SIGMA प्लाटॅ	टर्मिनॉल -10 यूपीएस – 10	स्वीच-01 स्वीच पैनल-01
2.	गतिण विज्ञान प्रयोगशाला	प्रोग्रामिंग	विंडोज 10	C लेग्यूंज ,MATLAB	टर्मिनॉल -18 यूपीएस-01(ऑनलाइन)	स्वीच -01 स्वीच पैनल -01
3.	बीसीए प्रयोगशाला	प्रोग्रामिंग	विंडोज 10	C भाषा और अन्य तीन सॉफ्टवेयार पाठ्यक्रम के अनुसार	टर्मिनॉल -32 यूपीएस -01(ऑनलाइन)	स्वीच -01 स्वीच पैनल -01
4.	बीएडी प्रयोगशाला	प्रोग्रामिंग	विंडोज 10	कार्यालय	टर्मिनॉल -20	स्वीच -01 स्वीच पैनल -01
5.	सांख्यिकी प्रयोगशाला	प्रोग्रामिंग	विंडोज 10	ऑफिस आर सॉफ्टवेयार	टर्मिनॉल-15 यूपीएस-01(ऑनलाइन)	स्वीच -01 स्वीच पैनल -01
6.	पुस्तकालय	E रिसोर्स जोन	विंडोज 10	ऑफिस, KOHA (पुस्तकालय प्रबंधन इंटरनेट ब्राउजर)	टर्मिनॉल -27 सर्वर -02 यूपीएस – 04(ऑनलाइन)	स्वीच -02 स्वीच पैनल -02
7.	केंद्रीय कंप्यूटिंग प्रयोगशाला	प्रत्येक छात्र को इंटरनेट प्रदान किया जान है और कंप्यूटर प्रदान किया जान है	विंडोज 10	i. ऑफिस ii. एडोव	टर्मिनॉल – 70 यूपीएस –10 KVA(एक) यूपीएस- 5KVA(तीन) यूपीएस- 6 KVA(एक) प्रीटर- 2, स्केनर - 1	स्वीच – 4 स्वीच पैनल -1
8.	जेएमसी कंप्यूटर प्रयोगशाला	i. विडियो एडिटिंग ii. न्यूज पेपर मेकिंग iii. डीटीपी	विंडोज 10	i. विंडोज मोवि ii. ऑफिस iii.एडोव रिडर	टर्मिनॉल – 10 यूपीएस – 6 KVA(एक)	स्वीच साधारण कंप्यूटर प्रयोगशाला से जुड़ा हुआ है

9.	सभी विश्वविद्याल शैक्षणिक प्रशासन के विभाग (1 से 5 को छोड़कर)	विंडोज 10	ऑफिस, एडोब रीडर	टर्मिनॉल -112 यूपीएस -82 (ऑफलाइन) प्रीटर- 4, स्केनर - 5	स्वीच -03 स्वीच पैनल -02

मुख्य परिसर का संरचनात्मक और विकास

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्याल के ढांचागत विकास एक सतत प्रक्रिया है।अब तक परिसर को कार्यात्मक बनाने के लिए निम्नलिखित संरचनात्मक विकास हुए हैं। वे इस प्रकार हैं :

जमीन और चाहर दीवार

- ओड़िशा सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय को ४३०.३७ एकड जमीन आबंटित किया है जिसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया है।
- यह जमीन विश्वविद्यालय के नाम में आबंटित किया है और इस लीज पर जिलापाल, कोरापुट और कुलपति, ओकेंवि, कोरापुट के बीच हस्ताक्षर हुआ है।
- राज्य सरकार द्वारा आबंटित की गई लगभग ४३०.३७ एकड़ भूमि पर ९.३ की.मी. लंबाई की चारदीवार का निर्माण किया गया है।
- सड़कों और इमारतों के लिए संशोधित वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ परिसर का मास्टरप्लान पूरा हो चुका है ।

भवन

- सीयूओ गेस्ट हाउस (जीह्३)57 २,९५७ वर्ग मीटर के प्लिंथ क्षेत्र के साथ। लिफ्ट के प्रावधान के साथ 32 कमरे और ०८ सुइट्स का निर्माण किया गया है। मार्च 2019 से गेस्ट हाउस को कार्यात्मक बनाया गया है।
- बॉयज हॉस्टल (ऊ३) और गर्ल्स हॉस्टल (ऊ३), प्रत्येक 7,7७,७३५ 5 वर्ग मीटर। (प्लिंथ क्षेत्र) में २३८ कमरे हैं, १०५ वर्ग फीट का। प्रत्येक का निर्माण किया गया है और २०१६ के शैक्षिक सत्र से इसे कार्यात्म
- दो अस्थायी शैक्षणिक ब्लॉक, प्रत्येक १,७०० वर्गमीटर के प्लिंथ क्षेत्र और प्रत्येक ब्लॉक में १६ कमरों को कार्यात्मक बनाया गया है।
- ७७५ वर्गमीटर के प्लिंथ क्षेत्र वाले लाइब्रेरी ब्लॉक का निर्माण और निर्माण 2014 से चल रहा है।
- कैंपस में एक कैंटीन का निर्माण किया गया है। बडी जगह के लिए एक विस्तारित छत प्रदान की गई है।
- कैंपस में स्टॉर्म वाटर ड्रेन का निर्माण किया गया है।
- विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में 04 नग दुकानों के साथ एक अस्थायी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है और विश्वविद्यालय समुदाय के लाभ के लिए कार्यात्मक बनाया गया है।
- ओडिशा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, सनबाडा में गर्ल्स हॉस्टल के एक प्रतीक्षालय का निर्माण किया गया है ।
- सुनाबेढ़ा में विश्वविद्यालय के मैन कैंपस के अंदर अस्थाई जिम्नेजियम हॉल फॉर बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल, एटीएम काउंटर रूम और बीएसएनएल टॉवर रूम का निर्माण किया गया है।
- विश्वविद्यालय के मैन कैंपस में खेल मैदान का लेवलिंग किया गया और २४-२७7 फरवरी 2019 के दौरान पहली स्पोर्ट्स मीट हुई।

जल आपूर्ति

- स्रोत से परिसर तक जल आपूर्ति सुनाबेढा जलाशय तक सभी दृष्टि से पूरा हो चुका है यह कार्य ओडिशा सरकार के (पीएचडी विभाग) के माध्यम से हुआ है ।
- हिलटॉप जलाशय से सम्प तक जल पंपिंग के लिए आंतरिक जल आपूर्ति का काम प्रत्येक भवन में पूरा हो चुका है । छात्रों के लिए छात्रावास और छात्राओं के लिए छात्रावास में एक एक संप का निर्माण हो चुका है जिसमें एक लाख लीटर तक जल रहता है । २ एचपी का सेंट्रीफूगॉल पंप के अलावा सबमेर्सिबल पंप दिया गया है । उपर्युक्त कार्य पी एच के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय की निधियों से लिया गया है ।
- जल आपूर्ति चौबिस घंटे निश्चित किया जाता है और परिसर में ३० वाटर कुलर सहित तीस जलविशोधक स्थापित किया गया है ।

बिजली

- राज्य सरकार द्वारा सब-स्टेशन से परिसर तक बाह्य ११ केवी बिजली की आपूर्ति का काम पूरा हो चुका है । विश्वविद्यालय साउथको से ७५० केवीए बिजली प्राप्त करता है।
- विश्वविद्यालय का आंतरिक बिजली आपूर्ति के लिए, विश्वविद्यालय ने फीडर लाइन, सप्लाई लाइन, फोर पोल्स पैनल, ट्रासफरमर, इंटरनॉल विंग और फिटिंग्स आदि का निर्माण किया है ।
- विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में २५० केवीए उच्च क्षमता वाला चार ट्रांसफरमर प्रदान किया गया है और पीएच डिविजन द्वारा प्रदत्त जल को ऊपर उठाने के लिए १०० केवीए का एक ट्रांसफरमर लगाया गया है ।
- परिसर में स्ट्रिट लाइट की उचित व्यवस्था के लिए प्रवेश द्वारा से अंतिम प्रवेश द्वारा और सभी सडकों के साथ हिल टॉप जलाशय तक प्रावधान रखा गया है।
- पाँच हाई मास्ट लाइट दी गयी हैं ।छात्रावासों की चारो ओर लॉन लाइट का प्रावधान बनाया गया है ।
- केलोनिवि के माध्यम से अतिथि भवन में लिफ्ट प्रावधान रखा गया है ।

सड़क मार्ग

- सुनाबेढा में एन. एच. २६ से मुख्य परिसर को एक मार्ग राज्य सरकार (निर्माण विभाग) द्वारा बनाया गया है । रोड निर्माण कार्य में २.२ की.मी. एक पैच पर निर्माण किया गया है ।

- सडक पार्श्व की लाइट परिसर तक एप्रोच सडक तक भी स्ट्रीट लाइट स्थानीय नगरपालिका परिषद द्वारा प्रदान किया गया है ।
- आंतरिक सडकें विश्वविद्यालय द्वारा बनायी जा रही हैं। प्रवेश द्वारा से छात्रावास के बाद गांव के पास प्रवेश द्वारा तक सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है ।
- सड़क पार्श्व का ड्रेन का काम के साथ सड़क का आर. आर काम पूरा हो गया है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवारों की ऊंचाई तीन मीटर तक बढ़ाई गयी है और ग्रिल गेट और सुरक्षा कर्मियों का कमरा का काम पूरा हो चुका है।
- छात्रों के लिए छात्रावास की दीवार का काम हो चुका है जिसके साथ सीमा की दीवारों पर चेन लिंकेज विनिर्दिष्ट के अनुसार बनाया गया है।
- ारिसर की चारो ओर मृत्तिका संरक्षण,झाडी सफाई का काम स्थानीय मजदूरों और मशीनॉरी की सहायता से पूरा हो चुका है ।

वृक्षरोपण

- वन विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा बारह हेक्टर जमीन पर लगभग १२००० पौधें लगाये गये हैं ।
- वन विभाग ने परिसर के सौंदर्यकरण के लिए जिम्मेदारी ली है परिसर में औषधीय वृक्ष और फूलों की खेती कर रहा है ।

बागबानी

- विश्वविद्यालय ने केलोनिवि के माध्यम से हॉस्टेल , शैक्षणिक ब्लॉक और अतिथि भवन के परिसर के अंदर बागबानी का काम हाथ को लिया है ।

इंटरनेट सुविधा

- इंटरनेट सुविधा प्रदान के लिए विश्वविद्यालय ने १ जीबी का कनेक्सन बीएसएनएल लिया है। एक रूटर की खरीद एनआईसी के जरिये किया गया है और एक सर्वर कमरा काम करने लगा है । पुस्तकालय भवन में अवस्थित दो कंप्यूटर प्रयोगशाला को इंटरनेट सुविधा पहुँचाया गया है ।
- पूरे परिसर को इंटरनेट सल्युशन और वाई-फाई प्रदान के लिए सर्वेक्षण का काम प्रगति पर है।
- एक जीओ टावर का निर्माण हो चुका है, जीओ सेवा सभी छात्रों और कर्मचारियों को प्रदान की गयी है।
- परिसर में बीएसएनएल का टावर निर्माण हुआ है और अब चालू होने वाला है ।

विश्वविद्यालय की घटनाक्रम

१०वां स्थापना दिवस समारोह

उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने सनबाडा में अपने मुख्य परिसर में 10 वां स्थापना दिवस मनाया। प्रो. सचिदानंद मोहंती, माननीय कुलपति, सीयूओ ने विश्वविद्यालय का झंडा फहराया और इस अवसर पर विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी। प्रो। पी.वी. कृष्ण भट्टा, नवनियुक्त माननीय कुलपति ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में और राजदूत अशोक सज्जनहर ने अतिथि के रूप में सम्मान दिया।

प्रो. सचिदानंद मोहंती ने अपने स्वागत भाषण में कोगिटो एर्गो सुम की अवधारणा को समझाया (मुझे लगता है, इसलिए मैं) शिक्षा के कोने का पत्थर बन गया हूं। शिक्षा से व्यक्ति में महत्वपूर्ण आलोचनात्मक सोच और कल्पना शक्ति पैदा होनी चाहिए। उन्होंने महिलाओं के विकास और आध्यात्मिक और बौद्धिक संकायों से मुक्ति की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने शिक्षा और संस्थान बिल्डरों के महान विचारकों के प्रभावों का वर्णन किया। इस अवधारणा में उन्होंने महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, श्री अरबिंद और मां और जे कृष्णमूर्ति के नामों का उल्लेख किया। उन्होंने श्री अरबिंद के हवाले से निष्कर्ष निकाला कि, 9सभी शिक्षा आजीवन सीखने वाली है"।

प्रो. पी.वी. कृष्णा भट्ट ने अपने संबोधन में कहा कि छात्रों को ज्ञान और जानकारी इकट्ठा करने का एक शानदार अवसर है। ज्ञान को संरक्षित किया जाना चाहिए, संरक्षित किया जाना चाहिए, आगे बढाया जाना चाहिए और इसे महान उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि जीवन के आदिवासी मूल्यों का सम्मान किया जाना चाहिए और सीयूओ के छात्रों को समाज के प्रति जिम्मेदार की भावना के साथ अध्ययन करना चाहिए उन्होंने आने वाले दिनों में ण्ळध्को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक में बदलने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय को एक साथ काम करने का आह्वान किया।

राजदूत अशोक सज्जनहर (कजाकिस्तान, स्वीडन और लातविया के के पूर्व राजदूत) ने स्थापना दिवस व्याख्यान देते हुए कहा कि "भारत इतने बडे.क्षेत्र, जनसंख्या, विविधता और विविधता के बावजूद आजादी के बाद से एक लोकतांत्रिक देश के रूप में उच्च सम्मान में है। संस्कृति और धर्मह्न ।

उन्होंने बताया कि भारत एक विकट स्थिति में है और यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोडते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों और अन्य निहित स्वार्थों के कारण भारत की एकता में बाधा आ रही है । उन्होंने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि अन्य देशों के साथ भारत का जुडाव सराहनीय है और भारत जीत की स्थिति में है।

धन्यवाद ज्ञापन सीयूओ के रजिस्ट्रार डॉ. असित कुमार दास ने प्रस्तुत किया। दर्शकों के बीच श्रीमती कमला देवी, माननीय कुलपति की अर्धांगीनी थीं। श्रीमती स्मिता पटनायक, कुलपति की बेहतर आधी, एनएडी, एचएएल, नाल्को, जिला पुलिस और जिला प्रशासन जैसे पडोसी संगह्नों के प्रतिष्ठित कर्मचारी, प्रेस के सदस्य, कोरापुट के स्थानीय इंटेलीजेंसिया, संकाय, सीयूओ प्रमुख उपस्थित थे।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित २६ अप्रैल २०१८ को माननीय कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहंती द्वारा दो दिवसीय शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ। रमेंद्र कुमार पारही भी उपस्थित थे। विभाग के संकाय और छात्रों को विशेष रूप से बधाई देते हुए, प्रो. मोहंती ने कहा कि शिल्प बच्चों के लिए सबसे शक्तिशाली शैक्षिक उपकरण है और प्रदर्शित वस्तुओं की गुणवत्ता के मामले में और प्रदर्शनी में समग्र माहौल असाधारण रूप से सुव्यवस्थित था। प्रशिक्षु शिक्षकों ने कागज शिल्प, सजावटी शिल्प, कार्यात्मक शिल्प और फैशन शिल्प, वस्त्र शिल्प और ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए और प्रदर्शित किए। सभी विभागों के छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों ने शिल्प प्रदर्शनी का दौरा किया और घटना के बारे में अपनी प्रतिक्रिया और टिप्पणी प्रदान की ।

२१वीं सदी में जन संचार और चुनौतियाँ और अवसर और विशेष व्याख्यान

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने दिनांक ०४ मई २०१८ को अपने सुनाबेढा परिसर में इक्कीसवीं सदी में जन मीडिया, चुनौतियाँ और अवसर विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया है। श्री बामपद त्रिपाठी, संपादक, दॉ समाज (ओडिआ दैनिक पत्र) ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विशेष व्याख्यान प्रदान किया था। प्रो. सचिदानंद मोहंति, कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और उद्घाटन भाषण प्रदान किया था। इस अवसर पर श्री महेश शर्मा, आजीवन सदस्य, लोक

सेवक मंडी और मुख्य संपादक वेब पोर्टल, ऑनलाइन, समाज, श्री समरेंदु दास, राज्य मुख्य ब्यूरौ, दॉ समाज, श्री राकेश कुमार पाढ़ी, संपादन प्रभारी, दॉ समाज, कोरापुट प्रमुख उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत श्री दीपिका टेकरी ने दिनांक ०३ मई २०१८ को हुई मृत्यु पर एक मिनट की शोक प्रार्थना के साथ की गई जो पीएचडी विद्वान, आरजीएन फेलो और मानव विज्ञान विभाग से प्रथम यूजीसी जेआरएफ थी। पूरी विश्वविद्यालय समुदाय और उपस्थित सभी अतिथियों ने सुश्री टेकरी के परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रो. मोहंति नेअपने उद्घाटन भाषण में फर्जी खबरों के खतरे और मॉस मीडिया रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता पर जोर दिया। उन्होंने अंतर अनुशासनात्मक अध्ययन के महत्व के बारे में बात की क्योंकि साहित्य से छात्र पत्रकारिता के क्षेत्र से बहुत कुछ सीख सकते हैं और इसके विपरीत ।

उन्होंने कहाकि आज हमें बहुभाषी होना है और हमें विभिन्न भाषाओं को सीखना है। हमारा विश्वविद्यालय सभी भाषाओं का सम्मान करता है। हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य न केवल युवा छात्रों को शिक्षित करना है बल्कि उन्हें रोजगारपरक बनाना भी है। युवा छात्रों न केवल युवा छात्रों को शिक्षित करना है, बल्कि उन्हें रोजगारपरक बनाना भी है। युवा छात्रों को इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बाजार में रोजगार के लिए विभिन्न उन्नत कौशल सीखना चाहिए। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपने संबंधित क्षेत्रों की आवश्यकता के बारे में अधिक जानें और उन्हें रोजगार के हिसाब से तैयार करें ।।

श्री त्रिपाठी ने अपने विशेष व्याख्यान में छात्रों के साथ अपने विशाल अनुभव को साझा किया, जिसमें आज मास मीडिया से होने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार का कर्तव्य समाज की सेवा करना है और उसे पत्रकारिता नैतिकता से चिपके रहना होगा । प्रौद्योगिकी प्रिंट मीडिया के लिए एक अवसर प्रदान करती है लेकिन इस तकनीकी युग में हमेशा प्रामाणिकता की चिंता होती है। पत्रकार के लिए सबसे बडी चुनौतियों में से एक है मीडिया हाउस के कॉरपोरेटाइजेशन से निपटाना"। इस 21 वीं सदी में मास मीडिया के लिए पर्याप्त मात्रा में अवसर आए हैं। समस्याएं चुनौतियां और अवसर पैदा करती हैं। त्रिपाढ्ढी ने अपने विशेष व्याख्यान में जोडा। सुश्री मर्सी मौसमी टेकरी ने कार्यक्रम का संयोजन किया और पीआरओ डॉ। फगुनाथ भोई ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर छात्र, संकाय और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अनुभाग द्वारा किया गया था ।

एनएसएस ब्यूरौ द्वारा दत्तक ग्रामों में जागरुकता अभियान

उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय ने - ६ मई २०१८ को राजपल्मा, नुगुदा और चकरलिपुट में गोद लिए गए गाँवों में जागरूकता अभियान चलाया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के एनएसएस ब्यूरो द्वारा आयोजित किया गया था। एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांवों में डोर टू डोर अभियान चलाया और स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।

उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। सचिदानंद मोहंती ने अपने संदेश में कहा कि गोद लिए गए गांवों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन एक सतत प्रयास है। इसके लिए आपसी विश्वास और समझ विकसित करने की आवश्यकता है, जो बदले में बडे.पैमाने पर समाज के लिए फायदेमंद होगा। एक शैक्षिक संस्थान के रूप में, विश्वविद्यालय विकास के इस मार्ग में एक सूत्रधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है । "

एनएसएस स्वयंसेवकों ने समुदाय के साथ बातचीत की और पडोसी समुदाय को परेशान करने वाले समस्याओं का पहला अनुभव प्राप्त किया। इस अभियान का उद्देश्य छात्र समुदाय के बीच जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है जो इस का भविष्य है । इस अभियान में विभिन्न विषयों के छात्रों ने भाग लिया और अपने समग्र ज्ञान का उपयोग करते हुए समुदाय को अपने संपूर्ण कल्याण के लिए स्वस्थ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समन्नयन एनएसएस के समन्नयक समन्नयक श्री सुजीत कुमार मोहंती द्वारा किया गया था और उनके साथ अन्य संकाय सदस्य डॉ। आदित्य के मिश्रा, डॉ। जीपी साहू, डॉ। सागरिका मिश्रा और मिस बी सोरेन-विश्वविद् प्रमुख सहायता की थी । विश्वविद्यालय ने अपने गोद लिए गाँवों में पहले से ही विभिन्न विकास गतिविधियाँ शुरू की हैं।

कविता क्लब की दूसरी बैठक

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने 10 मई २०१८ को मुख्य परिसर, सुनाबेढा में कविता क्लब की दूसरी बैढ्ढक आयोजित की। प्रो। सचिदानंद मोहंती, उप-कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की। प्रो. सचिदानंद मोहंती, कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की। इस क्षेत्र के प्रसिद्ध कवि श्री अमेय बिक्रम नंदन भुइयां, सुश्री स्वाति चटर्जी और सुश्री मीना स्वांई प्रमुख उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रोफेसर मोहंती द्वारा एम. ए.अंग्रेजी साहित्य के छात्र सिद्धार्थ गौतम जोशी द्वारा लिखी गई कविताओं की एक किताब *ऊद नेंत्व्ह* को दी गई।

प्रो.मोहंती ने विभिन्न विभागों के छात्रों और संकायों के रचनात्मक प्रयास पर बल दिया, जिन्होंने अपनी कविताओं और ओडिया, अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में स्थापित कवियों की कविताओं का पाढ्ढ किया। उन्होंने ओडिशा साहित्य के सुप्रसिद्ध कवि, बिद्युतप्रभा देवी की रचना, कविता प्रागट का भी पाढ्ढ किया। हिंदी में व्याख्याता डॉ। सतबाडी बेहरा ने अतिथि और श्री संजीत कुमार दास, हेड / सी, अंग्रेजी विभाग और सीयूओ कविता क्लब के सचिव ने स्वागत भाषण दिया। ओडिया में व्याख्याता डॉ। रुद्राणी मोहंती ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संयोजन विश्वविद्यालय की छात्रा सबीहा बानो और वर्षा पंडा ने किया।

जैव विविधता : मुद्दे तथा चुनौतिया" पर अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस और संगोष्ठी

21 वीं सदी की दुनिया, धरती मां के सामने सबसे बडी समस्या है, प्रजातियों का विलुप्त होना, प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति, अनिश्चित जलवायु स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों की कमी। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर, 2019 में उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय में ग्नी जैव विविधता संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियां 9विषयक संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए, कुलपति प्रो। सचिदानंद मोहंती ने कहा। उन्होंने कहा कि एक बेहतर दुनिया के लिए, जैव विविधता का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने में बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। कुलपति ने जैव विविधता अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें पर्यावरण उद्यमी बनने के लिए कहा।

संगोष्ठी 22 मई २०१८ को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता विभाग, कोरापुट के जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन विभाग, कोरापुट द्वारा आयोजित किया गया था। स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. शरत कुमार पलिता ने अतिथियों का स्वागत किया और थीम प्रस्तुत की। कागज। उन्होंने जैव विविधता संरक्षण और इसके सामने आने वाली चुनौतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. एम. मधु, निदेशक, आईसीएआर-मृदा और जल अनुसंधान संस्थान, सुनबेढा इस अवसर पर मुख्य अतिथि-सह-मुख्य वक्ता थे। उन्होंने जैव विविधता के संरक्षण के लिए मिट्टी और जल संरक्षण के महत्व पर बात की। उन्होंने मिट्टी में पोषक तत्वों के नुकसान और मिट्टी के क्षरण के नकारात्मक प्रभावों के मूल कारण को स्पष्ट किया। उन्होंने कृषि, वानिकी के संदर्भ में जैव विविधता में होने वाले नुकसान और वन संसाधन संरक्षण पर खेती को स्थानांतरित करने के प्रभावों पर जोर दिया।

श्री पी.के. मलिक, आईएफएस, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ), कोरापुट, सेमिनार के अतिथि ने विभिन्न जंगली वनस्पतियों के महत्व और आधुनिक समय में इसकी लुप्त होती प्रवृत्ति पर बात की। उन्होंने प्राकृतिक वन क्षेत्रों, इसके प्राकृतिक संसाधनों के अध्ययन और जैव विविधता के छात्रों के लिए प्रकृति को जीवित प्रयोगशाला बनाने पर जोर दिया।

अनुसंधान विद्वानों द्वारा तैयार एक जैव विविधता वृत्तचित्र फिल्म 'कोरापुट: द रूटेड पैराडाइज को इस अवसर पर प्रदर्शित किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने ूब जैव विविधता फोटो प्रदर्शनी और वॉल मैगजीन। बायोम" के दूसरे अंक में लिखा। डॉ। देवव्रत पांडा, सहायक प्रोफेसर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और बैठक की व्यवस्था डॉ। काकोली बनर्जी, असिस्ट प्रो और सुश्री स्वाति सकामबाडी मिश्रा द्वारा प्रबंधित की गई, रिसर्च स्कॉलर ने एंकर के रूप में काम किया।

४ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 21 जून २०१८8 को कोरीपुट में अपने लैंडिगुडा परिसर में योग दिवस का 4 वां अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया। प्रो। सचिदानंद मोहंती, माननीय कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -२०१८ मनाने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से अपील की कि वह योग को अपने संदेश में स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए अपनी दिनचर्या का एक अभिन्न अंग के रूप में शामिल करें।

कोरापुट के राम कृष्ण मिशन की संस्थापक और उल्लेखनीय शिक्षाविद् डॉ। अमूल्य रंजन महापात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय योग- २०१८8 पर एक व्याख्यान दिया। श्री। बीरेंद्र प्रसाद, सेवानिवृत्त योग शिक्षक केंद्रीय विद्यालय, रायपुर ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया। प्रो। भबानी प्रसाद रथ, ओएसडी- व्यवस्थापक, परीक्षा। और छात्र मामले डॉ। असित कुमार दास, रजिस्ट्रार, और प्रो के सी राउत, अधिष्ठाता-शिक्षाविद इस अवसर पर उपस्थित थे।

एमएचआरडी और यूजीसी के संयुक्त तत्वावधान में देश के सभी केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान २१ जून २०१८8 को योग का 4 वां अंतर्राष्ट्रीय दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को माननीय के एक प्रस्ताव के बाद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। ळर्न्डी में अपने भाषण के दौरान प्रधान मंत्री श्री नरेंद मोदी। जनसंपर्क अधिकारी डॉ। फगुनाथ भोई ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया । योग सत्र में विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारी और छात्र बडी संख्या में उपस्थित थे। ,

६९ वन महोत्सव

६९ वां वन महोत्सव, ६ जुलाई २०१८8 को कोरापुट के वन विभाग के सहयोग से, विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर, सनबेडा में एक वार्षिक वृक्षारोपण उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि। सुश्री पी. पूर्णिमा, आईएफएस, प्रभागीय वन अधिकारी, कोरापुट और श्री ए. उमा महेश, सहायक वन संरक्षक, कोरापुट ने कार्यक्रमों की सह-मेजबानी की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और वन प्रभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य परिसर में गुलेल के माध्यम से रोपण, नमूना रोपण का आयोजन किया गया।

प्रो। मोहंती ने अपने संबोधन में वन के महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें हरे और स्वच्छ स्वच्छ जंगल के निर्माण के लिए जीवन के प्रति अपने पूरे दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है। हमें न केवल इंसानों के लिए बल्कि जानवरों और पक्षियों के लिए भी एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाना होगा।उन्होंने बताया कि प्राचीन भारतीय परंपरा में वाना या जंगल के लिए एक विशेष स्थान था, क्योंकि मानव जीवन से गुजरता था। यह एक स्वस्थ जैव-विविधता बनाने की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे जितना संभव हो सके ट्रेस को बचाएं और पौधे लगाएं।

परामर्श के लिए अभिमुखिकरण कार्यक्रम

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने ९-१० जुलाई २०१८8 को कोरापुट में अपने लैंडिगुडा परिसर में काउंसलिंग में दो दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया। ह्यूमन कैपिटल फाउंडेशन, बेंगलुरु के सह-संस्थापक और काउंसलिंग नेता श्रीमती सुश्री मिश्रा ने एक विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। सचिदानंद मोहंती उन्मुखीकरण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे और उन्होंने उच्च शिक्षा स्थापित करने में परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्रीमती मिश्रा ने विशेष रूप से मानव शक्ति, उपलब्ध सुविधाओं और मानव व्यवहार पर विश्वविद्यालय के वातावरण का एक पायलट अध्ययन किया। उसने स्टूडेंट काउंसलर और हॉस्टल वार्डन का मार्गदर्शन किया और विश्वविद्यालय के छात्र के लिए काउंसलिंग में विभिन्न तरीकों और तकनीकों का सुझाव दिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ और अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया। यह विश्वविद्यालय के परामर्श और पीआर इकाइयों द्वारा समन्वित किया गया था।

प्रतिष्ठित प्रोफेसर मंजू जैदका का परिदर्शन

पंजाब विश्वविद्यालय से अंग्रेजी की प्रतिष्ठित प्रोफेसर मंजू जैदका ने ३१ जुलाई से १४ अगस्त २०१८8 तक कोरापुट के केंद्रीय विश्वविद्यालय में १५ दिनों के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने अंग्रेजी और विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में कई व्याख्यान दिए। । प्रो। सचिदानंद मोहंती, माननीय कुलपति ने प्रो। मंजू जैदका का स्वागत किया और विश्वविद्यालय आने और अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान देने के लिए आभार व्यक्त किया।

अपने प्रवास के दौरान उन्होंने ब्रिटिश मॉडर्न पोएट्री, डब्ल्यू बी. येटस का 'Second Coming', 'Sailing to Byzantium' और 'A Prayer for My Daughter', टी.एस. इलियट का 'The Love Song of J. Alfred Prufrock' और' The Waste Land', डब्ल्यू एच ऑडेन का 'In Memory of W.B. Yeats' और Sylvia Plath's 'Daddy'पर व्याख्यान दी । उन्होंने रचनात्मक लेख पर भी बात की।

फिल्म, टेलीविजन और नाटक उत्पादन में संचार के मौलिक तत्वों पर आमंत्रित वार्ता

दिनांक ३ अगस्त २०१८ को फिल्म, टेलीविजन और नाटक उत्पादन में संचार के मौलिक तत्वों विषय पर पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा एक आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया गया था । प्रो. अशोक मुखोपाध्याय, रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के पूर्व निदेशक तथा प्रोफेसर ने विशेष व्याख्यान प्रदान किया था।

'Changing Contours of English Studies' पर पैनल चर्चा का आयोजन

दिनांक ०७ अगस्त २०१८ को अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग ने 'Changing Contours of English Studies" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया था । यह सीयूओ के कुलपति प्रोफेसर सचिदानंद मोहांति द्वारा आयोजित किया गया था, जिनकी अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में हैदराबाद विश्वविद्यालय में स्थायी स्थिति है और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रोफेसर मंजू जैदका हैं। विभाग के प्रमुखों और प्रभारी श्री संजीत कुमार दास ने स्वागत भाषण प्रदान किया था।

रुबिकान को पार करते हुए अंग्रेजी के तीसर सेमेस्टर की एक छात्रा स्वागतिका दाश की कविताओं की एक घटना को आरंभ किया गया । प्रोफेसर मंजू जैदका ने संग्रह कविताएँ पढ़ी।

चर्चा करने वालों ने अपने अनुभवों के स्लाइस को विषय के साथ साझा किया। प्रोफेसर मोहांति ने कहाकि अंग्रेजी दुनिया का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि साहित्य की पद्धति में सुधार करना चाहिए, साथ ही प्रौद्योगिकी औरे बुनियादी ढांचे की प्रगति के साथ, दृष्टिकोण छात्र केंद्रि होना चाहिए । उन्होंने छात्रों से आलोचेनात्मक सोच और कल्पना शक्ति विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने अंग्रेजी के विभिन्न संस्करणों के अस्तित्व की पुष्टि की और कहा कि प्रत्येक संस्करण भाषाई

विविधता की स्वीकारोक्ति थी। प्रो. मोहंति के अनुसार एक शिक्षक की भूमिका अंर्तदृष्टि प्रदान करने के लिए है, जानकारी के लिए नहीं। उन्होंने अपनी दृष्टि को स्पष्ट करने के लिए अपनी पुस्तकों के अंशों का हवाला किया। दूसरी ओर प्रोफेसर जैदका ने छात्रों को साहित्य में शार्टकट की तलाश न करने के लिए आग्रह किया। दोनों विशेषज्ञों ने अपने व्यक्तिगत व्याख्यानों के माध्यम से देश में अंग्रेजी अध्ययन के विकास का वर्णन किया और छात्रों द्वारा प्रस्तुत सवालों का जवाब दिया।

७२वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य परिसर सुनाबेढा में दिनांक १५ अगस्त २०१८ को ७२वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने तिरंगा फहराया और कर्मचारियों और छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को कहा कि भारत का विश्व में एक अद्वितीय स्थान होना चाहिए, उसे अपने गौरवशाली अतीत को वापस लाना होगा, लेकिन उसका आधिपत्य नहीं होना चाहिए। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन चुनौतियों के साथ अवसर भी हैं। उच्च शिक्षा प्रणाली को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा द्वारा लोगों को जागरुक करके इन मुद्दों का सामना करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से विश्वविद्यालय और राष्ट्र के विकास के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।

दुकान परिसर का उद्घाटन

एक दुकान परिसर का उद्घाटन ७२वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुनाबेढा परिसर में सीयूओ के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति द्वारा किया गया। उन्होंने परिसर को अकादमिक समुदाय को समर्पित किया जो विश्वविद्यालय की बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर है।

पाठ्यचर्या के पार अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के ज्ञान की रूपरेखा और अन्य शैक्षणिक संबंध" पर संगोष्ठी व्याख्यान

शिक्षक शिक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने दिनांक १२ सितम्बर २०१८ को अपने सुनाबेढा परिसर में नॉलेज फ्रेमवर्क एंड इंटरनेशनॉल पेडागोगिकल कनेक्शन्स ऑफ द इंटरनेशनॉल बैकलॉकरी प्रोग्राम अक्रॉस द करिकुलम पर एक संगोष्ठी व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सचिदानंद मोहांति , कुलपति ने किया था । संगोष्ठी का व्याख्यान प्रो. सुरेंद्र सिंह चौहान, इंदौर के शिक्षा प्रोफेसर द्वारा दिया गया, जबकि विभाग के प्रभारी डॉ.रमेंद्र कुमार पाढ़ी ने स्वागत भाषण प्रदान किया ।

प्रो. मोहांति ने अपने उद्घाटन भाषण में छात्रों के लिए आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और वे इन चुनौतियों को कैसे पार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता है जो छात्रों को इक्कीसवीं सदी की देखी और अनदेशी चुनौतियां का सामना करने के लिए तैयार करें । प्रो. चौहान ने अपने संगोष्ठी व्याख्यान में अंतरराष्ट्री पाठ्यक्रम की खूबियां और अवगुणों को समझाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम शैक्षणिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है, बौद्धिक रूप से चुनौतिपूर्ण और भावानात्मक रूप से समृद्ध है। यह अंतरराष्ट्रीय स्कूल का एक विश्वव्यापी नेटवर्क है।

लैंगिक संवेदनशीलता और जागरुकता पर कार्यशाला

। सीयूओ की आंतरिक शिकायत समिति ने केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा में छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्यों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) के लिए ०३-०४ अक्टूबर २०१८ को 9लिंग संवेदनशीलत और जागरूकता 9पर एक कार्यशाला आयोजित की। प्रो। सीता वेंका, प्रबंधन अध्ययन के प्रोफेसर और आईसीसी पीठासीन अधिकारी, हैदराबाद विश्वविद्यालय दोनों सत्रों के लिए मुख्य वक्ता थे।

पहले दिन, विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्यों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो डॉ। मिनाती साहू, पीठासीन अधिकारी, आईसीसी, सीयूओ द्वारा स्वागत भाषण से शुरू होता है। उन्होंने लिंग-आधारित भेदभाव से मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद कुलपति प्रो। सचिदानंद मोहंती ने उद्घाटन भाषण दिया, जहां उनका जोर महिला शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता पर था, जिससे महिला सशक्तीकरण और मुक्ति हो सके। आगे दोनों महिलाओं और पुरुषों के लिए काम और निजी जीवन के बेहतर सामंजस्य के लिए, लैंगिक समानता बहुत आवश्यक है।

सीयूओ की आंतरिक शिकायत समिति ने केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा में छात्रों, अनुसंधान विद्वानों और विश्वविद्यालय स्टाफ सदस्यों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) के लिए ०३-०४ अक्टूबर २०१८8 को 9लिंग संवेदनशीलता और जागरूकता 9पर एक कार्यशाला आयोजित की। प्रो। सीता वेंका, प्रबंधन अध्ययन के प्रोफेसर और आईसीसी पीठासीन अधिकारी, हैदराबाद विश्वविद्यालय दोनों सत्रों के लिए मुख्य वक्ता थे।

प्रो। सीता ने पहले दिन अपने भाषण में बताया कि शिक्षा एक प्रमुख शक्ति है जो परिवर्तन को गति देने में मदद करेगी। लेकिन यह तभी होगा जब शिक्षकों और शिक्षार्थियों को कक्षा की उन पहलों को अपनाने में सहायता दी जाए जो एक सकारात्मक लिंग इक्विटी विचारधारा पर आधारित नई छवियों को दर्शाती हैं। दूसरे दिन, छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में, प्रो। सीता ने लैंगिक समानता पर जोर दिया और इसे एक ऐसी रणनीति के रूप में माना, जिसमें वांछित बदलाव लाने की बहुत अधिक क्षमता है क्योंकि इसमें राष्ट्रों और दुनिया के लडक़ों और लडकियों की व्यावहारिक और सामरिक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता है। । प्रतिभागियों के बीच दोनों कार्यशालाओं में विचार-विमर्श के बाद विचार-विमर्श किया गया। अंत में, इस कार्यक्रम का समापन आईसीसी सदस्य डॉ। सागरिका मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रदान किया गया।

वन्यजीव सप्ताह-२०१८

उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने ४ अक्टूबर २०१८ को वन्य जीवन सप्ताह -२०१८ मनाया। इस अवसर पर जैव-विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विभाग (ॐप्नें) ने रेलवे स्टेशन जंक्शन से ट्राइबल म्यूजियम, कोरापुट तक जागरूकता यात्रा का आयोजन किया। जनजातीय संग्रहालय, कोरापुट में ऊपगी वाइल्ड लाइफ का महत्व, उनके खतरों और संरक्षण: घंटे की आवश्यकता विषय पर एक विशेष बातचीत हुई।

प्रो. सचिदानंद मोहंती, कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री एम। मोतीलाल, ओएफएस, एसीएफ, जेयपोर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे, श्री प्रभाकर अधिकारी सचिव, प्रगति और प्रोफेसर पी. सी. महापात्र, निदेशक, र्ण्धैऊए गेस्ट ऑफ ऑनर थे। प्रो। एस.के.पालित, डीन, एसबीसीएनआर ने मुख्य भाषण दिया। डॉ। काकोली बनर्जी, असिस्टेंट प्रोफेसर, र्ण्धैऊए ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। डॉ। देवव्रत पांडा, सहायक प्रोफेसर ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रो। मोहंती ने अपने उद्घाटन भाषण में ॐप्नें के छात्रों और फैकल्टी को अवेयरनेस वॉक और जागरूकता मीटिंग के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को ओजोन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीन हाउस गैसों से खतरा है। धरती माता को इंसानों द्वारा देखभाल की आवश्यकता होती है, इससे पहले कि उसके पारिस्थितिक तंत्र को "ैक होने में बहुत देर हो जाए। प्रकृति के जीवित रहने के लिए हमें पृथ्वी और लोगों की सेवा के लिए खुद को समर्पित करना होगा।

श्री मोतीलाल ने छात्रों को प्रकृति के संरक्षण में दूसरों के लिए एक आदर्श बनने की सलाह दी। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति के संरक्षण और संरक्षण के लिए ग्रामीण गांव में एक माइक्रो-प्लान तैयार करना होगा और प्रकृति के बेहतर और प्रभावी संरक्षण के लिए ग्रामीण जन के साथ काम करना होगा।" श्री प्रभाकर अभिभावक ने लोगों की भागीदारी के साथ प्रकृति के संरक्षण के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बताया। प्रो.

महापात्र ने पहले मौजूद कोरापुट की वनस्पतियों और जीवों के बारे में बात की और प्रकृति और उसके संसाधनों के संरक्षण के लिए सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया।

प्रो. पालित ने अपने मुख्य भाषण में कोरापुट जिले के जैव विविधता हॉटस्पॉट के महत्व पर प्रकाश डाला और अकादमिक, बुद्धिमान और प्रकृति के संरक्षण के लिए बडे.समुदाय के संयुक्त प्रयासों के लिए अनुरोध किया। उन्होंने आगे जैव विविधता के संरक्षण के लिए स्थायी साधनों पर जोर दिया ।

विश्वविद्यालय के लेंडीगुडा परिसर में एक प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया गया जहाँ विश्वविद्यालय समुदाय ने स्वच्छ, हरित पर्यावरण और वन्य जीवों के संरक्षण के लिए संकल्प लिया। प्रोफेसर भबानी प्रसाद रथ, ओए डी और डॉ. असित कुमार दास, रजिस्ट्रार ने छात्रों को जागरूकता वॉक में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। डॉ। काकोली बनर्जी, असिस्ट प्रोफेसर, डीबीसीएनआर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। सुश्री एनी लतीफ, विद्वान, डीबीसीएनआर ने कार्यक्रम का संकलन किया। इस अवसर पर डीबीसीएनआर के अनुसंधान विद्वान, छात्र और कर्मचारी उपस्थित थे। पीआरओ डॉ. फगुनाथ भोई ने जागरूकता वॉक का समन्वय किया।

5 ५ अक्टूबर २०१८ को, प्रोफेसर एस. मोहंती, कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एक अवेयरनेस वॉक का नेतृत्व किया, जो शैक्षणिक ब्लॉक में संपन्न हुआ। इसके बाद, कुलपति ने ॐपैं के छात्रों द्वारा आयोजित वन्यजीवों के खतरों और संरक्षण (फोटोग्राफी, ललित कला / चित्रकारी, कार्टून स्केच और मॉडल के माध्यम से) के विभिन्न पहलुओं पर प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया और प्रदर्शनियों को छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन के लिए खोला गया। इस समारोह में डॉ.देबाशीष देब, कार्यकारी निदेशक, एचएएल, सुनबेदा और मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो। मोहंती ने भाग लिया। छात्रों ने वन्य जीवन संरक्षण, भारत की सांस्कृतिक विविधता पर दह ट्राइबल डांस पर ध्यान देने के साथ संलयन नृत्य प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि और गेस्ट ऑफ ऑनर ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

मान्यवर ओड़िशा के राज्यपाल सीयूओ का परिदर्शन

महामहिम प्रो. गणेशी लाल, ओडिशा के माननीय राज्यपाल ने दिनांक 14 नवंबर २०१८ को ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, सुनबेडा परिसर का दौरा किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहंती ने विश्वविद्यालय अतिथि भवन में उनका हार्दिक स्वागत किया।

कुलपति,सीयूओ और माननीय राज्यपाल के बीच एक औपचारिक चर्चा हुई। प्रो. मोहांति ने माननीय राज्यपाल को विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और विकास के बारे में जानकारी दी जैसे कि ऐतिहासिक एनएएएसी मान्यता, एचएएल, सुनाबेढा के साथ समझौता ज्ञापन, और सीओएटीएस, कोरापुट को चौबिस घंटे पानी और बिजली की सुविधा, स्ट्रीट लाइट और हाई मास्ट लाइट, ड्रेनेज सहित बुनियादी ढांचे का विकास प्रणाली, आंतरिक सडकें, परिसर का सौंदर्यकरण, अस्थायी शापिंग परिसर, खेलकूद परिसर, बीएसएनएल टावर, जीओ टावर, एटीएम, बडे.पैमाने पर वृक्षोरोपण, पुस्तकालय सुविधाएं, छात्रावास सुविधाएं, मुफ्त वाई फाई सुविधा, सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम, एक भारत श्रेष्ठ भारत और उन्नत भारत अभियान आदि । माननीय राज्यपाल ने उन वर्षों में विश्वविद्यालय द्वारा किए गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्री झिन हिका, मान्यवर सांसद, कोरापुट, श्री प्रफुल पांगी, मान्यवर विधानसभा सदस्य, श्री मधुसूदन पांढी, आईएएस, राज्यपाल के मुख्य सचिव, श्री के सुदर्शन चक्रवर्ती, जिला माजिस्ट्रेट तथा जिलापाल, प्रो. के. सी. राउत, अधिष्ठाता, शैक्षणिक, प्रो. एस.के. पालित, अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर, डॉ. असित कुमार दास, कुलसचिव, वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण, श्री वी आर राव, ओपीएस- ६, एएसपी, कोरापुट, डीएसपी कोरापुट, एसडीपीओ, सुनाबेढा, आईआईसी, सुनाबेढा, आईआईसी, कोरापुट और राजभवन, भुवनेश्वर के अधिकारीगण और सीयूओ और जिला प्रशासन के अधिकारीगण उपस्थित थे ।

मान्यवर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का परिदर्शन किया और विद्यार्थियों से बातचीत की।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का दूसरा चरण

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एक प्रमुख कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के दूसरे चरण का उद्घाटन १९ नवम्बर २०१८ को कोरापुट स्थित ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति ने किया। भंज मंडप, सुनाबेढा, एचएएल, ईबीएसबी युग्मित राज्यों के नियमों के अनुसार, अन्य युग्मित राज्य की संस्कृति, भाषा और साहित्य पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करना हैं और ओड़िशा को महाराष्ट्र के साथ जोड़ा जान है।

इस अवसर पर महाराष्ञ्र के संगीत पर एक विशेश व्याख्यान प्रो. श्रुति सडोलीकर कटकर, कुलपति, भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा दिया । परिचायक नौअ श्री गौरव गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, जनसंचार तथा पत्रकारिता विभाग, तथा समन्वयक, ईबीएसबी द्वारा दिया गया था। प्रो. के. से. राउत, अधिष्ठाता, शैक्षणिक तथा नोडाल अधिकारी ने थेमाटिक भाषण प्रदान किया । प्रो. एस.के. पालित, अधिष्ठाता, बीसीएनआर, सीयूओ ने स्वागत भाषण प्रदान किया था। डॉ. संदीप सपकाले, दूरस्थ शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा भी मंच पर मौजूद थे ।।

कुलपति प्रो. मोहांति ने अपने उद्घाटन भाषण में भारत के कुछ मौलिक विचारकों की शिक्षओं के आधार पर अथवा एक भारत श्रेष्ठ भारत के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि जब हम अनेकता में एकता में विश्वास करते हैं तो हम एकरुपता में एकता में विश्वास नहीं करते हैं। सिस्टर निवेदिता, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और अरबिंद जैसे दिग्गजों के विचारों और कार्यो का हवाला करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की कोई साम्राज्यवादी महात्वाकांक्षा नहीं थीं, यह सभी के बीच शांति और भलाई के लिए खड़ा होना था ।

प्रो. एस.एस. कटकर ने महाराष्ट्र के संगीत" पर एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र में लोरी (अंगाई गीत), लोका गीता भरूड, भांड, ओवी, तमाशा, लावणी, कथा / कीर्तन, सहारी पोवाडा एट अल जैसे विभिन्न संगीत रूपों के बारे में चर्चा की। । अपनी मधुर आवाज में उन्होंने लोरी, ओवी और लावणी गाकर प्रदर्शन किया जो उनके व्याख्यान का आकर्षण का केंद्र था। उसने म्यूजिक मेकिंग के महत्व पर जोर दिया, जिसमें लेखन, निर्माण, टेक्स्टिंग और इंस्ट्रूमेंट्स के साथ काम करना भी शामिल है। डॉ। सपकाले, विश्वविद्यालय की अपनी दूसरी यात्रा पर, सीयूओ छात्रों के लिए बोले गए मराठी पाठ्यक्रम के लिए संकाय होनेपर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने ओडिया और मराठी भाषाओं के संबंधों को मजबूत करने का आग्रह किया।

डॉ. रुद्राणी मोहंती, व्याख्याता, ओडिया भाषा और साहित्य विभाग, सीयूओ ने उद्घाटन समारोह के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव रखा और उसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्नेहा कुदपे एंड ग्रुप (दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा नामित मंडली) ने महाराष्ट्र के लोक नृत्य - लावणी, कोली और गोंदिया नृत्य को प्रस्तुत किया। सभी कलाकारों को श्री देबाशीष देब, ईडी, एचएएल द्वारा सम्मानित किया गया और वीसी प्रोफेसर एस मोहंती ने कलाकारों और नर्तकियों का सम्मान किया।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद डॉ. सपाकले के प्रशिक्षण के तहत सीयूओ के छात्रों के लिए स्पोकन मराठी कार्यशाला हुई। कार्यक्रम केंद्रीय उडीसा विश्वविद्यालय और दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, संस्कृति मंत्रालय, सरकार के बीच सहयोग में आयोजित किया गया था। भारत की। १४ स्पीकिंग के कुल २८ छात्रों को मराठी स्पीकिंग कोर्स के लिए चुना गया था जो कि ईबीएसबी कार्यक्रम के तहत २० नवंबर से २५५ नवंबर तक एक प्रवेश परीक्षा के माध्यम से आयोजित किया गया था।

आडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कविता क्लब की तीसरी बैठक

उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपने कैंपस क्लब की तीसरी बैठक 5५ दिसंबर २०१८ को मुख्य परिसर सुनैबेदा में आयोजित की। प्रो। सचिदानंद मोहंती, कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की। प्रो.सचिदानंद मोहंती, कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन और अध्यक्षता की। डॉ। प्रीतिधारा समल, कोरापुट, श्री रबी सत्पथी, कोरापुट और सुश्री माधुरी पंडा, दमनजोडी ने क्षेत्र के जाने-माने कवियों को इस अवसर बधाई दी और 9मनीसा", 9सहारा भितरे थाई", बू", छई", और से बुझे बोलि ता क्रमश:। विभिन्न विभागों के छात्रों ने अपनी स्वयं की रचनाओं और कुलपति की उपस्थिति का पाठ किया, जिन्होंने बहुत अंत तक नवोदित कवियों को प्रोत्साहन और उत्साह प्रदान किया।

प्रो। मोहंती ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए पोएट्री क्लब" को बधाई दी। उन्होंने कविता को एक कठिन कला माना और कहा कि सच्चा कवि वह था जो हमेशा सामाजिक क्षेत्र से अलगाव की मांग करता था। उन्होंने अनुशासन और प्रवचनों में विद्यमान पदानुक्रमों को दूर करने के लिए अपना दृढ.विश्वास व्यक्त किया, जिसने साहित्य और विशेष रूप से कविता की कला के क्षेत्र को परिभाषित किया और हर विषय और हर भाषा की स्वायत्तता और विशेषता पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को कविता की विभिन्न बारीकियों को याद करने के लिए और अधिक भाषाएँ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने ओडिया साहित्य की प्रसिद्ध कवि बिद्युतप्रभा देवी की एक रोमांटिक कविता का पाठ किया।

हिंदी विभाग में व्याख्याता डॉ. सताब्दी बेहरा ने अतिथि और अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री संजीत कुमार दास और सीयूओ कविता क्लब के सचिव ने स्वागत भाषण दिया। ओडिया विभाग में व्याख्याता डॉ। रुद्राणी मोहंती ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम की रचना सुश्री रचना और श्री बाल्मीकि करुणा द्वारा की गई थी, जो क्रमश: अंग्रेजी विभाग और ओडिया भाषा और साहित्य विभाग के छात्र थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र, संकाय और कर्मचारी बडी संख्या में उपस्थित थे।

७०वां गणतंत्र दिवस समारोह

केंद्रीय उडीसा विश्वविद्यालय, कोरापुट ने अपने सनबाडा परिसर में २६ जनवरी 2019 को 7७०वें गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर प्रो। सचिदानंद मोहंती ने तिरंगा फहराया और विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सामूहिक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 9लोकतंत्र के लिए सार्वभौमिक मताधिकार जरूरी है।" डीन, स्कूल ऑफ बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज, प्रो शरत कुमार पालित ने माननीय कुलपति का स्वागत किया और संपूर्ण विश्वविद्यालय समुदाय को संभव उपलब्धियों के लिए बधाई दी।

प्रो. मोहांति ने अपने संबोधन में वर्तमान परिदृश्य में एकता और विविधता, बहु-सांस्कृतिक शिक्षा, देश के लिए राष्ट्रवाद, शिक्षा और स्वास्थ्य के संदर्भ में देश के लिए चुनौतियों और चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत एक संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्र के रूप में एकजुटता की भावना के कारण हजारों वर्षों तक जीवित रहा। नागरिकता एक राजनीतिक कार्य नहीं है जिसे हर पांच साल में किया जान चाहिए। नागरिकता एक कार्य प्रगति पर है। भारतीय मतदाताओं को राष्ट्र में शांति के लिए श्रेय दिया जान चाहिए।

भारत की आजादी के संघर्ष में अपना जीवन देने वालों की याद में ३० जनवरी २०१९ को मौल पालन

भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में अपना जीवन देने वालों की याद में, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय ने ३० जनवरी २०१९ को दो मिनिट का मौन रखा । सीयूओ परिसर में दो मिनिट के लिए मौन देखा गया।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति संयुक्त सचिव का परिदर्शन

श्री एस.के. राह्यो, आईएफएस, भारत सरकार के संयुक्त सचिव, अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव, नई दिल्ली ने 23 फरवरी 2019 को उडीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने प्रो. सचिदानंद मोहंती, माननीय कुलपति के साथ बातचीत की। कोरीपुट के लैंडिगुडा में विश्वविद्यालय परिसर में औपचारिक बैठक हुई। प्रो एस के पालित, डीन, एसबीसीएनआर; प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार; श्री के. कोसला राव, वित्त अधिकारी प्रभारी डॉ. फगुनाथ भोई, जनसंपर्क अधिकारी; डॉ. कपिला खेमुंडू, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी, समाजशास्त्र विभाग; डॉ. श्रीनिवास बी कोटक, सहायक प्रोफेसर मानव विज्ञान विभाग, डॉ. प्रशांत कुमार बेहरा, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रभारी, अर्थशास्त्र विभाग; श्री. सुधाकर पटनायक, ओआईसी और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

प्रो. मोहंती ने विश्वविद्यालय में प्रवेश और भर्ती में अनुसूचित जनजाति के आरक्षण की स्थिति पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। श्री राह्यो ने विश्वविद्यालय में एससी / एसटी समुदाय के सुधार के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया जैसे कि छात्रावास की सुविधा, छात्रवृत्ति, विशेष कोचिंग के लिए सुविधाएं, उन्हें राष्ट्रीय मुख्यधारा में लाने के लिए कौशल विकास। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए समर्थन का आश्वासन भी दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की जो एसटी समुदाय के हैं।

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट की वार्षिक खेलकूद समारोह-२०१९

केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा का चार-दिवसीय वार्षिक खेलकूद मीट -2019 दिनांक २४-२७ फरवरी 2019 के दौरान अपने सुनबेढा परिसर में आयोजित किया गया था। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिदानंद महंती ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रो। एस। पालिता, अध्यक्ष, स्पोर्ट्स मीट मुख्य अतिथि के रूप में। प्रो। मोहंती ने मार्च पास्ट के दौरान प्रतिभागियों की सलामी ली।

7२७ खेल स्पर्धाओं में कुल 204 एथलीटों ने भाग लिया। विभिन्न खेल गतिविधियों में एथलेटिक ईवेंट (१०० मीटर रूनीबग, २०० मीटर रनिंग, ४०० मीटर रनिंग, 4 × १०० रिले रेस), इंडोर गेम्स (कैरम, शतरंज, बैडमिंटन) और ग्रुप इवेंट (क्रिकेट, वॉली बॉल, कबड्डी) आदि थे। २७ फरवरी २०१९ को मान्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ कुलपति प्रो। मोहंती ने विभिन्न आयोजनों के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। मंच पर अन्य सम्मानित अतिथि प्रो शरत कुमार पालिता, डीन-एसबीसीएनआर और चेयरमैन, खेल समिति, प्रो. भबानी प्रसाद रथ, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर और ओएसडी-परीक्षा, प्रो. किशोर चंद्र राउत, डीन-एकेडमिक्स, प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रो. मोहंती ने विश्वविद्यालय में पहली बार वार्षिक स्पोर्ट्स मीट के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र निर्माण के लिए खेल के रूप में खेल लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग है, हमें राष्ट्र निर्माण के लिए खेलकूद करना चाहिए। खेल छात्रों को अधिक अनुशासित और केंद्रित बनने में मदद करते हैं। प्रो। रथ ने अपने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स को वार्षिक स्पोर्ट्स मीट -2019 के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद और बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने प्रसिद्ध खेल व्यक्तियों और खेल जगत में उनके योगदान को याद किया और कहा कि आप (छात्रों) ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन करके एक रिकॉर्ड बनाया है। हो सकता है कि यह एकता इस तरह से खडी हो और भविष्य में ऐसी कई और घटनाएं सामने आएं।

प्रो. पालित, अध्यक्ष, खेल समिति ने अपने संबोधन में इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को उनके प्रयास और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों की ऊर्जा को प्रसारित करने के लिए खेल के अलावा कोई अन्य माध्यम नहीं है। खेल लोगों में सार्वभौमिक भाईचारा और भाईचारा लाता है। प्रो असित कुमार दास, रजिस्ट्रार ने अपने संबोधन में छात्रों को घटनाओं में सक्रिय भागीदारी के है और प्रयासों से इस आयोजन को एक शानदार सफलता मिली। जीतना या हारना मायने नहीं रखता है, यह आपकी भागीदारी है, खेल का आनंद लेने के लिए भावना और खेल के आकर्षण को सलाम करना चाहिए। प्रो. के.सी. राउत ने वोट ऑफ थैंक्स का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का समन्वय सीयूओ की खेल समिति द्वारा डॉ। रमेंद्र कुमार परी और श की देखरेख में भी किया गया था। ज्योतिष्का दत्त, अस्तेय। प्रोफेसर। श्री सौरव गुप्ता, सहायक प्रोफेसर ने समापन समारोह की एंकरिंग की थी ।

संबलपुर विश्वविद्यालय में ३४वां अंतर विश्वविद्यालय केंद्रीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव में भागीदारी

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ३७ विद्यार्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने ३४वें अंतर विश्वविद्यालय केंद्रीय क्षेत्रीय युवा महोत्सव (जुआन परव) -२०१८ में भाग लिया जो कि ७-११ जनवरी २०१९ को संबलपुर विश्वविद्यालय, ज्योति विहार, बुर्ला, संबलपुर, ओड़िशा में आयोजित हुआ था । सीयूओ टीम मार्गदर्शन कर रहे थे डॉ. रुद्राणि मोहांति, व्याख्याता, भाषा तथा साहित्य विभाग, और श्री सुशांत कुमार, व्याख्याता, कंप्यूटर विज्ञान और उनके साथ छ: कर्मचारी ।

सीयूओ के स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के आधार पर भाग लेने वाले छात्रों की अंतिम सूची का चयन किया गया था।

सीयूओ के प्रतिभागियों ने १३ खेलकूदों में भाग लिया था। लाइट वोकल, नृत्य (लोक तथा शास्त्रीय), योग, वाद-विवाद, स्किट, माइम, स्पॉट पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग, क्ले मॉडलिंग, स्पॉट फोटोग्राफी, और मेहंदी जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली टीम ने सांस्कृतिक रैली में तीसरा पुरस्कार हासिल किया । संबलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार बेहेरा ने सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया।

सम्मान समारोह

संबलपुर में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम और मध्य क्षेत्र युवा महोत्सव के प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए 21 जनवरी, 2019 को सुनबेडा में एकेडमिक ब्लॉक-एक के सेमिनार हॉल में एक सम्मान समारोह" आयोजित किया गया था।

प्रो. सचिदानंद मोहंती, माननीय कुलपति ने भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए। इसके अलावा मंच पर मौजूद प्रो के सी राउत, डीन एकेडमिक्स, प्रो. एस के पलित, डीन, एसबीसीएनआर और डीएसडब्ल्यू, श्री सौरव गुप्ता, एसिस्ट थे। प्रोफेसर, डीजे और एमसी और संयोजक, एक भारत श्रेष्ठ भारत, डॉ.रुद्राणी मोहंती और श्री सुशांत कुमार, इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिबल के लूप लीडर्स आदि ।

विद्यार्थी परिषद का गठन

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पहले छात्र परिषद, कोरापुट का गठन शैक्षणिक वर्ष: २०१८-१९ प्रति प्रावधान, सीयूओ कानून के ३६- और अध्यादेश -2009 के लिए किया गया था। छात्र परिषद २०१८ के स्वीकृत विनियमन के अनुसार, छात्र परिषद का चुनाव १६ नवम्बर- २०१८ को हुआ था। शैक्षणिक वर्ष-२०१८-१९ के लिए छात्र परिषद में अध्यक्ष के रूप में डीएसडब्ल्यू, एक एसोसिएट डीन, छात्रों के कल्याण और मौजूदा शिक्षण विभागों के 29 छात्रों को चुना गया और नामांकन के साथ-साथ नामांकन के माध्यम से प्रतिनिधियों के रूप में शामिल किया गया।

30 नवंबर २०१८8 को छात्र परिषद की पहली बैठक बुलाई गई थी। माननीय कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहंती और डीएसडब्ल्यू के के. सी. राउत के औपचारिक संबोधन के बाद, छात्र सदस्यों ने विकास गतिविधियों से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाया। विश्वविद्यालय परिसर, छात्रावास में आवास, वाई-फाई कनेक्टिविटी, अनुसंधान अध्येताओं को फैलोशिप संवितरण का नियमितीकरण आदि।

सीयूओ २०१८-१९ के छात्र परिषद की दूसरी बैठक 1 जनवरी, 2019 को आयोजित की गई थी। प्रो. एस.के. पलिता, डीएसडब्ल्यू प्रभारी और प्रो असित कु. दास, रजिस्ट्रार, श्री.के. कोसल राव, वित्त अधिकारी प्रभारी, ने बैठक में भाग लिया। इस बैठक में वार्षिक खेल और वार्षिक सांस्कृतिक दिवस आयोजित करने के लिए चर्चा की गई। एटीएम सुविधा और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के प्रावधान पर भी चर्चा की गई।

सीयूओ २०१८-१९ के छात्रों की परिषद की तीसरी बैठक १५ फरवरी 2019 को आयोजित की गई थी। मुख्य चर्चा वार्षिक स्पोर्ट्स मीट -2019 के सुचारू संचालन पर केंद्रित थी। चार छात्र प्रतिनिधियों (02 लडक़ों और 02 लडकियों) को विश्वविद्यालय खेलसमिति के लिए नामित किया गया था।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने इस अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की हैं :

- आईसीसी द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता और जागरुकता कार्यशाला
- कर्मचारियों (शैक्षिक और गैर-शैक्षणिक) के लिए लैंगिक संवेदनाशीलता और जागरुकता कार्यशाला

आंतरिक शिकायत समिति ने उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सदस्यों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) के लिए 03 अक्टूबर २०१८8 को जेंडर सेंसिटिविटी एंड अवेयरनेस पर एक कार्यशाला का आयोजन किया, जो दोनों परिसरों (मुख्य परिसर और लांडीगुड़ा परिसर) में केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा में है। प्रो. सीता वेंका, आईसीसी पीठासीन अधिकारी, हैदराबाद विश्वविद्यालय इस अवसर के लिए मुख्य वक्ता थे। कुलपति प्रो। मोहंती ने अपने उद्घाटन भाषण के दौरान महिला शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर दिया जिससे महिला सशक्तीकरण और मुक्ति हो सके। इसके अलावा, महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए काम और निजी जीवन के बेहतर सामंजस्य के लिए लैंगिक समानता बहुत आवश्यक है। प्रो सीता वेंका, आईसीसी की अध्यक्षता कर रहे प्रो। सीता ने अपने भाषण में बताया कि शिक्षा एक प्रमुख शक्ति है जो परिवर्तन को गति प्रदान करने में मदद करेगी। लेकिन यह तभी होगा जब शिक्षकों और शिक्षार्थियों को कक्षा की उन पहलों को अपनाने में सहायता दी जाए जो एक सकारात्मक लिंग इक्विटी विचारधारा पर आधारित नई छवियों को दर्शाती हैं। शिक्षक और कर्मचारी युवा दिमाग को प्रभावित करके, उन्हें सलाह देकर, कक्षा के अंदर और बाहर उन्हें आकार देकर एक महान भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यौन उत्पीड़न न केवल व्यक्तिगत क्षेत्र (घर) पर बल्कि कार्यस्थल के भीतर भी होता है। वह अपने हाथ में कानून नहीं लेने के लिए आगाह करती है, बल्कि किसी को निवारण के लिए उचित प्रक्रिया के माध्यम से कानून की तलाश करनी चाहिए। यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए, वह इस विचार के साथ थी कि जीवन की जटिलता के कारण, व्यक्तिगत और पेशेवर मोर्चे पर संवेदनशीलता की आवश्यकता है। उसने कर्मचारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया। अंत में, प्रतिभागियों के बीच चर्चा के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

विद्यार्थियों और शोध छात्रों के लिए लैंगिक संवेदनशीलताऔर जागरुकता कार्यक्रम

आंतरिक शिकायत समिति ने ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों और शोध छात्रों के लिए दिनांक ०४ अक्तूबर २०१८ को लिंग संवेदनशीलता और जागरुकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया । प्रो. सीता वेंका, आईसीसी, पीठासीन अधिकारी, हैदराबाद विश्वविद्यालय इस अवसर के मुख्य वक्ता

अतिथि। प्रो. सीता ने लैंगिक समानता पर जोर दिया और इसे एक ऐसी रणनीति के रूप में माना, जिसमें वांछित बदलाव लाने की बहुत अधिक क्षमता है क्योंकि इसमें बडे.पैमाने पर राष्ट्रों और दुनिया के लडक़ों और लडकियों की व्यावहारिक और सामरिक आवश्यकताओं को संबोधित करने की क्षमता है। इस लिंग संवेदीकरण के लिए बडे.पैमाने पर महिलाओं और उनकी समस्याओं के प्रति लोगों की संवेदनशीलता बढ.जाती है। उन्होंने छात्रों से अपने दृष्टिकोण में रचनात्मक होने और समाज को बदलने के लिए परिवर्तन के एजेंट होने का आग्रह किया। विचार-विमर्श के बाद, प्रतिभागियों के बीच मस्तिष्क की तूफानी चर्चा हुई।

विद्यार्थियों और शोध छात्रों के बीच प्रतियोगितायें

समिति (आईसीसी) ने यूजी, पीजी और रिसर्च स्कॉलर्स के लिए 1 मार्च 2019 को समूह गीत प्रतियोगिता और आधुनिक पेंसिल कला प्रतियोगिता का आयोजन किया है। ग्रुप सांग प्रतियोगिता की थीम 'राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका" और आधुनिक पेंसिल कला प्रतियोगिता के लिए गांधीजी और महिलाओं का सशक्तिकरण थी।

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस २०१९ समारोह

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने दिनांक ८ मार्च २०१९ को ओकेंवि में में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस २०१९ का आयोजन किया है । इस समारोह में पद्मश्री विजेता श्रीमति कमला पुजारी, ओडिशा राज्य योजना बोर्ड की सदस्या और डॉ अपर्णा मोहांति, प्रसिद्ध नारीवादी और ओडिया कवयित्री इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, कुलपति और कुलसचिव द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ था। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत भाषण प्रदान किया था।

आईसीसी पीठासीन अधिकारी, डॉ। मिनाती साहू ने सभा का स्वागत किया और इस आयोजन के महत्व को रेखांकित किया। माननीय कुलपति प्रो.शरत कुमार पालिता ने अपने उद्घाटन भाषण में महिला आंदोलन की शुरुआत का पता लगाते हुए कहाकि महिला और पुरूष दोनों अविभाज्य हैं । उन्होंने महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला लेकिन उनकी पहचान का मुद्दा उठाया। वह महिला लोक के प्रति मानसिकता बदलने और उनके काम को स्वीकार करने की वकालत करता है। यहां तक कि उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. असित कुमार दास ने अपने भाषण में महिलाओं को जीवन का सार माना है, लेकिन महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उनके वशीकरण और तनावों के बारे में चिंता जताई है। इसके बाद आईसीसी सदस्य डॉ। सतबाडी बेहरा ने गणमान्य व्यक्तियों का संक्षिप्त परिचय दिया। इस महत्वपूर्ण घटना में,सीयूओ ने दोनों गणमान्य व्यक्तियों को उनके संबंधित क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

श्रीमती पुजारी ने इस अवसर के मुख्य अतिथि जयपुर से नई दिल्ली की अपनी व्यक्तिगत यात्रा के साथ-साथ जैविक खेती को बढावा देने के साथ धान के बीज के संरक्षण में अपने काम को साझा किया। वह छात्रों को समाज की भलाई के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ। अपर्णा मोहंती ने बहुत ही आकर्षक ढंग से नारीवाद का सार बताया। वह महिलाओं की मुक्ति की आवश्यकता पर बल देती हैं और कैसे पाटीदार समाज को स्वस्थ विकास प्रणाली को विकसित करने के लिए उस मुक्ति की शक्ति का सम्मान करना चाहिए ।

अंत में, समूह गीत और आधुनिक पेंसिल कला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए जो आंतरिक शिकायत समिति द्वारा आयोजित किए गए थे। अंत में यह आयोजन समापन गीत के साथ संपन्न हुआ, जिसके बाद आईसीसी के सदस्य श्री बिजयनंद प्रधान ने औपचारिक वोट डाला।

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एक समावेशी भारत की वास्तुकला का निर्माण करने में मदद करने के लिए ज्ञान संस्थान का लाभ उठाकर ग्रामीण विकास प्रक्रियाओं में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के प्रयोजन से राष्ट्रीय शिक्षा दिवस २०१४ पर उन्नत भारत अभियान (यूबीए) की शुरूआत की है्

यूबीए को उचित तकनीकी आविष्कारों के माध्यम से ग्रामीण भारत की विकास चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों को जोड़ने के लिए एक आंदोलन के रूप में संकल्पित किया गया है२७ अगस्त २०१५ को कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति के मार्गदर्शन में ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ का गठन किया गया था ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इसके आसपास के पाँच गावों चिकापार, चकरलिपुट, राजपालमा, बलदा और नुगुडा को गोद लिया है प्रो। सचिदानंद मोहंती, कुलपति, उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण और भागीदारी के तहत; उडीसा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के उन्नाव भारत अभियान सेल ने 04 नवंबर, २०१८8 को गाँव, राजपालमा में गोद लिए गए विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कुलपति प्रो। सच्चिदानंद मोहंती ने ग्रामीणों को स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में बताया। जनरल नारायण मोहंती (कार्यक्रम के मुख्य अअतिथि) भी विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों को संबोधित करते हैं। जनरल नारायण मोहंती (कार्यक्रम के मुख्य अतिथि) भी विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों को संबोधित करते हैं विश्वविद्यालय की ओर से डॉ। ए.के. दास, रजिस्ट्रार; प्रो एस के पालिता, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के स्कूल के डीन; डॉ। मीरा साविन, संकाय नृविज्ञान; डॉ। आदित्य केशरी मिश्रा, और डॉ। सागरिका मिश्रा, संकाय समाजशास्त्र; और डॉ। मधु सुधन महापात्र, यूनिवर्सिटी फिजिशियन; शिविर में प्रस्तुत किए गए और विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों के साथ चर्चा की गई। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ। जयंत कुमार नायक, नोडल अधिकारी, यूबीए सेल, केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा द्वारा किया गया था। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में भी सवाल पूछे। मुख्य जिला चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों, कोरापुट को भी रोगियों की स्वास्थ्य जांच में सक्रिय रूप से भाग लिया गया था। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ। जयंत कुमार नायक, नोडल अधिकारी, यूबीए सेल, केंद्रीय विश्वविद्यालय उडीसा द्वारा किया गया था। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में भी सवाल पूछे। मुख्य जिला चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों, कोरापुट को भी रोगियों की स्वास्थ्य जांच में सक्रिय रूप से भाग लिया गया था। वे हैं, डॉ. संजीव कुमार बेहरा, चिकित्सा अधिकारी, पीएचसी (एन) सेमीलीगुडा; डॉ। स्मृतिरंजन परीदा, एलटीआरएमओ, डीएचएच कोरापुट (अब पुलिस अस्पताल, कोरापुट में); डॉ। रामनरेश यादव, थ्ढ्रॅश्६, ्प्प् कोरापुट (अब पुलिस अस्पताल, कोरापुट में); श्री राम कुमार मद्दी, फार्मासिस्ट, सीएचसी सनबेडा; श्री सुजीत कुमार साहू, एमपीएचडब्ल्यू (एम), सीएचसी माथलपुट; श्री सुशांत कुमार भांजा, एमपीएचडब्ल्यू (एम), सीएचसी माथलपुट; और सुश्री तनुजा बेहरा, एमपीएचडब्ल्यू (एफ), सीएचसी माथलपुट प्रमुख उपस्थित थे।

इंटरएक्टिव सत्र पूरा होने के बाद रोगियों को अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में चिकित्सा टीम से परामर्श किया और विश्वविद्यालय की ओर से उन्हें मुफ्त में दवाइयाँ वितरित की गईं । राजपालमा गांव में शिविर पूरा होने के बाद, मेडिकल टीम ने राजपालमा सेवा आश्रम छात्रावास की छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया् छात्रों को स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता और स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित पेयजल के महत्व के बारे में भी जागरूक किया चिकित्सकों की सिफारिश से

अस्वस्थ छात्रों को दवाइयां वितरित की गई विश्वविद्यालय ने अपने गोद लिए गाँवों में पहले से ही विभिन्न विकास गतिविधियाँ शुरु की है जिला प्रशासन से निरंतर मदद और समर्थन के साथ विश्वविद्यालय ने आठ नलकूपों की खुदाई करके, १७४ शौचालयों का निर्माण करके और चकरलीपुत, नुआगुडा और बलदा गांवों में स्थायी बिजली प्रदान करने में सफलता प्राप्त की है ।

ओकेंवि प्रो. सचिदानंद मोहांति को विदाई दे रही है

ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट ने दिनांक २८ फरवरी २०१९ को अपने लांडिगुडा परिसर में कुलपति प्रो. सचिदानंद मोहांति को धन्यवाद सहित विदाई समारोह आयोजित करके विदाई दी ।

प्रो. मोहांति ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के चौथे कुलपति और एक प्रशंसित शिक्षाविद के रूप में साढ़े तीन साल पूरे करने के बाद अपने पद से मुक्त हुए हैं
उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालय के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. शरत कुमार पालित को कार्यभार सौंपा है । उन्होंने १६.०१.२०१९ को भारत के राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा पत्र सौंप दिया था

प्रो. मोहांति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय समुदाय को इस सेवा के लिए धन्यवाद दिया था उन्होंने कहा कि "यह मेरे लिए सीखने की एक महान अवधि है और मैं आगामी समय में विश्वविद्यालय को शुभकामानाएं देता हूं हमें एकजुट होना होगा और विश्वविद्यालय के हितों की रक्षा करनी होगी"

इस अवसर पर विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा प्रो. एस.के. पालित, कार्यकारी कुलपति का स्वागत किया गया था

इस अवसर पर प्रो. भवानी प्रसाद रथ, ओएसडी परीक्षा, प्रशासन और छात्र कार्य व्यापार, प्रो. किशोर चंद्र राउत, अधिष्ठाता, शैक्षणिक, प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, श्री के. कोसला राव, वित्त अधिकारी प्रभारी, श्री के. उमा माहेश्वरी राव, संयुक्त कुलसचिव-प्रशासन और स्थापना, डॉ. फगुनाथ भोई, जन संपर्क अधिकारी, श्री विजयानंद प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और अन्य समस्त शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने उपस्थित थे।

प्रो. सचिदानंद मोहांति ने पच्चीस साल से अधिक समय तक हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशिष्ट सेवा के बाद दिनांक ७ अगस्त २०१५ को ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए थे।

नई नियुक्तियाँ

प्रो. शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, एसबीसीएनआर ने कार्यवाहक कुलपति के रूप में कार्यभार संभाला

प्रो. शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, जैवविविधता एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ ने दिनांक २८ फरवरी २०१९ के अप बजे से ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार संभाला है। स्वास्थ्य के कारण प्रो. सच्चिदानंद मोहांति, कुलपति के इस्तीफे के बाद उन्होंने यह पदभार संभाला है।

प्रो. पलिता, ३५ वर्ष से अधिक के शिक्षण करियर के साथ विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अकादमिक हैं। ओकेंवि में शामिल होने के बाद, उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए था। शामिल होने के बाद से वह विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण (बीसीएनआर), अधिष्ठाता, बीसीएनआर के स्कूल, संयोजक आईक्यूएसी सेल और नोडल अधिकारी, एनआईआरएफ रैंकिंग प्रक्रिया और अन्य सहित कई महत्वपूर्ण निकायों में बहुत सक्रिय हैं और अन्य पदों में भी रहे हैं। एनएएसी संचालन समिति की उनकी अध्यक्षता में एनएएसी मान्यता प्रक्रिया का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हुआ है।
विश्वविद्यालय के एकमात्र प्रोफेसर होने के नाते वे विभिन्न नीतिगत निर्णय लेने में भी शामिल हुए हैं । प्रो. मोहांति का इस्तीफा पत्र भारत के राष्ट्रपति ने स्वीकार किया है । उन्होंने प्रो. पालित को कार्यभार सौंपा है, जो विश्वविद्यालय के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर हैं ।

पुरस्कार तथा सम्मान

डॉ. फगुनाथ भोई, लोक संपर्क अधिकारी को भारत रत्न इंदिरा गांधी स्वर्ण पदक

ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. फगुनाथ भोई को उनके मीडिया और सार्वजनिक संबंध में उत्कृष्ट योगदान के लिए १८ नवंबर २०१८8 को ग्लोबल इकोनॉमिक प्रोग्रेस एंड रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भारत रत्न इंदिरा गांधी स्वर्ण पदक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है

डॉ. भोई को विभिन्न प्रमुख मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों में टेलीविजन निर्माण, पत्रकारिता, जनसंपर्क, शिक्षण और प्रशासन में मीडिया का अठारह वर्ष का अनुभव रहा है चूंकि पिछले सात साल से वह ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

विधिक तथा गैर-विधिक समितियाँ

कार्यकारी परिषद के सदस्यगण

क्र.	सदस्यों का नाम तथा पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
०२	प्रो. टी. सुब्रहमण्यम नायडू, भूतपूर्व प्रोफेसर सह निदेशक, शेंट्रॉल फॉर स्टडी ऑफ सोसल एक्सक्लयुजन एंड इनक्लूजीव पॉलिस, पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरा कुलाधिपति, विज्ञान विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश ६०५०१४	सदस्य
०३	प्रो. शिव प्रसाद अधिकारी,भूतपूर्व कुलपति, फकीर मोहन विश्वविद्यालय, व्यास विहार, नुआपाढ़ी, बालेश्वर - ७५६०२० ओडिशा	सदस्य
०४	प्रो. प्रियदर्शी मुखर्जी, प्रोफेसर, चाइनिज और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन, भाषा विद्यापीठ, साहित्य और संस्कृति अध्ययन, जेएनयू, नई दिल्ली -११००६७	सदस्य
०५	डॉ. ए. श्री रामलू, भूतपूर्व प्राचार्य, सरकारी डिग्री कॉलेज, हयतानगर, आर.आर. जिला, तेलेंगाना-५०१५११	सदस्य
०६	अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादूर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली -११० ००२	सदस्य
०७	सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली- ११० ११५	सदस्य
०८	प्रमुख सचिव, ओडिशा सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार, ओडिशा सचिवालय, भुवनेश्वर	सदस्य
०९	डॉ. शरत कुमार पलिता, प्रोफेसर तथा डीन, जैवविविधता तथा प्राकृतिक संसाधन संरक्षण विद्यापीठ, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
१०	डॉ. जयंत कुमार नायक, विभाग प्रभारी, मानवविज्ञान विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
११	प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन सदस्य सचिव

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

क्र.	**सदस्यों का नाम और उनका पता**	**पदनाम**
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो. गीता वेमुगंति, चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	बाह्य सदस्य
०३	प्रो. बी. एन. राय, वरिष्ठ प्रोफेसर, केआईआईएसएस, भुवनेश्वर	बाह्य सदस्य
०४	प्रो. अरूण अग्रवाल, अधिष्ठाता, कंप्यूटर तथा सूचना विज्ञान विद्यापीठ, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	बाह्य सदस्य
०५	प्रो. जतिंद्र कुमार नायक, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), उत्कल विश्वविद्यालय, अंग्रेजी भाषा विभाग, भुवनेश्वर	बाह्य सदस्य
०६	प्रो. संयुक्ता दासगुप्ता, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), अंग्रेजी भाषा तथा साहित्य विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता	बाह्य सदस्य

०७	वरिष्ठता के अनुसार एक एसोसीएट प्रोफेसर तथा रोटेशन में (सदस्य)	सदस्य
०८	डॉ. काकोली बानार्जी, सहायक प्रोफेसर, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
०९	डॉ. बी.के. श्रीनिवास, सहायक प्रोफेसर, सीयूओ	सदस्य
१०	श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, सीयूओ	सदस्य
११	डॉ. देवब्रत पंडा, सहायक प्रोफेसर, सीयूओ	सदस्य
१२	श्री संजीत कुमार दास, सहायक प्रोफेसर, सीयूओ	सदस्य
१३	प्रत्येक विभाग के विभागाध्यक्ष/अध्यक्ष प्रभारी (पदेन सदस्य)	सदस्य
१४	प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन सदस्य सचिव

वित्त समिति के सदस्यगण

क्रमांक	सदस्यों का नाम एवं पता	पदनाम
०१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	पदेन अध्यक्ष
०२	प्रो. कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	रिक्त
०३	न्यायालय का नामित व्यक्ति	रिक्त
०४	प्रो. टी. सुब्रहमण्यम नायडू, (कार्यकारी परिषद का सदस्य) भूतपूर्व प्रोफेसर सह निदेशक, शेंट्रॉल फॉर स्टडी ऑफ सोसल एक्सक्लयुजन एंड इनक्लूजीव पॉलिस, पंडिचेरी विश्वविद्यालय, पंडिचेरी कुलाधिपति, विज्ञान विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश- ६०५०१४	सदस्य
०५	डॉ. बी.के. महापात्र, भूतपूर्व कुलसचिव, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कुतुब इंस्टीच्युनॉल एरिया, नई दिल्ली - ११००१६	सदस्य
०६	डॉ. ए. श्रीरामुलु, भूतपूर्व प्राचार्य, सरकारी डिग्री महाविद्यालय हयतनगर, आर आर जिला, तेलेंगाना-५०१५११	सदस्य
०७	संयुक्त सचिव अथवा वित्तीय सलाहाकार/एमएचआरडी अथवा उनका नामित व्यक्ति वित्तीय ब्यूरो से जो उप-सचिव स्तर से कम न हो	सदस्य
०८	संयुक्त सचिव (केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा भाषा), एमएचआरडी अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति जो उप-सचिव पद से कम न हो	सदस्य
०९	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी अथवा किसी संयुक्त सचिव जिसे अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित हो	सदस्य
१०	वित्त अधिकारी, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सचिव

भवन निर्माण समिति के सदस्यगण

क्रमांक	नाम एवं पता	पदनाम
१	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	अध्यक्ष
२	श्री सुधाकर पंडा, भूतपर्वू अध्यक्ष, राज्य वित्तीय आयोग, ओडिशा सरकार, और विशेषज्ञ सदस्य, राज्य योजना बोर्ड (विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड का प्रतिनिधि के स्थान पर)	सदस्य
३	डॉ. शरत कुमार पालित, प्रोफेसर, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधन सुरक्षा विभाग, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
४	श्री के. कोसला राव, उप कुलसचिव (वित्त) ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट(वित्त अधिकारी का प्रतिनिधि)	सदस्य
५	प्रो. रंजन कुमार स्वांइ,'प्रधानाचार्य, पारला महाराज इंजीनियरिंग कॉलेज, सितापली, ब्रह्मपुर-७६१००३	सदस्य
६	इं. अशोक कुमार खटुआ, अधीक्षक यंत्री, केलोनि िव-टी-१,एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा, कोरापुट-७६३००२	सदस्य
७	श्री अंतरयामी पंडा, सेवानिवृत्त मुख्य यंत्री तथा सचिव (निर्माण)ओडिशा सरकार, ४- गणेश्वर बाग, टंकपाणी रोड, भुवनेश्वर-७५१०१८	सदस्य
८	इ. पी. साई कोमारेश्वर, कार्यपालक यंत्री (विद्युत) केलोनिवि-टी-१, एचएएल टाउनशिप, सुनाबेढा, कोरापुट-७६३००२	सदस्य
९	इं. ए.के. मलिक, अधीक्षक यंत्री, पीएच विभाग (ओडिशा सरकार, भवानीपाटना, कलाहांडी	सदस्य
१०	इं. पद्मलोचन स्वांई, कनिष्ठ यंत्री, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य
११	श्री रमेश चंद्र स्वाई, आर्किटेक्ट, एन२/६०/आईआरसी विलेज, भुवनेश्वर -७५१०१५	सदस्य
१२	इं. गायत्री होता, आर्किटेक्ट, केंलोनिवि, भुवनेश्वर, वरिष्ठ आर्किटेक्ट, केंलोनिवि के स्थान पर	सदस्य
१३	प्रो. प्रेमानंद दास , निदेशक तथा अध्यक्ष,शाइंस फाउंडेशन फॉर ट्राइबल एंड रूराल रिसोर्स, बरमुंडा, भुवनेश्वर -७५१००३	सदस्य
१४	प्रो. असित कुमार दास, कुलसचिव, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट	सदस्य सचिव

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

१.	अध्यक्ष	:	प्रो. सचिदानंद मोहांति, कुलपति, सीयूओ, कोरापुट
२.	निदेशक	:	प्रो. शरत कुमार पलिता, अधिष्ठाता, बीसीएनआर विद्यापीठ
३.	प्रशासनिक अधिकारीगण	:	१. कुलसचिव २. प्रो. के. सी. राउत, अधिष्ठाता, (शैक्षणिक) ३. प्रो. बी.पी. रथ, वि.का.अ. (प्रशा./परीक्षा/छात्र व्यापार)
४.	संकाय सदस्यगण	:	१. श्री सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, जेएम एंड सी २. डॉ. बी.के. श्रीनिवास, सहायक प्रोफेसर, मानवविज्ञान विभाग ३. डॉ. मिनती साहु, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग ४. डॉ. महेश कुमार पंडा, सहायक प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग ५. डॉ. रमेंद्र कुमार पारही, सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
५.	प्रबंधकों के सदस्यगण	:	१. प्रो. एस. पी. अधिकारी, कार्यकारी परिषद सदस्य
६.	स्थानीय सोसाइटी से नामित व्यक्ति	:	१. प्रो. पी. सी महापात्र, निदेशक, सीओएटीएस, कोरापुट २. श्री प्रभाकर अधिकारी, सचिव, प्रगति, कोरापुट
७.	नियोक्ता /उद्योगपति/हिताधिकारी के नामित व्यक्ति		१. डॉ राजीव साहु, प्रबंधक (एचआर) नाल्को, दामनजोड़ी, कोरापुट २. श्री तुषार रंजन बेहेरा, डीजीएम (एचआर), एचएएल, कोरापुट